आज का विचार
उलझन से भरी इस दुनिया में खुशहाल जिंदगी जीना भी किसी कामयाबी से कम नहीं है।

दैनिक
सिटी दर्पण
आईना सच का

3

सिटी दर्पण-राष्ट्रीय दैनिक हिंदी समाचार पत्र की अधिकारिक वेबसाइट पर जाने के लिए स्कैन करें।

चंडीगढ़ । वीरवार, 12 फरवरी, 2026 वर्ष 24, अंक 36, मूल्य: 3 रुपए, पृष्ठ 8 RNI Regn No.: CHAHIN/2003/09265 Established 2003 www.citydarpan.com

पंजाब सरकार राज्य में ग्राम न्यायालय के मुद्दे पर सभी कानूनी विकल्पों की पड़ताल करेगी: भगवंत सिंह मान

मुख्यमंत्री बोले- ग्राम न्यायालय का मुद्दा केंद्र सरकार के समक्ष उठाएंगे, कानूनी विशेषज्ञों की कमेटी बनाई जाएगी

यज्ञांश सर्मा
चंडीगढ़

ग्राम न्यायालय के लिए केंद्र की ओर से किए जा रहे दबाव के खिलाफ स्पष्ट लकीर खींचते हुए पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने इसे गैर-व्यवहारिक और कानूनी समुदाय के हितों के विपरीत बताया तथा कहा कि सरकार राज्य में इस मुद्दे पर निर्णायक कदम उठाने के लिए तैयार है। मुख्यमंत्री ने इस मामले की गहन जांच के लिए कानूनी विशेषज्ञों की कमेटी गठित करने का ऐलान करते हुए कहा कि वे इसे केंद्र सरकार के समक्ष उचित स्तर पर उठाएंगे।

इस मुद्दे को संस्थागत अखंडता और लोगों के विश्वास से संबंधित बताते हुए पंजाब के मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि न्यायपालिका में कानून का राज और नैतिक मानदंड सर्वोच्च रहने चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार वकीलों के हितों की रक्षा के लिए कोई कसर ताकत नहीं छोड़ेगी।

म्यूनिसिपल भवन में 65 बार एसोसिएशनों के प्रतिनिधियों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, पूरे राज्य के लोगों की 20 किलोमीटर के दायरे में अदालतों तक पहुंच है, जिस कारण यह संकल्प पंजाब में व्यावहारिक रूप से लागू नहीं हो सकता। वकील पहले ही केंद्र के इस कदम के खिलाफ डटे हुए हैं क्योंकि इससे राज्य सरकारों को कानूनी तौर पर समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। पंजाब में इस संकल्प को बंद करने के सभी तरीके खोजे जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने ऐलान किया, पंजाब सरकार इस संबंध में सभी पहलुओं की पड़ताल करने के लिए कानूनी विशेषज्ञों की एक कमेटी का गठन करेगी। मैं इस मुद्दे को केंद्र सरकार के समक्ष उचित मंचों पर भी उठाऊंगा।

अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि राज्य सरकार वकील समुदाय के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है और इस नेक कार्य के लिए कोई कसर ताकत नहीं छोड़ी जाएगी। बार एसोसिएशनों के योगदान को उजागर करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, बार एसोसिएशनों ने देश में कानूनी प्रणाली के विकास में प्रभावशाली ढंग से योगदान देने के लिए हमेशा महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और समाज की बेहतरी के लिए बड़े पैमाने पर काम किया है। भारत एक संप्रभु समाजवादी गणराज्य है, जिसमें संसदीय प्रणाली है और इसे यह गौरव प्राप्त है कि वह विश्व में सबसे बड़ी लोकतांत्रिक प्रणाली है। न्याय, आजादी, समानता और भाईचारा चार विशेषताएं हमारे संविधान द्वारा हर नागरिक के लिए सुरक्षित हैं।

कानूनी प्रणाली की महत्ता पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि, कानून का राज वह नींव है, जिस पर आधुनिक लोकतांत्रिक समाज की स्थापना की जाती है। न्यायपालिका में मूल्यों, अखंडता और उत्कृष्टता के लिए प्रतिबद्ध कानूनी प्रणाली एक जीवंत और न्यायपूर्ण समाज का महत्वपूर्ण अंग है। मैं मौलिक अधिकारों को समझता हूं और वकीलों को अपने करियर में सफल होने के लिए आने वाली मुश्किलों से भी जानकार हूं।

सार्वजनिक जीवन और कानूनी पेशे की तुलना करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, राजनीतिक नेताओं और वकीलों को एक जैसे जनता का विश्वास प्राप्त होता है और दोनों को इस विश्वास को हर तरीके से बनाए रखने के लिए काम करना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि, इंसाफ आज-कल दूसरी चीजों की तरह महंगा है। इसलिए उन्होंने यह विचार पेश किया कि वकीलों को समाज के हाशिए पर धकेल दिए गए वर्गों को मुफ्त कानूनी सहायता प्रदान करने के लिए एनजीओज की स्थापना करनी चाहिए। मीटिंग के स्थान का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, इस म्यूनिसिपल भवन को ह्यनियुक्ति भवनह्ण के रूप में जाना जाता है, क्योंकि यहां कुल 63,000 नौकरियों में से लगभग 50,000 नियुक्ति पत्र सौंपे गए हैं।

उन्होंने आगे कहा, पंजाब सरकार ने आम आदमी को लाभ पहुंचाने के लिए पहले ही बहुत सारे लोक पक्षी और नागरिक केंद्रित फैसले लिए हैं और कई और फैसले लिए जा रहे हैं। लोकतंत्र में लोग सर्वोच्च होते हैं। अपनी सत्ता के दौरान महलों में रहने वालों ने अपने घरों के दरवाजे लोगों के लिए बंद कर दिए थे लेकिन जब लोगों को मौका मिला तो उन महलों वालों के घरों के दरवाजे बाहर से बंद कर दिए।

इससे पहले एडवोकेट जनरल पंजाब मनिंदरजीत सिंह बेदी ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया और समागम की महत्ता के बारे में प्रकाश डाला।

डे-केयर कैंसर सेंटर सार्वजनिक स्वास्थ्य क्षेत्र में एक बड़ा बदलाव लाने वाला कदम हैं : नायब सिंह सैनी

बजट घोषणा हुई पूरी, हरियाणा के 22 जिलों में डे-केयर कैंसर सेंटर हुए शुरू

भूपेंद्र शर्मा
चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने बुधवार को चंडीगढ़ से राज्य के 17 जिलों में डे-केयर कैंसर सेंटर (ऊ्रउउ) का वर्चुअल उद्घाटन किया। इस प्रकार के सेंटर पहले ही पांच जिलों में लॉन्च किए जा चुके है, और आज से राज्य के 22 जिलों में डे-केयर कैंसर सेंटर चालू हो गए हैं। मुख्यमंत्री ने वित्त वर्ष 2025-26 के बजट में यह घोषणा की थी जिसे आज पूर्ण कर दिया गया है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री आरती सिंह राव भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल हुईं।

मुख्यमंत्री द्वारा 17 जिलों में शुरू किये डे-केयर कैंसर सेंटर प्रदेश के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करवाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इन डे-केयर कैंसर सेंटर का उद्देश्य कैंसर रोगियों को सुलभ, किफायती और उनके घर के नजदीक उपचार उपलब्ध कराना है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि कैंसर हरियाणा ही नहीं बल्कि पूरे देश में एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती बनकर उभरा है। इसका ईलाज काफी महंगा है, ऐसे में आमजन को ध्यान में रखते हुए कैंसर रोगियों के लिए सेंटर खोले गए है।

उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग राष्ट्रीय गैर-संचारी रोग निवारण एवं नियंत्रण कार्यक्रम (ठढ-ठउऊ) के तहत रोकथाम, स्क्रीनिंग और उपचार की व्यापक सेवाएं प्रदान कर रहा है। 30 वर्ष और उससे अधिक आयु के लोगों के लिए मुख, स्तन और गर्भाशय ग्रीवा कैंसर की नियमित जांच की जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन नए केंद्रों के शुरू होने से मरीजों को कीमोथेरेपी, फॉलो-अप उपचार व देखभाल जैसी सुविधाएं अपने जिले में ही मिल सकेंगी। यहां कैंसर ओपीडी, पेन एवं पेलिएटिव केयर ओपीडी और उपचार के बाद व्यवस्थित फॉलो-अप की सुविधाएं निशुल्क उपलब्ध होंगी। ये केंद्र ह्यहब एंड स्पोकह्ण मॉडल पर कार्य करेंगे। पीजीआईएमएस रोहतक, नेशनल कैंसर इंस्टीट्यूट (ठउक) झज्जर, सर्वोदय अस्पताल फरीदाबाद और अटल कैंसर केयर सेंटर, अंबाला छावनी हब के रूप में जिला अस्पतालों को विशेषज्ञ मार्गदर्शन प्रदान करेंगे। मुख्यमंत्री ने बताया कि अंबाला छावनी स्थित अटल कैंसर केयर सेंटर पहले से ही कीमोथेरेपी, रेडियोथेरेपी, सर्जरी और पेलिएटिव केयर जैसी अत्याधुनिक सुविधाएं दे रहा है। वर्ष 2025 में यहां हजारों मरीजों को उपचार दिया गया, जिनमें बड़ी संख्या में कीमोथेरेपी सत्र, मैमोग्राफी, ब्रैकीथेरेपी और कैंसर सर्जरी शामिल हैं।

मरीजों के खर्च घटेंगे: मुख्यमत्री

उन्होंने कहा कि जिला स्तर पर सेवाएं मिलने से मरीजों के यात्रा, ठहरने और अन्य खर्चों में कमी आएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार सामाजिक सहयोग भी सुनिश्चित कर रही है। हरियाणा रोडवेज की बसों में कैंसर मरीज और एक सहायक को मुफ्त यात्रा सुविधा दी जा रही है। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता तथा अंत्योदय (सेवा) विभाग के माध्यम से स्टैज 3 और 4 के कैंसर मरीजों, जिनकी पारिवारिक आय 3 लाख रुपये प्रतिवर्ष से कम है, को 3 हजार रुपये प्रतिमाह की वित्तीय सहायता दी जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में डे-केयर कैंसर सेंटरों की स्थापना से मरीजों को समय पर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हो पाएंगी। इस दौरान स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री आरती सिंह राव ने डे-केयर कैंसर सेंटर को सफलतापूर्वक शुरू करने के लिए स्वास्थ्य विभाग, डॉक्टरों और मेडिकल स्टाफ को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह कदम हरियाणा के प्रत्येक नागरिक के स्वास्थ्य और भलाई के प्रति मुख्यमंत्री और राज्य सरकार की संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता को दशार्ता है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग कैंसर केयर सेवाओं को बढ़ाने और कैंसर का जल्दी पता लगाने की दिशा में लगातार कार्य कर रहा है। विभाग का प्रयास है कि हर मरीज को मदद के साथ-साथ बेहतर इलाज मिल सके। इस दौरान मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव श्री राजेश खुल्लर, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा, स्वास्थ्य विभाग के सचिव श्री आर.एस. ढिल्लों, डीजीएचएस डॉ. मनीष बंसल और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

राहुल गांधी ने लोकसभा में भारत और अमेरिका ट्रेड डील को बताया समर्पण

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

लोकसभा में बुधवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते को केंद्र सरकार का ट्रंप प्रशासन के आगे समर्पण करार दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी सरकार ने इस डील में भारतीय डेटा, किसानों की सुरक्षा, ऊर्जा सुरक्षा और डिजिटल संप्रभुता अमेरिका के हवाले कर दिया।

राहुल गांधी ने लोकसभा में बजट पर चर्चा के दौरान कहा कि दुनिया स्थिरता से अस्थिरता की ओर बढ़ रही है। यूक्रेन युद्ध, गाजा संघर्ष, मिडिल ईस्ट में तनाव और ईरान के साथ युद्ध की आशंका ने माहौल को खतरनाक बना दिया है। आर्थिक सर्वेक्षण में सरकार खुद मानती है कि अमेरिका-केंद्रित पुराना बहुध्रुवीय सिस्टम टूट रहा है। डॉलर का वर्चस्व चुनौती का सामना कर रहा है, चीन और रूस जैसी ताकतें इसे चुनौती दे रही हैं। ऊर्जा और वित्त को हथियार बनाया जा रहा है। डॉलर कमजोर हो रहा है और सोना-चांदी की कीमतें बढ़ रही हैं। एनएसए ने कुछ समय पहले कहा था कि युद्ध का दौर खत्म हो गया है लेकिन अब हम युद्ध के दौर में प्रवेश कर चुके हैं। उन्होंने भारत की तीन सबसे बड़ी ताकतें गिनाते हुए कहा कि हमारी पहली ताकत है हमारे 1.4 अरब लोग जो ऊजार्वान और प्रतिभाशाली हैं। दूसरी ताकत है इनसे बनने वाला विशाल डेटा पूल। 21वीं सदी में जनसंख्या बोझ नहीं बल्कि सबसे बड़ा संसाधन है क्योंकि लोग डेटा बनाते हैं और डेटा ही एआई का ईंधन है। भारत का डेटा पूल दुनिया में सबसे बड़ा और सबसे विविध है। तीसरी ताकत है हमारे किसान और मजदूर जो खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं। ऐसे तूफानी दौर में इन तीन चीजों को बचाना सबसे जरूरी है। लोग और उनका डेटा, खाद्य सुरक्षा और ऊर्जा प्रणाली। एआई का दौर आ रहा है और इसके खतरनाक परिणाम होंगे। भारतीय आईटी उद्योग और लाखों सॉफ्टवेयर इंजीनियर खतरे में पड़ सकते हैं। एआई कई नौकरियों को खत्म कर देगा। ऐसे समय में सरकार को इन मुद्दों पर ध्यान देना चाहिए था लेकिन बजट में इनमें से किसी पर ठोस प्रावधान नहीं है।

भारत ने अमेरिकी की कई शर्तें स्वीकार की

राहुल गांधी ने भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते को लेकर कहा कि फरवरी 2026 में ट्रंप और मोदी की बातचीत के बाद यह डील घोषित हुई। अमेरिका ने भारतीय सामानों पर टैरिफ घटाया लेकिन बदले में भारत ने कई शर्तें मान लीं। असली लड़ाई भारतीय डेटा के लिए है और सरकार ने इसे बिना सुरक्षा के अमेरिका को सौंप दिया। डिजिटल ट्रेड नियमों पर नियंत्रण छोड़ दिया गया, डेटा लोकलाइजेशन की जरूरत खत्म कर दी गई, अमेरिकी कंपनियों को मुक्त डेटा प्रवाह और 20 साल का कर छूट (टैक्स हॉलीडे) घोषित दिया गया।

राहुल ने कहा कि भारतीय टैरिफ औसतन 3 प्रतिशत से बढ़कर 18 प्रतिशत हो गया जबकि अमेरिकी टैरिफ 16 प्रतिशत से शून्य हो गया। इससे टेक्सटाइल उद्योग पर संकट है, गुड़गांव की फैक्ट्रियां बंद हो रही हैं और किसानों पर खतरा मंडरा रहा है। अमेरिकी बड़े फार्म्स से सस्ता मक्का, सोयाबीन और कपास आएगा और हमारे गरीब किसान कुचल जाएंगे। ऊर्जा सुरक्षा भी खत्म हो गई है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि अब अमेरिका तय करेगा कि भारत, रूस या ईरान से तेल खरीद सकता है या नहीं।

तीन साल से एक ही जगह तैनात अधिकारियों का होगा तबादला: चुनाव आयोग

एजेंसी (हि.स.)
कोलकाता

पश्चिम बंगाल में आगामी विधानसभा चुनाव से पहले निर्वाचन आयोग ने तीन वर्ष से अधिक समय से एक ही पद या जिले में तैनात प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों के तबादले का निर्देश दिया है। बुधवार को आयोग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी।

निर्देश के अनुसार यह आदेश जिलाधिकारी, अतिरिक्त जिलाधिकारी, प्रखंड विकास अधिकारी, उप-मंडलाधिकारी और अन्य जिला स्तरीय प्रशासनिक अधिकारियों पर लागू होगा। इसके साथ ही पुलिस महानिरीक्षक (आईजी), उप-महानिरीक्षक (डीआईजी), पुलिस अधीक्षक (एसपी) और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक को भी स्थानांतरित किया जाएगा।

निर्वाचन आयोग के अधिकारी ने कहा कि स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के लिए यह निर्णय लिया गया है। जिन अधिकारियों ने किसी विशेष जिले या पद पर तीन वर्ष से अधिक समय पूरा कर लिया है, उन्हें स्थानांतरित करना अनिवार्य होगा। हालांकि, राज्य मुख्यालय में तैनात अधिकारियों को इस आदेश से छूट दी गई है। आयोग ने मुख्य सचिव को तत्काल अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश भेज दिए हैं।

आयोग ने यह भी स्पष्ट किया है कि पिछले विधानसभा चुनाव में जो अधिकारी किसी जिले में जिलाधिकारी, रिटर्निंग अधिकारी या निरीक्षक के रूप में कार्यरत थे उन्हें आगामी चुनाव में उसी जिले में दोबारा तैनात नहीं किया जाएगा।

निर्वाचन आयोग के अधिकारियों के अनुसार, चुनाव के दौरान प्रशासनिक निष्पक्षता बनाए रखने के लिए यह एक मानक प्रक्रिया है। इस तरह की स्थानांतरण नीति बड़े चुनावों से पहले विभिन्न राज्यों में नियमित रूप से अपनाई जाती रही है।

राहुल गांधी के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का नोटिस देगी भाजपा: रिजिजू

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बुधवार को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के कथित एपस्टीन फाइल्स को लेकर लगाए गए आरोपों को निराधार बताया है। रिजिजू ने कहा कि बजट पर चर्चा में राहुल बिना किसी तर्क, सबूत या पूर्व सूचना के आरोप लगा रहे हैं। इसलिए भाजपा संसदीय दल आज लोकसभा अध्यक्ष को राहुल गांधी के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का नोटिस देगा।

रिजिजू ने बुधवार को संसद परिसर में पत्रकार वार्ता में कहा कि राहुल के पूरे भाषण में जो भी गलत बातें कही गई हैं, उन्हें रिकॉर्ड से हटाया जाना चाहिए। साथ ही जिन शब्दों का प्रयोग असंसदीय है और जो झूठे आरोप लगाए गए हैं, उन्हें भी कार्यवाही से निकाल दिया जाना चाहिए। देश को बेच देने वाले राहुल के बयान पर अपनी प्रतिक्रिया में रिजिजू ने कहा कि इस देश को न कोई बेच सकता है और न ही कोई खरीद सकता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अब तक के सबसे मजबूत प्रधानमंत्री हैं।

रिजिजू ने कहा कि राहुल गांधी ने बिना पूर्व सूचना दिए मंत्री हरदीप सिंह पुरी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। यह विशेषाधिकार का उल्लंघन है। हम अध्यक्ष को आवश्यक सूचना देंगे। उन्होंने कहा कि राहुल जानबूझकर बार-बार ऐसा करते हैं। उनका भाषण आमतौर पर झूठ और आरोपों से भरा होता है। वे भाग जाते हैं और मंत्री का जवाब सुनने के लिए कभी नहीं बैठते।

उन्होंने कहा कि विपक्ष के नेता ने बजट चर्चा में सिर्फ बेबुनियाद आरोप लगाए और चल दिए। ये सदस्यीय मयार्दा का भी अपमान है। उम्मीद की जानी चाहिए कि जब वित्त मंत्री आज शाम 5 बजे बजट पर चर्चा का जवाब दें, तब राहुल गांधी सदन में उपस्थित रहें।

किसान-गरीब को बेचने वाले हमें समझौते पर नसीहत दे रहे : निर्मला सीतारमण

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को लोकसभा में कहा कि यह विडंबना है कि किसान और गरीब के हितों के साथ समझौता करने वाले कांग्रेस पार्टी के नेता आज हमें समझौता कैसे किया जाता है, इस पर नसीहत दे रहे हैं।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी के आरोपों का जवाब देते हुए केंद्रीय मंत्री ने लोकसभा में कहा कि आतंकवाद के बावजूद पाकिस्तान से समझौता करने वाले आज हमें समझौता करने के बारे में बता रहे हैं। उन्होंने कहा, ''जो लोग शर्म-अल-शेख में आतंकवाद के बावजूद पाकिस्तान के साथ बातचीत करना चाहते हैं, वे अब हमें बातचीत पर सुझाव दे रहे हैं।ह्व

लोकसभा में कल केंद्रीय बजट 2026-27 पर चर्चा के आरंभ के बाद आज दिनभर सदन में इसी विषय पर चर्चा चली। इसमें विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने भाग लिया और केंद्र सरकार पर निशाना साधा।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने चर्चा पर जवाब देते हुए बजट में महिला, युवा और मजदूरों के लिए किए गए कार्यों का उल्लेख किया।

लोकसभा में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट पर चर्चा के दौरान विपक्ष की कई आरोपों का खंडन किया। उन्होंने कहा कि युवाओं के लिए कोई नई योजना नहीं होने का आरोप गलत है। उन्होंने स्पष्ट किया कि देश में पांच क्षेत्रीय मेडिकल हब स्थापित किए जाएंगे। इनका उद्देश्य मेडिकल टूरिज्म को बढ़ावा देना है। केवल इस योजना से अगले पांच वर्षों में एक लाख रोजगार के अवसर सृजित होंगे।

वित्त मंत्री ने कहा कि पांच बड़े टेक्सटाइल टू लेदर पार्क स्थापित किए जाएंगे। इनसे बड़ी संख्या में नए रोजगार के अवसर बनेंगे। उन्होंने वृद्धजनों की देखभाल के लिए एक व्यापक केयर इकोसिस्टम तैयार करने की भी घोषणा की। इस वर्ष 1.5 लाख केयर गिवर को प्रशिक्षित किया जाएगा।

वित्त मंत्री ने कहा कि हमारी सरकार कौशल विकास को शिक्षा से जोड़ रही है। विद्यार्थियों को शिक्षा के दौरान ही कौशल प्रशिक्षण मिलेगा। इससे वे पढ़ाई पूरी करने के बाद उद्यमी बन सकेंगे। उन्होंने कहा कि राज्यों के औद्योगिक क्लस्टरों के पास मेगा उद्यमिता केंद्र स्थापित किए जा सकते हैं। केंद्र सरकार राज्यों के साथ मिलकर ऐसे उच्च शिक्षा केंद्र स्थापित करने को तैयार है।

डानकुनी से सूरत तक पूर्व-पश्चिम कॉरिडोर की घोषणा पर वित्त मंत्री ने तृणमूल नेताओं की टिप्पणियों को खारिज किया। उन्होंने कहा कि रेल मंत्री रहते हुए ममता बनर्जी ने लुधियाना से कोलकाता के कॉरिडोर की बात की थी जिस पर आगे कुछ नहीं हुआ। हमारा यह समर्पित माल ढुलाई कॉरिडोर बिल्कुल नई योजना है।

वित्त मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार माल ढुलाई खर्च घटाने के लिए सड़क मार्ग के साथ ही जल मार्ग के विकल्प भी तैयार कर रही है। इससे समुद्र तट से दूर स्थित राज्यों को भी लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि मछली क्षेत्र के साथ ही केंद्र सरकार ने जल मार्ग और 500 अमृत सरोवर के लिए भी बजट में यह प्रावधान किया है।

उन्होंने कहा कि दशकों से प्रसिद्ध 200 विरासत क्लस्टरों को उन्नत किया जाएगा। ये क्लस्टर एमएसएमई क्षेत्र को समर्थन देते रहे हैं। इनमें लुधियाना, जालंधर, कानपुर, बिहार और बंगाल के केंद्र शामिल हो सकते हैं। इनको आधुनिक उपकरण और वित्तीय सहायता दी जाएगी।

मेगा टेक्सटाइल पार्कों पर उन्होंने कहा कि औद्योगिक टेक्सटाइल नए युग का हिस्सा हैं। वाहन सीट जैसे उत्पाद इसी श्रेणी में आते हैं। केंद्र सरकार इस क्षेत्र में आने वाले राज्यों के साथ सहयोग को तैयार है।

उन्होंने कहा कि 2026-27 के लिए कुल व्यय 53.47 लाख करोड़ रुपये निर्धारित है। पूंजीगत व्यय 12.22 लाख करोड़ रुपये है। यह सकल घरेलू उत्पाद का 3.1 प्रतिशत है। यह 2025-26 के संशोधित अनुमान से 11.5 प्रतिशत अधिक है।

उन्होंने बताया कि केंद्र का पूंजीगत व्यय 12 लाख करोड़ रुपये है। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को मिलाकर यह 17.1 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचता है। राज्यों को 50 वर्ष के लिए पूंजीगत व्यय ऋण की सीमा 2 लाख करोड़ रुपये की गई है। राज्यों को करों में 41 प्रतिशत हिस्सा दिया जा रहा है। अगले वर्ष राज्यों को 25.44 लाख करोड़ रुपये हस्तांतरित किए जाने का अनुमान है। यह पिछले वर्ष से 2.7 लाख करोड़ रुपये अधिक है।

आरडीजी का भर्तियों और ओपीएस नहीं होने देंगे कोई असर : मुख्यमंत्री सुक्खू

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

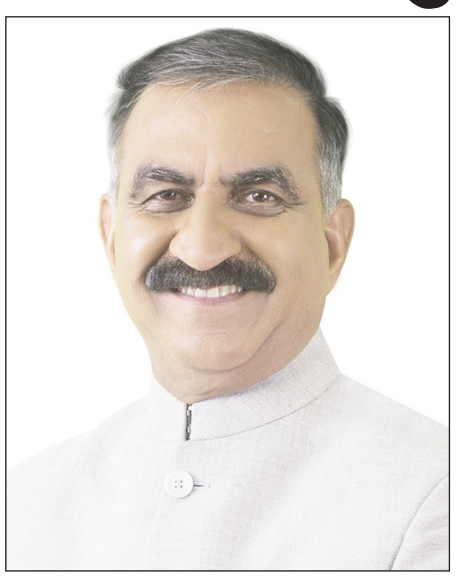

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा है कि आरडीजी (रेवेन्यू डेफिसिट ग्रांट) बंद होने का असर राज्य में सरकारी भर्तियों और पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) पर नहीं पड़ने दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार कर्मचारियों और युवाओं से जुड़े फैसलों पर किसी भी तरह की कटौती नहीं करेगी और राज्य की वित्तीय स्थिति को मजबूत बनाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

दिल्ली दौरे से शिमला लौटने के बाद बुधवार को मुख्यमंत्री सुक्खू ने कहा कि आरडीजी के मुद्दे पर विपक्ष केवल आरोप लगाने के बजाय केंद्र सरकार से हिमाचल के पक्ष में इसकी बहाली के लिए आवाज उठाए। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर के कार्यकाल में राज्य को लगभग 54 हजार करोड़ रुपये आरडीजी और करीब 16 हजार करोड़ रुपये जीएसटी मुआवजा मिला था, लेकिन उस समय वित्तीय प्रबंधन सही तरीके से नहीं किया गया। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि उस अवधि में मिले धन का सही उपयोग नहीं हुआ और कर्मचारियों की देनदारियां तथा कर्ज कम करने की दिशा में ठोस कदम नहीं उठाए गए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान सरकार को अपेक्षाकृत कम, लगभग 17 हजार करोड़ रुपये की आरडीजी मिली है, फिर भी सरकार ने राजस्व बढ़ाने और आर्थिक सुधारों के जरिए राज्य की वित्तीय स्थिति को संभालने का प्रयास किया है। उन्होंने भाजपा सरकार पर वित्तीय कुप्रबंधन का आरोप लगाते हुए कहा कि पिछले कार्यकाल में कई ऐसे भवन बनाए गए जो आज उपयोग में नहीं आ रहे हैं, जिससे सरकारी संसाधनों का नुकसान हुआ।

सुक्खू ने बताया कि आरडीजी बंद होने से पैदा हुई स्थिति और राज्य के वित्तीय हालात पर चर्चा के लिए 12 फरवरी को सर्वदलीय बैठक बुलाई गई है। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस बैठक में सभी राजनीतिक दल प्रदेश के हित में मिलकर समाधान तलाशने पर सहमत होंगे।

मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि अपने दिल्ली दौरे के दौरान उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और पूर्व केंद्रीय वित्त मंत्री पी. चिदंबरम से मुलाकात की। इन बैठकों में प्रदेश सरकार के कार्यों, आर्थिक सुधारों, आरडीजी बंद होने से होने वाले संभावित नुकसान और संगठन से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार से जुड़े विषयों को लेकर भी पार्टी नेतृत्व के साथ विचार-विमर्श किया गया है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जगत प्रकाश नड्डा से भी मुलाकात का समय मांगा गया था, लेकिन संसद सत्र चलने के कारण यह मुलाकात नहीं हो पाई।

पशुमित्र भर्ती: कंधे पर बोझ उठाकर लगाई दौड़, शारीरिक परीक्षण में 172 हुए उत्तीर्ण

मंडी। मंडी जिला के उपमंडल सरकाघाट में पशुमित्र भर्ती के तहत शारीरिक परीक्षण प्रक्रिया का आयोजन राजकीय महाविद्यालय सरकाघाट के खेल मैदान में किया गया। इस अवसर पर कंधे पर बोझ उठाकर दौड़ लगाकर पशुमित्रों ने शारीरिक परीक्षण दिया जो उपसमिति सरकाघाट की देखरेख में आयोजित किया गया, जिसकी अध्यक्षता तहसीलदार सरकाघाट मनीश कुमार ने की। तहसीलदार मनीश कुमार ने बताया कि उक्त भर्ती के लिए उपमंडल सरकाघाट से कुल 197 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था। इनमें से 193 अभ्यर्थियों के आवेदन स्वीकार किए गए। शारीरिक परीक्षण में 173 अभ्यर्थी उपस्थित हुए, जबकि 20 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। उपस्थित अभ्यर्थियों में से 172 को शारीरिक परीक्षण में उत्तीर्ण घोषित किया गया । शारीरिक परीक्षण उपसमिति में सहायक निदेशक कुक्कुट उत्पादन हिम हैचरी सुंदरनगर डॉ. मनदीप कुमार , वरिष्ठ पशु चिकित्सा अधिकारी सरकाघाट डॉ. राजेंद्र सिंह जसवाल शामिल रहे। इसके अतिरिक्त डॉ. दीपक वर्मा, डॉ. पंकज शर्मा, डॉ. आशीष शर्मा, डॉ. अर्पण शर्मा एवं अन्य स्टाफ सदस्य भी उपस्थित रहे।

आर्थिक संकट से उभरेगा हिमाचल : विक्रमादित्य सिंह

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

लोक निर्माण एवं शहरी विकास मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने कहा है कि हिमाचल प्रदेश वर्तमान में आर्थिक चुनौतियों से गुजर रहा है, लेकिन राज्य इस संकट से उभरकर फिर से मजबूत बनेगा। उन्होंने कहा कि पूर्व में भी प्रदेश ने कठिन आर्थिक परिस्थितियों का सामना किया है और हर बार मजबूती के साथ आगे बढ़ा है।बुधवार को शिमला ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत बठमाना के अंतर्गत जाबरी में महिला मंडल भवन के लोकार्पण के अवसर पर आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि फिजूलखर्ची पर रोक लगाना समय की जरूरत है और सरकार आर्थिक स्थिति को सुधारने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि महिलाएं ग्रामीण अर्थव्यवस्था की मजबूत आधारशिला हैं और प्रदेश सरकार ह्लहिम ईराह्व ब्रांड के माध्यम से महिलाओं द्वारा तैयार स्थानीय उत्पादों को देशभर में बाजार उपलब्ध करवा रही है, जिससे महिलाओं को घर बैठे रोजगार मिल रहा है। लगभग साढ़े तीन लाख रुपये की लागत से बने महिला मंडल भवन का सही उपयोग कर महिलाएं अपनी आजीविका को और मजबूत कर सकती हैं। विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि क्षेत्र के विकास और समस्याओं के समाधान के लिए सरकार लगातार काम कर रही है। उन्होंने बताया कि धामी कॉलेज के आधारभूत ढांचे को मजबूत किया जा रहा है और धामी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को आदर्श अस्पताल बनाने की दिशा में तेजी से कार्य चल रहा है। सुन्नी क्षेत्र के अस्पताल में बिस्तरों की संख्या बढ़ाकर 100 कर दी गई है तथा स्वास्थ्य विभाग में रिक्त पदों को भरने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

मंत्री ने बताया कि लगभग 25 करोड़ रुपये की लागत से नई पेयजल योजना तैयार की जा रही है, जिससे क्षेत्र के छूटे हुए घरों को लाभ मिलेगा। इसके अलावा सिंचाई योजनाओं पर भी काम किया जा रहा है। उन्होंने जायसी मंदिर के पास खेल मैदान बनाने तथा जिम के लिए दो लाख रुपये देने की घोषणा भी की। उन्होंने कहा कि पिछले तीन वर्षों में शिमला ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र में लगभग 375 से 400 करोड़ रुपये विभिन्न विकास कार्यों पर खर्च किए गए हैं, जबकि बठमाना पंचायत के विकास कार्यों के लिए अब तक 20 लाख रुपये जारी किए जा चुके हैं। मंगला माता से भीगड़ी सड़क के लिए सभी औपचारिकताएं पूरी होने के बाद बजट जारी किया जाएगा। मंत्री ने युवाओं में बढ़ती नशे की समस्या पर चिंता व्यक्त करते हुए लोगों से अपील की कि यदि आसपास कोई व्यक्ति नशे के कारोबार में शामिल हो तो उसकी सूचना तुरंत पुलिस को दें, क्योंकि सुरक्षित युवा पीढ़ी ही विकास की असली ताकत है।

केंद्रीय बजट 2026 विकसित भारत की मजबूत नींव : बिक्रम ठाकुर

एजेंसी (हि.स.)
धर्मशाला

केंद्रीय बजट 2026 देश को विकसित भारत 2047 के लक्ष्य की ओर ले जाने वाला दूरदर्शी और संतुलित बजट है। यह बात बुधवार को पूर्व मंत्री बिक्रम ठाकुर ने नूरपुर में प्रेस वार्ता को सम्बोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि यह बजट तात्कालिक लोकलुभावन घोषणाओं के बजाय दीर्घकालिक आर्थिक मजबूती, निवेश, रोजगार सृजन और आधारभूत ढांचे के विस्तार पर केंद्रित है। यह बजट स्पष्ट करता है कि केंद्र सरकार की प्राथमिकता केवल विकास नहीं, बल्कि समान अवसरों के साथ समावेशी विकास है।

इस बजट की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि देश की आर्थिक नीति को सब्सिडी आधारित मॉडल से निवेश आधारित मॉडल की ओर मजबूती से आगे बढ़ाया गया है। इससे देश की उत्पादक क्षमता बढ़ेगी और भारत वैश्विक अर्थव्यवस्था में और मजबूत भूमिका निभाएगा।

बिक्रम ठाकुर ने कहा कि रेलवे और कनेक्टिविटी के क्षेत्र में बजट ने देश के हर क्षेत्र को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने का संकल्प दोहराया है। रेलवे नेटवर्क का आधुनिकीकरण, सुरक्षा, विद्युतीकरण और स्टेशन विकास से यात्री सुविधाओं में सुधार होगा और माल परिवहन को गति मिलेगी।

पर्यटन को बजट में रोजगार सृजन का प्रमुख माध्यम माना गया है। पर्यटन इंफ्रास्ट्रक्चर, सुविधाओं और अनुभव आधारित विकास पर जोर देकर सरकार ने यह स्पष्ट किया है कि पर्यटन केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि आजीविका का सशक्त माध्यम है। इससे होटल, होम-स्टे, परिवहन, स्थानीय उत्पाद और हस्तशिल्प से जुड़े लाखों परिवारों को लाभ मिलेगा।

ठाकुर ने कहा कि बजट में माउंटेन ट्रेल, ट्रैकिंग और एडवेंचर टूरिज्म जैसे नए आयामों को प्रोत्साहन देकर पर्यावरण-अनुकूल विकास का संदेश दिया गया है। इससे भीड़भाड़ वाले पर्यटन स्थलों पर दबाव कम होगा और नए क्षेत्रों में रोजगार के अवसर सृजित होंगे। यह पहल युवाओं को स्थानीय स्तर पर गाइड, सेवाओं और स्वरोजगार से जोड़ने में सहायक होगी।

बनिहाल-कटड़ा रेल खंड पर विस्टाडोम कोच के साथ विशेष ट्रेन का सफल संचालन किया

सिटी दर्पण संवाददाता
जम्मू

उत्तर रेलवे के जम्मू मंडल ने बड़गाम-बनिहाल मार्ग पर चलने वाली विशेष ट्रेन (गाड़ी संख्या 04688/04687) का विस्तार श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा तक कर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। यात्रियों के अनुभव को यादगार बनाने के लिए इस ट्रेन में विस्टाडोम कोच जोड़ा गया है, जिसने अपनी पहली विस्तारित यात्रा में यात्रियों को मंत्रमुग्ध कर दिया। पहले दिन विशेष ट्रेन का संचालन सफल रहा, जिसमें लगभग 600 से भी अधिक लोगों ने अपनी यात्रा का लुप्त उठाया। यात्रियों के हित में उठाए गए, इस ऐतिहासिक कदम पर स्थानीय लोगों और पर्यटकों ने रेलवे के प्रति आभार व्यक्त किया और कहा कि विशेष ट्रेन को बनिहाल से कटरा तक पहुंचाकर स्थानीय लोगों को बेहतर कनेक्टिविटी का विशेष लाभ दिया हैं। यात्रियों ने अपनी यात्रा के दौरान विस्टाडोम कोच में कांच की छत और बड़ी पारदर्शी खिड़कियों से पहाड़ों, नदियों और सुरंगों के अद्भुत नजारों का आनंद लिया, साथ ही चिनाब नदी पर बने दुनिया के सबसे ऊंचे पुल और पहले केबल-स्टेयड अंजी पुल जैसे इंजीनियरिंग अजूबों का दीदार किया। ट्रेन के सफल संचालन पर वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, श्री उचित सिंघल ने कहा, कि यह एक पहल है, विस्टाडोम कोच के माध्यम से यात्रियों की यात्रा को प्राकृतिक नजारों के साथ सुगम बनाया जा सके, और कश्मीर में पर्यटन को बढ़ावा मिल सके। आज पहले दिन इस विशेष ट्रेन के संचालन पर यात्रियों ने इसकी खुब सराहना करते हुए, अपनी यात्रा को और अधिक रोमांचक बनाया।

आईजीएमसी में डॉक्टरों का कमाल, बिना ओपन सर्जरी पेट के कैंसर का जटिल ऑपरेशन सफल

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज (आईजीएमसी) शिमला के डॉक्टरों ने चिकित्सा क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए पेट के कैंसर से पीड़ित 44 वर्षीय महिला की जटिल सर्जरी पूरी तरह लैप्रोस्कोपिक तकनीक से सफलतापूर्वक कर दी है। इस सर्जरी में मरीज के पेट का लगभग 80 से 90 प्रतिशत हिस्सा हटाया गया और पूरी प्रक्रिया शरीर के अंदर ही की गई, जबकि केवल नमूना बाहर निकालने के लिए छोटा सा चीरा लगाया गया।

करीब पांच से छह घंटे तक चली यह ह्लनियर टोटल गैस्ट्रेक्टॉमीह्व सर्जरी बिना ओपन सर्जरी में बदले सफलतापूर्वक पूरी हुई, जिसे आईजीएमसी के इतिहास में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। आमतौर पर इस तरह की जटिल सर्जरी बड़े निजी अस्पतालों में की जाती है, जबकि उत्तर भारत के किसी सरकारी अस्पताल में इस तरह की सर्जरी पहली बार होने का दावा किया गया है। ऑपरेशन के बाद मरीज की हालत स्थिर है और जल्द ही उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी जाएगी।

यह सर्जरी सर्जिकल गैस्ट्रोएंट्रोलॉजी यूनिट के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर डॉ. वेद शर्मा के मार्गदर्शन में की गई। ऑपरेशन का नेतृत्व सहायक प्रोफेसर डॉ. विपन के. शर्मा ने किया, जबकि टीम में सीनियर रेजीडेंट डॉ. शुभम अग्रवाल और डॉ. लक्ष्य बंसल तथा जूनियर रेजीडेंट डॉ. आशीष कटवाल शामिल रहे। एनेस्थीसिया टीम का नेतृत्व एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. मनोज पवार ने किया।

आईजीएमसी के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. राहुल राव ने बताया कि यह अत्यंत जटिल और उन्नत सर्जरी है, जिसमें उच्च स्तर की सर्जिकल कुशलता और टीमवर्क की आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा कि सर्जरी के दौरान कैंसर उपचार से जुड़े सभी जरूरी चिकित्सा मानकों का पालन किया गया।

आधुनिक मशीनों और उपकरणों के नवीनीकरण तथा नए उन्नत सेटअप उपलब्ध होने से इस तरह की सर्जरी अब प्रदेश में ही संभव हो रही है, जिससे मरीजों को उन्नत उपचार के लिए बड़े निजी अस्पतालों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा।

विकसित भारत 2047 में युवाओं की भूमिका पर केंद्रीय विश्वविद्यालय जम्मू में मंथन

एजेंसी (हि.स.)
जम्मू

विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को साकार करने की दिशा में केंद्रीय विश्वविद्यालय जम्मू के स्कूल ऑफ बिजनेस स्टडीज द्वारा ह्लविकसित भारत एंड युवाह्व विषय पर एक महत्वपूर्ण पैनल चर्चा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विचारकों और युवा विशेषज्ञों ने राष्ट्र निर्माण में युवाओं की निर्णायक भूमिका पर व्यापक विचार-विमर्श किया। कार्यक्रम कुलपति प्रो. संजीव जैन के संरक्षण में आयोजित हुआ और दीप प्रज्ज्वलन के साथ शुभारंभ किया गया। प्राचार्य-समुदाय कॉलेज डॉ. नरेश कुमार ने स्वागत भाषण देते हुए अतिथियों का परिचय कराया और चर्चा की रूपरेखा प्रस्तुत की। मुख्य वक्ता सामाजिक चिंतक संजय कुमार ने कहा कि विकसित राष्ट्र बनने के लिए सामाजिक समरसता, समानता और समावेशिता आवश्यक है। उन्होंने परिवारिक मूल्यों के सुदृढ़ीकरण, पर्यावरण अनुकूल जीवनशैली और युवाओं में नागरिक चेतना व आत्मगौरव के विकास पर जोर दिया। स्कूल ऑफ बिजनेस स्टडीज की डीन प्रो. नीलिका अरोड़ा ने चर्चा का संचालन करते हुए कहा कि रचनात्मकता, नवाचार और तकनीक के रणनीतिक उपयोग से ही भारत 2047 के लक्ष्य को प्राप्त कर सकता है। पैनल में रोहन बौगल, निशा मन्हास, अनिकेत सिंह और वंशिका ने कौशल विकास, शिक्षा और उद्योग के बीच समन्वय तथा भारत की सांस्कृतिक पहचान को संरक्षित रखते हुए आधुनिकीकरण पर बल दिया। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन और राष्ट्रगान के साथ हुआ।

संक्षिप्त-समाचार

राजबाग के खानपुर में पीआईए लिखा संदिग्ध गुब्बारा बरामद, पुलिस ने शुरू की जांच

कठुआ। कठुआ जिले के राजबाग थाना क्षेत्र के अंतर्गत गांव खानपुर में उस समय हलचल मच गई जब स्थानीय लोगों को पीआईए लिखा हुआ पाकिस्तानी गुब्बारे जैसा एक संदिग्ध वस्तु दिखाई दी। सूचना मिलते ही राजबाग पुलिस मौके पर पहुंची और क्षेत्र को सुरक्षित घेराबंदी में लेकर जांच शुरू कर दी। प्राह्न जानकारी के अनुसार, ग्रामीणों ने खेतों के पास पड़े इस गुब्बारेनुमा वस्तु को देखा, जिस पर पीआईए लिखा हुआ था। इसे संदिग्ध मानते हुए तुरंत पुलिस को सूचित किया गया। पुलिस टीम ने मौके का निरीक्षण किया और वस्तु को कब्जे में लेकर उसकी प्रकृति और स्रोत का पता लगाने की कार्रवाई शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में इसे गुब्बारा प्रतीत किया जा रहा है, हालांकि सुरक्षा एजेंसियां सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए सतर्कता बरत रही हैं। संबंधित एजेंसियों को भी मामले की जानकारी दे दी गई है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध वस्तु को हाथ न लगाएं और तुरंत प्रशासन को सूचित करें। मामले की विस्तृत जांच जारी है।

रोहड़ू में पेयजल आपूर्ति में मिलावट का मामला, एफआईआर दर्ज

शिमला। शिमला जिले के रोहड़ू क्षेत्र में पेयजल में संदिग्ध मिलावट का मामला सामने आने के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना तब सामने आई जब स्थानीय निवासी ने पी ो के पानी से दवा जैसी गंध आने की शिकायत की और बाद में पानी की जांच में मिलावट की पुष्टि हुई। पुलिस को दी शिकायत में टिक्कर तहसील के बरेष्टू गांव निवासी आदर्श शर्मा ने बताया कि 8 फरवरी की दोपहर जब वे घर पर भोजन कर रहे थे, तब उन्हें पीने के पानी से दवा जैसी तेज गंध महसूस हुई। उन्होंने तुरंत आसपास के लोगों को इसकी जानकारी दी, जिसके बाद आईपीएच विभाग के माध्यम से पानी का नमूना जांच के लिए भेजा गया। जांच के बाद विभाग ने बताया कि पानी के नमूने में किसी औषधीय पदार्थ की मिलावट पाई गई है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने जांच शुरू कर दी है और यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि पानी में यह मिलावट किस तरह और किसने की। इस संबंध में पुलिस थाना रोहड़ू में भारतीय न्याय संहिता की धारा 279 के तहत एफआईआर दर्ज की गई है और मामले की जांच जारी है।

बावा भैडदेव स्थान ट्रस्ट ने जारी किया वर्ष 2026 का पंचांग

जम्मू। श्री बावा भैडदेव स्थान ट्रस्ट (पंजीकृत) द्वारा बुधवार को डोगरा ब्राह्मण प्रतिनिधि सभा, चाणक्य चौक, प्रेड जम्मू में एक भव्य समारोह का आयोजन कर वर्ष 2026 का वार्षिक पंचांग जारी किया गया। कार्यक्रम में जम्मू पूर्व के विधायक युधवीर सेठी, ट्रस्ट अध्यक्ष बलवंत सिंह और महासचिव रमेश शर्मा ने संयुक्त रूप से पंचांग का विमोचन किया। इस अवसर पर पूर्व उपायुक्त बी.एस. जम्वाल, एनएमसी अध्यक्ष सुभाष शास्त्री, डीबीपीएस अध्यक्ष वेद प्रकाश शर्मा सहित विभिन्न सामाजिक व धार्मिक संगठनों के गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता डीबीपीएस चेयरमैन एडवोकेट पी.सी. शर्मा ने की। कार्यक्रम की शुरूआत वैदिक मंत्रोच्चारण और श्लोक पाठ से हुई। वक्ताओं ने बावा भैर देवता जी के प्राचीन इतिहास पर प्रकाश डालते हुए जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश सरकार से मांग की कि हजारों वर्ष पुराने इस पवित्र स्थल को पर्यटन सर्किट के मानचित्र पर शामिल किया जाए। साथ ही देश के विभिन्न हिस्सों से वर्षभर आने वाले लाखों श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए आधारभूत ढांचे को सुदृढ़ एवं उन्नत करने की भी अपील की गई। समारोह में जम्मू क्षेत्र के विभिन्न गांवों, अन्थेम, सौरव, कट्टल बट्टल और भैर, से आए श्रद्धालुओं व प्रतिनिधियों ने भाग लिया। ट्रस्ट के ट्रस्टी एवं सदस्य ओम प्रकाश शर्मा, पूर्व सरपंच कृपाल सिंह, सुभाष शर्मा, गिरधारी लाल, एडवोकेट सी.एम. शर्मा, एडवोकेट अंचित शर्मा, रितिज खजूरिया, रमण शर्मा, संजय बरू, एम.एल. पढ़ा, बरिता राम, गुरदास शर्मा सहित अन्य सदस्य भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ

सोलन के नए पुलिस अधीक्षक एस. डी. वर्मा ने संभाला पदभार

सोलन। सोलन में 2020 बैच के आईपीएस अधिकारी पुलिस अधीक्षक सांई दत्तात्रेय वर्मा ने बुधवार को बतौर पुलिस अधीक्षक सोलन का कार्यभार संभाल लिया है । सोलन पुलिस अधीक्षक का कार्यभार संभालने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए सांई दत्तात्रेय वर्मा ने कहा कि उनकी प्राथमिकता नशे का कारोबार करने वालों पर कड़ी कारवाई करना रहेगी । उन्होंने कहा कि नशे की गर्त में फंस रहे युवाओं को जानलेवा नशे के चंगुल से बचाना अति आवश्यक है । इसके अलावा उन्होंने महिला सुरक्षा को भी अपनी मुख्य प्राथमिकता बताया है । पुलिस अधीक्षक एस. डी. वर्मा ने बताया कि नशीले पदार्थों की तस्करी व इसके सेवन पर लगाम लगाने के लिए पूर्व पुलिस अधीक्षक गौरव सिंह द्वारा सराहनीय कार्य किया गया था । इसी अभियान को जारी रखते हुए नशे के कारोबारियों के बैक लिंक का पता लगाना और उनकी सम्पत्तियों को सरकार के खाते में निहित करना जारी रखा जाएगा । सोलन शहर में यातायात व्यवस्था पर बोलते हुए कहा कि शहर में वाहनों की बढ़ती तादात के कारण यातायात व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करेंगे व यातायात नियमों की अवहेलना करने वालों पर सख्त कार्यवाही अमल में लाई जाएगी । इसके अलावा उन्होंने बताया कि कानून व्यवस्था पुलिस का मुख्य दायित्व है जनता व पुलिस में सहजता से सामंजस्य स्थापित किया जायेगा ताकि किसी तरह की परेशानी जनता को ना हो सके। कानून व्यवस्था और पुलिस की गश्त को बढ़ाया जाएगा, जिससे असमाजिक तत्वों व चोरी की वारदात को अंजाम देने वालों पर लगाम लग सके तथा शहर की जनता का पुलिस पर भरोसा बढ़ने के साथ वह सुकून महसूस करें ।

आरोप

कहा- तेजी से बढ़ रहा है हिमाचल का राजकोषीय घाटा

कांग्रेस सरकार अपनी वित्तीय नाकामी छिपाने के लिए केंद्र को दोष दे रही : संजय टंडन

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल प्रदेश में आरडीजी और राज्य की वित्तीय स्थिति को लेकर जारी राजनीतिक बयानबाजी के बीच भाजपा प्रदेश सह-प्रभारी संजय टंडन ने कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोला है। शिमला में बुधवार को आयोजित प्रेस वार्ता में उन्होंने कहा कि राज्य सरकार अपनी वित्तीय अव्यवस्था, बढ़ते कर्ज और घाटे को छिपाने के लिए केंद्र सरकार पर निराधार आरोप लगा रही है।

संजय टंडन ने कहा कि राजस्व घाटा अनुदान (आरडीजी) का चरणबद्ध समाप्त होना कोई अचानक लिया गया फैसला नहीं है बल्कि यह पहले से तय प्रक्रिया का हिस्सा है और राज्य सरकार को इसकी जानकारी पहले से थी। इसके बावजूद सरकार ने न तो वैकल्पिक राजस्व बढ़ाने पर पर्याप्त ध्यान दिया और न ही खर्चों को नियंत्रित करने के लिए प्रभावी कदम उठाए। उन्होंने कहा कि हिमाचल और उत्तराखंड जैसे समान परिस्थितियों वाले राज्यों की तुलना करें तो उत्तराखंड ने बेहतर वित्तीय प्रबंधन किया है, जबकि हिमाचल में कर्ज और राजकोषीय घाटा तेजी से बढ़ा है।

टंडन ने आरोप लगाया कि प्रदेश सरकार ने बड़ी संख्या में ओएसडी, सलाहकारों और अन्य राजनीतिक नियुक्तियों से राजस्व व्यय बढ़ा दिया है, जिससे वित्तीय बोझ और बढ़ा है। उन्होंने कहा कि सरकार पहले अपने वित्तीय प्रबंधन को सुधारने के बजाय केंद्र सरकार पर दोषारोपण की राजनीति कर रही है। उन्होंने यह भी कहा कि केंद्र सरकार की कई योजनाएं 90:10 फंडिंग मॉडल पर चलती हैं और पूर्व भाजपा सरकार ने इन योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाकर प्रदेश में कई परियोजनाएं शुरू की थीं, जबकि वर्तमान सरकार परियोजनाओं की तैयारी और क्रियान्वयन में पीछे रह गई है। केंद्रीय बजट 2026 का जिक्र करते हुए संजय टंडन ने इसे क्रांतिकारी और दूरदर्शी बजट बताया और कहा कि यह बजट वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का मजबूत रोडमैप प्रस्तुत करता है। उन्होंने कहा कि बजट में बुनियादी ढांचे और पूंजीगत व्यय पर विशेष जोर दिया गया है और इसके लिए करीब 12 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। टंडन के अनुसार बजट में युवाओं, महिलाओं, किसानों, एमएसएमई और उद्यमियों सहित सभी वर्गों के लिए कई प्रावधान किए गए हैं तथा इंफ्रास्ट्रक्चर, रेलवे, सड़क, हवाई अड्डों और लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में निवेश बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया गया है।

उन्होंने कहा कि जहां केंद्र सरकार वित्तीय अनुशासन के साथ विकास पर ध्यान दे रही है, वहीं हिमाचल की कांग्रेस सरकार कुप्रबंधन और आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति में लगी हुई है। टंडन ने कहा कि जनता वास्तविक स्थिति को समझती है और आने वाले समय में इसका जवाब भी देगी।

सिकंदर कुमार ने संसद में हिमाचल की स्वास्थ्य सुविधाओं का मुद्दा उठाया

दिल्ली। राज्यसभा सांसद एवं भाजपा प्रदेश महामंत्री डॉ. सिकंदर कुमार ने संसद में हिमाचल प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े कई अहम मुद्दे उठाए। उन्होंने केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री से पूछा कि क्या हिमाचल प्रदेश को बढ़ते स्वास्थ्य खर्च को बनाए रखने के लिए बिना ऋण भार बढ़ाए कोई विशेष वित्तीय सहायता दी जा रही है। साथ ही उन्होंने हमीरपुर में प्रस्तावित कैंसर देखभाल केंद्र को समयबद्ध तरीके से शुरू करने, पीजी सीटों की संख्या बढ़ाने, रोबोटिक सर्जरी शुरू करने और राज्य में ही उच्च स्तरीय स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए किए जा रहे उपायों की जानकारी भी मांगी। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री प्रतापराव जाधव ने सदन में जवाब देते हुए कहा कि जन स्वास्थ्य राज्य का विषय है और नागरिकों को बुनियादी स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने की प्राथमिक जिम्मेदारी राज्य सरकारों की होती है। उन्होंने बताया कि सभी नागरिकों को सस्ती और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से केंद्र सरकार राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के माध्यम से राज्यों को तकनीकी और वित्तीय सहायता प्रदान कर रही है। इस योजना के तहत स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करने, स्वास्थ्य संस्थानों में पर्याप्त मानव संसाधन उपलब्ध कराने और वंचित वर्गों तक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाने के लिए सहयोग दिया जाता है। केंद्रीय राज्य मंत्री ने यह भी बताया कि वित्तीय वर्ष 2022-23 से 2024-25 के बीच राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन तथा गैर-संचारी रोगों की रोकथाम और नियंत्रण कार्यक्रम के तहत हिमाचल प्रदेश को केंद्र सरकार द्वारा धनराशि जारी की गई है, जिसका विवरण सदन में प्रस्तुत किया गया। उन्होंने जानकारी दी कि राजकीय चिकित्सा महाविद्यालयों में पीजी सीटों की संख्या बढ़ाने के लिए सुदृढ़ीकरण और उन्नयन योजना के तहत आईजीएमसी शिमला में 17 पीजी सीटें बढ़ाने के लिए 14.50 करोड़ रुपये की स्वीकृत लागत से सहायता दी गई है। इसमें से 11.04 करोड़ रुपये का केंद्रीय अंशदान राज्य सरकार को जारी किया जा चुका है।

दैनिक सिटी दर्पण आईना सच का

नवोन्मेषक: स्व. कृष्णा शर्मा
स्व. गीता शर्मा
संस्थापक: सतपॉल शर्मा

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक भुपेंद्र शर्मा द्वारा इंप्रेशन्ज प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, प्लॉट नं. 22, ग्राउंड फ्लोर, फेस-2, इंडस्ट्रियल एरिया, पंचकूला-134113 (हरियाणा) पर मुद्रित एवं 801/1 सेक्टर-40ए, चंडीगढ़ से प्रकाशित- 160036

सभी विवादों का केंद्र न्यायालय चंडीगढ़ होगा।

स्थानीय कार्यालय
801/1, सेक्टर-40ए, चंडीगढ़।
संपर्क: 7888450261
Email: citydarpan1@gmail.com

सरकार पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय दर्शन पर चलते हुए गरीब से गरीब व्यक्ति तक पहुँचा रही है लाभः सैनी

मुख्यमंत्री ने पंचकूला में पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित समर्पण दिवस कार्यक्रम को संबोधित कर, दी श्रद्धांजलि

सिटी दर्पण संवाददाता

पंचकूला

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा सरकार पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय दर्शन पर चलते हुए गरीब से गरीब व्यक्ति तक विकास का लाभ पंहुचा रही है। सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि विकास की रोशनी अंतिम छोर तक पंहुचे और कोई भी नागरिक पीछे ना छूटे।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी पंचकूला स्थित बीजेपी प्रदेश कार्यालय पंचकमल में पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में आयोजित ह्यसमर्पण दिवसह्न कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। इससे पहले मुख्यमंत्री ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि पर आज पूरा देश समर्पण दिवस मना रहा है। उन्होंने कहा कि आज का दिन यह याद दिलाता है कि राजनीति सत्ता का साधन नहीं, बल्कि सेवा का माध्यम है। उन्होंने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऐसे राजनेता थे, जिन्हें सत्ता में कोई आकर्षण नहीं था। फिर भी वे अपने अनुयायियों के दिलों पर राज करते थे। वे ईमानदारी की प्रतिमूर्ति थे। उन्होंने दलगत राजनीति से परे राष्ट्र-सेवा को सर्वोपरि माना।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने भारतीय जीवन-दर्शन, भारतीय रीति-नीति और महान संस्कृति, महान परंपराओं और सामाजिक ताने-बाने के अनुरूप ह्यएकात्म मानववादह्न और ह्यअंत्योदयह्न जैसे कालजयी सिद्धांतों का प्रतिपादन किया। उन्होंने कहा कि समाज की प्रगति का मूल्यांकन शिखर पर खड़े व्यक्ति से नहीं, बल्कि अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति की स्थिति से होना चाहिए। गांव, गरीब, किसान, वंचित, पीड़ित, शोषित और आदिवासी, यही उनके चिंतन के केंद्र में थे। उन्होंने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय का मानना था कि जब तक समाज का अंतिम व्यक्ति सशक्त नहीं होगा, तब तक राष्ट्र सशक्त नहीं हो सकता।

श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि वर्तमान में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने अंत्योदय के सिद्धांत के अनुरूप ह्यसबका साथ-सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयासह्न का मूल मंत्र दिया है। उन्होंने बिना किसी भेदभाव के हर पात्र व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने का संकल्प लिया है। गरीबों को आवास, शौचालय, उज्ज्वला गैस कनेक्शन, बिजली और शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के अभियान हों या देश की 80 करोड़ जनता को मुफ्त राशन देने की योजना, ये सभी प्रयास पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचारों को व्यवहार में उतारने के उदाहरण हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा में भी ह्यअंत्योदय दर्शनह्न पर चलते हुए गरीब से गरीब व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाने के लिए भोजन, कपड़ा, आवास, शिक्षा एवं चिकित्सा जैसी मूलभूत आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए गरीब कल्याण के लिए अनेक कार्यक्रम चलाए है। प्रदेश में 41 लाख गरीब परिवारों को मुफ्त राशन दिया जा रहा है। हर घर-हर गृहिणी योजना के तहत 14 लाख 50 हजार परिवारों को 500 रुपये में गैस सिलैण्डर दिया जा रहा है। गरीब के सिर पर अपनी छत हो, यह सपना पूरा करने के लिए ह्यप्रधानमंत्री आवास योजनाह्न के तहत 1 लाख 56 हजार मकान दिए गए हैं। साथ ही ह्यमुख्यमंत्री आवास योजनाह्न के तहत शहरों व गांवों में 27 हजार से अधिक गरीब परिवारों को प्लॉट दिए हैं। ह्यअम्बेडकर आवास नवीनीकरण योजनाह्न के तहत गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले अनुसूचित जाति, विमुक्त जाति एवं टपरीवास जाति के लोगों को मकान मरम्मत के लिए 80 हजार रुपये दिए जा रहे हैं, जिसके तहत अब तक 76 हजार 985 लाभार्थियों को 416 करोड़ रुपये की राशि दी गई है।

स्वास्थ्य के क्षेत्र में उठाए गए अभूतपूर्व कदमों का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि कोई भी गरीब व्यक्ति धन के अभाव में इलाज से वंचित ना रहे इसके लिए ह्यआयुष्मान भारत-चिरायु योजनाह्न के तहत 5 लाख रुपये तक की मुफ्त इलाज सुविधा दी जा रही है। अब तक लगभग 4 हजार करोड़ रुपये की लागत से 27 लाख लोगों का मुफ्त इलाज करवाया गया है। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव के दौरान उन्होंने जो संकल्प लिया था, उसे पूरा करते हुए किडनी के रोग से पीड़ित रोगियों के लिए सभी सरकारी अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों में मुफ्त डायलिसिस की सेवाएं शुरू की गई हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में सामाजिक उत्थान की दिशा में, ह्यमुख्यमंत्री विवाह शगुन योजनाह्न के माध्यम से गरीब परिवारों की बेटियों के विवाह के लिए 71 हजार रुपये तक की वित्तीय सहायता दी जाती है। सबको शिक्षा के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सरकार ने 1 लाख 80 हजार रुपये से कम आय वाले गरीब परिवारों के विद्यार्थियों के लिए भी 12वीं कक्षा तक मुफ्त पुस्तकें, वर्दी व लेखन सामग्री देने का प्रावधान किया है। इन विद्यार्थियों को कोई फीस भी नहीं देनी होगी। इसी प्रकार ऐसे परिवारों की कॉलेज और यूनिवर्सिटी में पढ़ने वाली बेटियों से भी फीस नहीं ली जाती। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने लोगों से आान किया कि वे पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचारों को अपने आचरण, निर्णयों और कार्यों में आत्मसात करें और राष्ट्र सेवा, समाज सेवा और अंत्योदय के मार्ग से कभी विचलित ना हो। यहीं उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। इस अवसर पर हरियाणा विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष श्री ज्ञानचंद गुप्ता, जिलाध्यक्ष श्री अजय मित्तल, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती बंतो कटारिया, पूर्व मेयर श्री कुलभूषण गोयल, कार्यक्रम के संयोजक श्री अमरेंद्र, मुख्यमंत्री के मीडिया सचिव श्री प्रवीण अत्रे सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

बढ़ता कर्ज, घटती जिम्मेदारी, देश और हरियाणा दोनों की वित्तीय हालत चिंताजनकः सैलजा

सिटी दर्पण संवाददाता

सिरसा/चंडीगढ़

केंद्र पर केवल 10 वर्षों में 127 लाख करोड़ से अधिक का नया कर्ज बढ़ गया

सिरसा की सांसद, पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव कुमारी सैलजा ने केंद्र सरकार पर तीखा प्रहार करते हुए कहा है कि पिछले एक दशक में देश की अर्थव्यवस्था को विकास के नाम पर कर्ज. के सहारे चलाया गया है। संसद में प्रस्तुत आधिकारिक आंकड़े इस बात की गवाही देते हैं कि 31 मार्च 2014 को केंद्र सरकार पर 58.6 लाख करोड़ का कर्ज था, जो 2024-25 में बढकर 185.95 लाख करोड़ हो गया है।

कुमारी सैलजा ने कहा कि केवल 10 वर्षों में 127 लाख करोड़ से अधिक का नया कर्ज जोड़ दिया गया। यह वृद्धि सामान्य नहीं, बल्कि देश की वित्तीय सेहत पर एक गंभीर प्रश्नचिन्ह है। सरकार विकास के बड़े-बड़े दावे करती है, लेकिन हकीकत यह है कि देश को कर्ज.के बोझ तले दबाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जब सरकार से इस पर जवाब मांगा जाता है तो कहा जाता है कि कर्ज.का जीडीपी अनुपात नियंत्रण में है, लेकिन आम जनता यह जानना चाहती है कि यदि इतनी भारी उधारी ही अच्छी अर्थव्यवस्था का पैमाना है, तो फिर किसी भी घाटे में चल रही कंपनी को सफल कहा जा सकता है। कुमारी सैलजा ने कहा कि केवल केंद्र सरकार ही नहीं, हरियाणा की वित्तीय स्थिति भी बेहद चिंताजनक है। राज्य में बुजुर्गों की पेंशन में कटौती की जा रही है, ह्यलाडो लक्ष्मीह्न जैसी योजनाओं को विभाजित किया जा रहा है, और किसानों को समय पर मुआवजा नहीं मिल पा रहा। यह दशार्ता है कि सरकार के पास लोकहित योजनाओं को चलाने के लिए पर्याप्त संसाधन नहीं बचे हैं।

नीति, प्रदर्शन और उद्देश्यः सांसद कार्तिकेय शर्मा ने बजट 2026-27 को विकसित भारत का ब्लूप्रिंट बताया

सिटी दर्पण संवाददाता

पंचकूला

राज्यसभा में केंद्रीय बजट 2026-27 पर चर्चा के दौरान सांसद श्री कार्तिकेय शर्मा ने प्रभावशाली और तथ्याधारित हस्तक्षेप करते हुए बजट का सशक्त समर्थन किया तथा इसे विकसित भारत 2047 की दिशा में एक संरचनात्मक रोडमैप बताया। उन्होंने कहा कि यह बजट केवल वार्षिक लेखा-जोखा नहीं, बल्कि भारत की दीर्घकालिक आर्थिक शक्ति, आत्मनिर्भरता और समावेशी विकास का ठोस खाका है।

अपने वक्तव्य की शुरूआत करते हुए उन्होंने कहा, नजर को बदलो तो नजारे बदल जाते हैं,सोच को बदलो तो सितारे बदल जाते हैं, और वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण जी द्वारा प्रस्तुत 9वें बजट को भारत की आर्थिक यात्रा का निर्णायक क्षण बताया।

विपक्ष के आरोपों का उत्तर देते हुए श्री शर्मा ने कहा कि स्वतंत्रता के बाद भारत विश्व की छठी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था था, जो 1970 के दशक में 15वें स्थान पर पहुंच गया और 2004 से 2014 के बीच 10वें स्थान पर स्थिर रहा। उन्होंने कहा, सिर्फ 12 वर्षों में भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है और तीसरे स्थान की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह उपलब्धि संयोग नहीं, बल्कि सुधार-आधारित और नीति-निर्देशित शासन का परिणाम है। उन्होंने बताया कि 2013-14 की तुलना में पूंजीगत व्यय 4.5 गुना बढ़कर 12 लाख करोड़ के ऐतिहासिक स्तर पर पहुंच गया है। 2014 में जहां राजमार्ग निर्माण की गति 12 किमी प्रतिदिन थी, आज यह बढ़कर 34 किमी प्रतिदिन हो चुकी है। उन्होंने कहा, ये केवल सड़कें नहीं, बल्कि विकसित भारत की आर्थिक धमनियां हैं।

मेक इन इंडिया पर उठे सवालों का उत्तर देते हुए उन्होंने बताया कि इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण 2014 के 1.9 लाख करोड़ से बढ़कर 10 लाख करोड़ हो गया है और भारत विश्व का दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल फोन निमार्ता बन चुका है। रक्षा उत्पादन 45,000 करोड़ से बढ़कर 1.5 लाख करोड़ तक पहुंच गया है, जबकि रक्षा निर्यात 23,000 करोड़ को पार कर चुका है। भारत ने 2025 में $800 बिलियन का रिकॉर्ड निर्यात दर्ज किया, जो 2013 के $400 बिलियन से दोगुना है। 4 लाख करोड़ कृषि, डेयरी और ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए भारत को कृषि प्रधान राष्ट्र बताते हुए श्री शर्मा ने लगभग 4 लाख करोड़ के कृषि, डेयरी और ग्रामीण अर्थव्यवस्था के प्रावधान को ऐतिहासिक बताया। उन्होंने हरियाणा का उल्लेख करते हुए कहा,दूध-दही का खाणा, सबसे अच्छा हरियाणा, और बताया कि भारत आज विश्व का सबसे बड़ा दुग्ध उत्पादक देश है। अमूल जैसे सहकारी मॉडल जनभागीदारी आधारित विकास के उदाहरण हैं।

उन्होंने कहा कि हरियाणा 24 फसलों पर टरढ प्रदान करता है, जो केंद्र और राज्य के प्रभावी समन्वय का प्रमाण है। क्रेडिट-लिंक्ड सब्सिडी और पशु चिकित्सा कॉलेजों का विस्तार डेयरी किसानों को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाएगा। उन्होंने 16वें वित्त आयोग के तहत हरियाणा को 20,772 करोड़ के टैक्स डिवोल्यूशन और अन्य निवेशों के लिए केंद्र सरकार का आभार भी व्यक्त किया।

संक्षिप्त-समाचार

शहीदी स्मारक अम्बाला के निदेशक डा. कुलदीप सैनी के बड़े भाई स्वर्गीय कश्मीर सैनी के निधन पर संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने व्यक्त किया शोक

लाडवा। शहीदी स्मारक अम्बाला के निदेशक एवं हरियाणा इवेंट पब्लिक सिटी इंचार्ज डा. कुलदीप सैनी के बड़े भाई कश्मीर सैनी का गत देर रात्रि आकस्मिक निधन हो गया। उनके निधन पर सामाजिक, धार्मिक व राजनीतिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने शोक व्यक्त किया है। लाडवा के गांव छपरा में समाजसेवी स्वर्गीय कश्मीर सैनी पंचतत्व में विलीन हो गए। उनके निधन पर हरियाणा के पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा, मुख्यमंत्री कार्यालय प्रभारी कैलाश सैनी, उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा, भाजपा के जिला अध्यक्ष तिजेन्द्र सिंह गोल्डी, एसडीएम अनुभव मेहता,डॉ सौरभ चौधरी ने भी शोक व्यक्त किया है। स्वर्गीय कश्मीर सैनी के निधन पर जिला सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी डा. नरेन्द्र सिंह, एआईपीआरओ बलराम शर्मा, एआईपीआरओ केदारनाथ शर्मा सहित लाडवा की धार्मिक, सामाजिक तथा गांव के गणमान्य लोगों ने गांव छपरा में पहुंचकर परिजनों के साथ दुख सांझा किया है।

एनआईटी कुरुक्षेत्र में एलुमनी सेल द्वारा बुधवार कोलॉक्वियम का आयोजन

कुरुक्षेत्र। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) कुरुक्षेत्र के एलुमनी सेल द्वारा हाइब्रिड मोड में बुधवार कोलॉक्वियम का एक और प्रभावशाली सत्र आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में छात्रों, संकाय सदस्यों एवं पूर्व छात्रों की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखने को मिली, जो संस्थान में एलुमनी सहभागिता और अनुभवात्मक सीख को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। कार्यक्रम की शुरुआत डीन छात्र कल्याण प्रो. प्रतिभा अग्रवाल के प्रेरणादायी संबोधन से हुई। उन्होंने छात्रों के व्यावसायिक दृष्टिकोण को आकार देने में एलुमनी आधारित पहलों की भूमिका पर प्रकाश डाला तथा शैक्षणिक ज्ञान और वास्तविक जीवन के अनुभवों के बीच सेतु बनाने के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने विद्यार्थियों को ऐसे मंचों का सक्रिय रूप से लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया। इसके पश्चात यांत्रिक एवं रोबोटिक्स अभियांत्रिकी विभाग के प्रमुख प्रो. दीक्षित गर्ग ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए मेंटरशिप, उद्योग अनुभव एवं आजीवन सीखने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि पूर्व छात्रों का मार्गदर्शन विद्यार्थियों को सही करियर विकल्प चुनने और व्यक्तिगत विकास की दिशा में आगे बढ़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण श्री विक्रम सिंह, आरपीएफ कमिश्नर-कक्ष गुरुग्राम एवं औद्योगिक अभियांत्रिकी एवं प्रबंधन विभाग के 2013 बैच के विशिष्ट पूर्व छात्र का मुख्य व्याख्यान रहा। उन्होंने अपने सार्वजनिक सेवा एवं नेतृत्व अनुभवों के आधार पर करियर विकास, अनुशासन, अनुकूलन क्षमता और निरंतर प्रयास के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने अपने व्यावसायिक जीवन के अनुभव साझा करते हुए दबाव में निर्णय लेने, नेतृत्व कौशल विकसित करने तथा निरंतर आत्म-विकास की आवश्यकता पर जोर दिया। साथ ही उन्होंने विद्यार्थियों को ईमानदारी, धैर्य एवं स्पष्ट लक्ष्य के साथ अपने सपनों को साकार करने के लिए प्रेरित किया। सत्र अत्यंत संवादात्मक रहा, जिसमें विद्यार्थियों ने करियर योजना, सार्वजनिक सेवा के अवसरों, नेतृत्व विकास एवं व्यक्तिगत-व्यावसायिक संतुलन से जुड़े अनेक प्रश्न पूछे। श्री सिंह के व्यावहारिक अनुभवों और स्पष्ट मार्गदर्शन ने सभी को गहराई से प्रभावित किया।

बुजुर्गों का सम्मान करना सरकार की प्राथमिकता: सैनी

सिटी दर्पण संवाददाता

पिहोवा

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि मोदी सरकार की गारंटी पर देश की जनता को विश्वास है। डबल इंजन सरकार लाभार्थी का पैसा सीधा उसी आदमी के खाते में जाए इस गारंटी के साथ काम कर रही है। बुजुर्गों का सम्मान करना तो प्रदेश सरकार की प्राथमिकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी बुजुर्गों के हितों की हमेशा बात की है और हमने भी अपने संकल्प पत्र में भी कहा था कि 70 साल से ऊपर के बुजुर्गों को अगर किसी प्रकार की दिक्कत आती है या फिर उनका स्वास्थ्य खराब होता है, तो उनके इलाज की चिंता उनके परिवार को नहीं करनी, बल्कि इलाज की चिंता मोदी सरकार और हरियाणा सरकार करेगी। इसी के तहत 70 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों को 5 लाख रुपये तक का इलाज मुफ्त दिया जा रहा है ।सैनी गत रात्रि पिहोवा के शांति फार्म में आयोजित पिहोवा निवासी मनोहर लाल शर्मा के पुत्र हितेश शर्मा व अंबाला निवासी दीपक शर्मा की पुत्री छवि शर्मा के शादी समारोह में नवविवाहित को आशीर्वाद देने के लिए पहुंचे थे। इस दौरान उनके साथ कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा, खेलमंत्री गौरव गौतम, कालका विधायक शक्ति रानी भी मौजूद रही।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश में जब किसी पेंशन लाभार्थी की मृत्यु हो जाती है तो नियमानुसार उसकी पेंशन स्वतः बंद कर दी जाती है। लगभग 1 लाख 3 तीन हजार ऐसे लाभार्थी हैं, जिनकी मृत्यु के उपरांत पेंशन बंद की गई है। अक्तूबर 2024 से रजिस्ट्रार जनरल ऑफ इंडिया पोर्टल में किसी तकनीकी समस्या के कारण प्रदेश सरकार को हरियाणा में मृत हुए व्यक्तियों का डाटा नहीं मिला था। यह डाटा नवंबर, 2025 में प्राप्त होने के बाद एकमुश्त में ऐसे मृतकों की पेंशन कटी है।

इस मौके पर उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा, पुलिस अधीक्षक नीतीश अग्रवाल, भाजपा जिला अध्यक्ष तिजेंद्र सिंह गोल्डी, भाजपा वरिष्ठ नेता जयभगवान शर्मा डीडी, भाजपा नेता सुभाष कलसाना, नायब तहसीलदार पिहोवा सागर मल, बीडीपीओ अंकित पुनिया, नगरपालिका अध्यक्ष आशीष चक्रपाणि, महेश तलवाड़ा, वासु शर्मा, रागव, सतीश सैनी, शैली शर्मा, भाजपा प्रचारक सुरेंद्र सिंह, पार्षद रविकांत शर्मा सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

सांसद नवीन जिन्दल के सौजन्य से गीता निकेतन विद्यालय के छात्रों ने देखा संसद का सजीव लोकतंत्र

सिटी दर्पण संवाददाता

कुरुक्षेत्र

सांसद नवीन जिन्दल के सौजन्य से कुरुक्षेत्र स्थित गीता निकेतन आवासीय विद्यालय के विद्यार्थी सोमवार को भारतीय संसद की कार्यवाही देखने के लिए संसद भवन पहुंचे। इस शैक्षणिक भ्रमण का उद्देश्य छात्रों को देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था, संसदीय प्रक्रिया एवं प्रशासनिक कार्यप्रणाली से प्रत्यक्ष रूप से परिचित कराना था।

संसद भवन में छात्रों ने लोकसभा की कार्यवाही को नजदीक से देखा और यह समझा कि किस प्रकार देश की नीतियां, कानून और महत्वपूर्ण निर्णय लोकतांत्रिक प्रक्रिया के माध्यम से लिए जाते हैं। इस अनुभव ने छात्रों में लोकतंत्र के प्रति जागरूकता और संवैधानिक मूल्यों के प्रति सम्मान को मजबूत किया।

इस अवसर पर डॉ. राज कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि संसद भ्रमण के उपरांत वापसी के दौरान सभी छात्रों ने ओपी जिन्दल ग्लोबल यूनिवर्सिटी पहुंचकर भारत के प्रथम संविधान संग्रहालय का भ्रमण किया, जहां उन्हें भारतीय संविधान के निर्माण, उसकी ऐतिहासिक यात्रा और मूल भावना के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

इस अवसर पर छात्रों ने संविधान से जुड़े दुर्लभ दस्तावेजों, चित्रों और प्रदर्शनों को देखकर गहरी रुचि दिखाई। यह शैक्षणिक यात्रा विद्यार्थियों के लिए न केवल ज्ञानवर्धक रही, बल्कि उन्हें एक जिम्मेदार नागरिक बनने की प्रेरणा भी प्रदान की। उल्लेखनीय है कि इस भ्रमण के दौरान सभी छात्रों से आह्वान किया गया है कि सांसद नवीन जिन्दल द्वारा चलाए जा रहे राष्ट्रीय ध्वज जागरूकता अभियान से जुड़े और अपने आसपास पुराने और खंडित तिरंगे को एकत्रित करके फ्लैग फाउंडेशन ऑफ इंडिया को जमा करवाए ताकि उसको नवीन स्वरूप दिया जा सके।

देश की आर्थिक प्रगति में प्राकृतिक, पूंजीगत व मानव संसाधन का महत्वपूर्ण योगदान : डॉ. डीआर अग्रवाल

सिटी दर्पण संवाददाता

कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा के मार्गदर्शन में केयू यूआईईटी संस्थान में बौद्धिक सम्पदा अधिकार विषय पर आयोजित व्याख्यान में बतौर मुख्य वक्ता डॉ. डी.आर. अग्रवाल, निदेशक, इंटरनेशनल ट्रेड इंस्टीट्यूशन, कोलकाता ने कहा कि देश की आर्थिक प्रगति में प्राकृतिक, पूंजीगत व मानव संसाधन का महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने अमेरिका, चीन और भारत की जीडीपी का तुलनात्मक अध्ययन प्रस्तुत करते हुए कहा कि जिन देशों ने नवाचार, अनुसंधान और पेटेंट पर अधिक ध्यान दिया, वे आज वैश्विक अर्थव्यवस्था में अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं।

डॉ. अग्रवाल ने भारत को आर्थिक महाशक्ति बनाने के लिए जोर देते हुए कहा कि नए अनुसंधान ही नए रोजगार के अवसर सृजित करने की नींव है। उन्होंने एनईपी 2020 के अनुरूप प्राथमिक शिक्षा स्तर से ही नवाचार और शोध को प्रोत्साहित करने पर जोर दिया। केयू डीन इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी व निदेशक यूआईईटी प्रो. सुनील ढींगरा ने सभी मेहमानों का स्वागत करते हुए कहा कि आत्मनिर्भर भारत बनाने में स्टार्टअप, नवाचार एवं उद्यमिता की अहम भूमिका है। कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापन डॉ. राजेश अग्निहोत्री ने किया। इस अवसर पर प्रो. संजीव अग्रवाल, डॉ. उर्मिला, डॉ. निखिल मारीवाला, डॉ. राम अवतार, डॉ. नीरा राघव, डॉ. सुरेश दुआ, डॉ. संदीप गुप्ता, डॉ. सुमन मेहंदिया सहित अन्य गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

राग के सुर व तबले की मधुर थाप से शुरू हुआ महोत्सव का तीसरा दिन

सिटी दर्पण संवाददाता

रोहतक

दादा लख्मी चंद स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ परफॉर्मिंग एंड विजुअल आर्ट्स (डीएलसीसुपवा) में विश्व के सबसे बड़े थियेटर फेस्टिवल भारत रंग महोत्सव (भारंगम) के साथ यूनिवर्सिटी के अपने महोत्सव ह्यसारंगह्न का आयोजन किया जा रहा है। बुधवार को इन दोनों महोत्सव का तीसरा दिन रहा। तीसरा दिन थियेटर के साथ सुर, लय, ताल व कविताओं के नाम रहा। ह्यसारंगह्न महोत्सव के मंच पर कई म्यूजिकल प्रस्तुतियां हुईं। वहीं, शाम को ह्यभारंगमह्न में नाटक 'उमर का परवाना' का मंचन हुआ। सुबह के सत्र में हरियाणवी कलाकार व एमडी यूनिवर्सिटी पूर्व डायरेक्टर यूथ वेलफेयर डॉ जगबीर राठी, हरियाणा कला परिषद से नरेंद्र शर्मा, समाजसेवी विक्रांत वीर मुख्य रूप से मौजूद रहे। दोपहर के सत्र में अभिनेता पंकज बैरी, अभिनेत्री सुमित्रा हुड्डा (अभिनेत्री भूमि पेडनेकर की मां), अभिनेता सुनील चितकारा व यूनिवर्सिटी के पूर्व छात्र और प्रसिद्ध हरियाणवी गायक मासूम शर्मा उपस्थित रहे। शाम के सत्र में डीजीपी जेल आलोक मित्तल व जींद यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर प्रोफेसर रामपाल सैनी मौजूद रहे।

डीएलसीसुपवा के एफटीवी डिपार्टमेंट के कोर्ट यार्ड में बने ओपन स्टेज पर ह्यसारंगह्न महोत्सव संबंधित गतिविधियां आयोजित की गई। तीसरा दिन डीएलसीसुपवा के वर्तमान व पूर्व छात्रों के ही नाम रहा। दिन भर यूनिवर्सिटी के छात्रों ने अपनी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां मंच पर दीं। सुबह का सत्र राग के सुर व तबले की मधुर थाप के साथ शुरू हुआ। यूनिवर्सिटी के छात्र अभय सिंह राजपूत ने एक साथ संगीत के कई राग मंच पर प्रस्तुत किए। अनूप व शिवम् ने उनका साथ दिया। इसके साथ ही यूनिवर्सिटी के छात्रों ने गजल प्रस्तुत की। दोपहर बाद वाले सत्र में यूनिवर्सिटी के छात्रों के म्यूजिक बैंड ने समां बांधने का काम किया। बैंड के अलग - अलग गीतों की धुन बजाकर दर्शकों को आनंदित किया। डिपार्टमेंट ऑफ डिजाइन की छात्रा अनुष्का ने क्लासिकल डांस भरतनाट्यम से सभी का मन मोह लिया। जींद से आए कवि अंकित ने ललित के साथ मिलकर ह्यपैगाम ए मोहब्बतह्न कविता की म्यूजिकल प्रस्तुति दी। यूनिवर्सिटी के पूर्व छात्र अजहरुद्दीन ने शब्दों के सफर के साथ मंच पर पहुंचे। वहीं, पूर्व छात्र मासूम शर्मा ने भी अपने गीतों पर छात्रों को झूमने को मजबूर किया। डॉ जगवीर राठी ने भी अपने चुटकुलों से छात्रों व दर्शकों गुदगुदाने का काम किया। डीएलसीसुपवा के कुलगुरु डॉ अमित आर्य व रजिस्ट्रार डॉ गुंजन मलिक मिनोचा ने अतिथियों का स्वागत कर सम्मानित किया। बुधवार को भी प्रदेश भर में रंगमंच से जुड़े कलाकारों को सम्मानित करने का सिलसिला जारी रहा और मंच से कलाकारों को सम्मान दिया गया।

महोत्सव में पहुंचे डॉ जगवीर राठी ने कहा कि डीएलसीसुपवा हरियाणा में कला व संस्कृति के लिए एक महायज्ञ की शुरूआत है। यह संस्थान आने वाले समय में हरियाणा में कला-संस्कृति को नया रूप देने का काम करेगा। इतने कम सालों में ही यह कम बात नहीं है कि हरियाणा में फिल्म का जिक्र होते ही सबसे पहले सुपवा का नाम सामने आता है। इस संस्थान ने फिल्म, टीम, थियेटर, आर्ट, डिजाइन से जुड़े छात्रों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई हैं और एक बेहतर माहौल तैयार किया है। ह्यसारंगह्न उत्सव की तारीफ करते हुए उन्होंने कुलगुरु डॉ अमित आर्य से आग्रह किया कि इसका आयोजन नियमित रखें, ताकि इसका नाम ह्यभारंगमह्न से भी बड़ा हो सके। उन्होंने कहा कि कलाकार होना सौभाग्य की बात है और उससे भी बड़े सौभाग्य की बात है कि आप सुपवा जैसे संस्थान में पढ़ रहे हैं।

डीएलसीसुपवा के कुलगुरु डॉ अमित आर्य ने कहा कि हम सुपवा में छात्रों को बेहतर शिक्षा व सुविधा देने का प्रयास कर रहे हैं। यह देखकर खुशी होती है कि छात्रों के साथ संस्थान का नाम अब फिल्म फेस्टिवल, नाट्य उत्सव व अन्य बड़े आयोजनों में सुनाई देता है। सरकार के सहयोग से हम संस्थान को अपनी फील्ड के संस्थानों में टॉप पर ले जाने का प्रयास कर रहे हैं। इसके लिए एक पूरा रोड मैप तैयार कर लिया गया है। यूनिवर्सिटी परिसर में पहली बार ह्यभारंगमह्न का आयोजन और ह्यसारंगह्न महोत्सव इस कड़ी की शुरूआत मात्र है। आने वाले दिनों में इससे भी बड़े व शानदार आयोजन यहां कराए जाएंगे।

संपादकीय

विकसित भारत@2047 की ओर बड़ा कदमः योगी सरकार का अब तक का सबसे विजनरी बजट पेश

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने हाल ही में प्रस्तुत बजट को प्रधानमंत्री के विकसित भारत@2047 विजन को समर्पित बताते हुए इसे राज्य के दीर्घकालिक परिवर्तन का खाका करार दिया है। उनके अनुसार यह बजट केवल आय-व्यय का वार्षिक दस्तावेज नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश को देश की विकास यात्रा में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए तैयार करने की व्यापक रणनीति है। राज्य सरकार का दावा है कि इस वित्तीय योजना में बुनियादी ढांचे के विस्तार, रोजगार सृजन, कृषि सशक्तीकरण, औद्योगिक निवेश, महिला एवं युवा कल्याण और सामाजिक सुरक्षा जैसे क्षेत्रों पर विशेष बल दिया गया है, ताकि वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के राष्ट्रीय लक्ष्य में उत्तर प्रदेश की भागीदारी निर्णायक हो सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि विकसित भारत@2047 केवल एक नारा नहीं, बल्कि शासन की दिशा और प्राथमिकताओं को तय करने वाला मार्गदर्शक सिद्धांत है। इसी सोच के अनुरूप बजट में पूंजीगत व्यय को बढ़ाने पर जोर दिया गया है। सड़कों, एक्सप्रेस-वे, मेट्रो परियोजनाओं, औद्योगिक कॉरिडोर और लॉजिस्टिक हब के विकास के लिए पर्याप्त संसाधन आवंटित किए गए हैं। सरकार का मानना है कि मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर से निवेश को बढ़ावा मिलेगा, उद्योगों को गति मिलेगी और बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर उत्पन्न होंगे। कृषि क्षेत्र को भी बजट में प्राथमिकता दी गई है। मुख्यमंत्री के अनुसार राज्य की अर्थव्यवस्था में कृषि की केंद्रीय भूमिका को ध्यान में रखते हुए किसानों की आय बढ़ाने, सिंचाई सुविधाओं के विस्तार, कृषि तकनीक के उपयोग और कृषि उत्पादों के बेहतर विपणन के लिए नई योजनाएं प्रस्तावित की गई हैं। प्राकृतिक खेती, फसल विविधीकरण और भंडारण क्षमता बढ़ाने पर भी विशेष ध्यान दिया गया है, ताकि किसानों को लागत कम करने और बेहतर मूल्य प्राप्त करने में मदद मिल सके। औद्योगिक विकास को लेकर सरकार ने स्पष्ट संकेत दिए हैं कि उत्तर प्रदेश को विनिर्माण और सेवा क्षेत्र का प्रमुख केंद्र बनाने की दिशा में काम तेज किया जाएगा। निवेश आकर्षित करने के लिए नीतिगत सरलीकरण, सिंगल विंडो सिस्टम और भूमि उपलब्धता की प्रक्रियाओं को और पारदर्शी बनाने की बात कही गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में आयोजित निवेश सम्मेलनों और औद्योगिक समझौतों के परिणाम अब जमीन पर दिखाई देने लगे हैं, और बजट में इन परियोजनाओं को गति देने के लिए आवश्यक वित्तीय प्रावधान किए गए हैं। युवाओं के लिए रोजगार और कौशल विकास पर विशेष फोकस रखा गया है। बजट में कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रमों के विस्तार, आईटी एवं स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र को प्रोत्साहन और तकनीकी शिक्षा संस्थानों को सुदृढ़ करने के उपाय शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य की बड़ी युवा आबादी को सही प्रशिक्षण और अवसर देकर आर्थिक प्रगति का इंजन बनाया जा सकता है। स्टार्टअप नीति और डिजिटल नवाचार को बढ़ावा देकर आत्मनिर्भरता की दिशा में कदम बढ़ाने की बात भी बजट में परिलक्षित होती है। महिलाओं के सशक्तीकरण को भी इस बजट का महत्वपूर्ण आधार बताया गया है। स्वयं सहायता समूहों के विस्तार, महिला उद्यमिता को बढ़ावा, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार और सुरक्षा संबंधी उपायों के लिए अतिरिक्त संसाधन उपलब्ध कराने की घोषणा की गई है। मुख्यमंत्री के अनुसार जब महिलाएं आर्थिक रूप से सशक्त होंगी, तभी समाज और राज्य का समग्र विकास संभव होगा। सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के माध्यम से कमजोर वर्गों को संरक्षण देने की प्रतिबद्धता भी दोहराई गई है। वृद्धजन, दिव्यांगजन, निराश्रित महिलाओं और अन्य वंचित वर्गों के लिए पेंशन योजनाओं तथा कल्याणकारी कार्यक्रमों के बजटीय प्रावधानों में वृद्धि की बात कही गई है। स्वास्थ्य क्षेत्र में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को मजबूत करने, जिला अस्पतालों की क्षमता बढ़ाने और आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं का विस्तार करने का लक्ष्य रखा गया है। शिक्षा क्षेत्र में बुनियादी ढांचे के उन्नयन, डिजिटल संसाधनों की उपलब्धता और नई शिक्षा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन पर बल दिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा ही विकसित समाज की नींव है, इसलिए विद्यालयों और उच्च शिक्षण संस्थानों को आधुनिक आवश्यकताओं के अनुरूप सुसज्जित किया जाएगा। तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा को उद्योगों की जरूरतों से जोड़ने की पहल भी बजट में शामिल है। राजकोषीय अनुशासन को बनाए रखते हुए विकास की गति बढ़ाने का दावा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि बजट संतुलित और दूरदर्शी है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि सरकार राजस्व वृद्धि के लिए पारदर्शी और प्रभावी उपाय अपनाएगी, जिससे विकास परियोजनाओं के लिए पर्याप्त संसाधन सुनिश्चित किए जा सकें। हालांकि विपक्ष ने बजट की कुछ घोषणाओं पर सवाल उठाए हैं और इसे चुनावी वादों का विस्तार बताया है, लेकिन सरकार का कहना है कि यह वित्तीय योजना राज्य की वास्तविक जरूरतों और दीर्घकालिक विकास लक्ष्यों को ध्यान में रखकर तैयार की गई है। मुख्यमंत्री ने भरोसा जताया कि यह बजट उत्तर प्रदेश को आर्थिक रूप से सशक्त, सामाजिक रूप से समावेशी और बुनियादी ढांचे के लिहाज से सुदृढ़ राज्य बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। समग्र रूप से देखा जाए तो यह बजट राज्य की विकास रणनीति को राष्ट्रीय दृष्टि से जोड़ने का प्रयास प्रतीत होता है। विकसित भारत@2047 के लक्ष्य को सामने रखते हुए उत्तर प्रदेश सरकार ने इंफ्रास्ट्रक्चर, कृषि, उद्योग, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्रों में संतुलित निवेश का खाका प्रस्तुत किया है। आने वाले वर्षों में इन प्रावधानों का प्रभाव किस तरह जमीनी स्तर पर दिखाई देता है, यह राज्य की प्रशासनिक क्षमता और क्रियान्वयन की गति पर निर्भर करेगा। फिलहाल सरकार इसे उत्तर प्रदेश को नई ऊंचाइयों तक ले जाने की दिशा में एक निर्णायक कदम के रूप में प्रस्तुत कर रही है।

धर्म, समाज और राष्ट्र की चेतना जगाने वाले स्वामी दयानंद सरस्वती

योगेश कुमार गोयल (हि.स)

स्वामी दयानंद ऐसे देशभक्त, समाज सुधारक, मार्गदर्शक और आधुनिक भारत के महान चिंतक थे, जिन्होंने न केवल ब्रिटिश सत्ता से जमकर लोहा लिया बल्कि अपने कार्यों से समाज को नई दिशा और ऊर्जा भी प्रदान की। 1857 की क्रांति में उनका अमूल्य योगदान था।

आर्य समाज के संस्थापक महर्षि स्वामी दयानन्द सरस्वती का जन्म गुजरात के टंकारा में 12 फरवरी 1824 को हुआ था। स्वामी दयानंद का बचपन बहुत अच्छा बीता लेकिन उनके जीवन में घटी एक घटना ने उन्हें इस कदर प्रभावित किया कि वे 21 वर्ष की आयु में ही अपना घर बार छोड़कर आत्मिक एवं धार्मिक सत्य की तलाश में निकल पड़े और संन्यासी बन गए। जीवन में ज्ञान की तलाश में वे स्वामी विरजानंद से मिले, जिन्हें अपना गुरु मानकर उन्होंने मथुरा में वैदिक तथा योग शास्त्रों के साथ ज्ञान की प्राप्ति की।

साल 1845 से 1869 तक कुल 25 वर्षों की अपनी वैराग्य यात्रा में उन्होंने कई प्रकार के दैविक क्रियाकलापों के बीच विभिन्न प्रकार के योगों का भी गहन अभ्यास किया।

देश के स्वतंत्रता संग्राम में स्वामी दयानंद की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण थी और 'स्वराज' का नारा उन्होंने ही दिया था, जिसे बाद में लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक ने अपनाया और 'स्वराज्य मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है' का नारा दिया। वेदों का प्रचार-प्रसार करने के साथ-साथ उनकी महत्ता लोगों तक पहुंचाने तथा समझाने के लिए उन्होंने देशभर में भ्रमण किया।

जीवनपर्यन्त वेदों, उपनिषदों का पाठ करने वाले स्वामी जी ने पूरी दुनिया को इस ज्ञान से लाभान्वित किया। उनकी किताब 'सत्यार्थ प्रकाश' आज भी दुनियाभर में अनेक लोगों के लिए मार्गदर्शक साबित हो रही है। वेदों को सर्वोच्च मानने वाले स्वामी दयानन्द ने वेदों का प्रमाण देते हुए हिन्दू समाज में फैली कुरीतियों और अंधविश्वासों का डटकर विरोध किया। जातिवाद, बाल विवाह, सती प्रथा जैसी समाज में फैली कुरीतियों को दूर करने में उनका योगदान उल्लेखनीय है, इसीलिए उन्हें 'संन्यासी योद्धा' भी कहा जाता है। दलित उद्धार तथा स्त्रियों की शिक्षा के लिए भी उन्होंने कई आन्दोलन किए। हिन्दू धर्म के अलावा इस्लाम तथा ईसाई धर्म में फैली बुराईयों और अंधविश्वासों का भी उन्होंने जोरदार खंडन किया।

उन्होंने अपना पूरा जीवन मानव कल्याण, धार्मिक कुरीतियों की रोकथाम तथा वैश्विक एकता के प्रति समर्पित कर दिया। वे आध्यात्मिक क्रांति के संदेशवाहक थे।

स्वामी दयानंद ने आर्य समाज की स्थापना मुम्बई के गिरगांव में गुड़ी पड़वा के दिन 10 अप्रैल 1875 को की थी, जिसकी स्थापना का मुख्य उद्देश्य शारीरिक, आत्मिक और सामाजिक उन्नति के साथ समूचे विश्व को एक साथ जोड़ना था। आर्य समाज के द्वारा उन्होंने दस मूल्य सिद्धांतों पर चलने की सलाह दी। मूर्ति पूजा के अलावा वे जाति विवाह, महिलाओं के प्रति असमानता की भावना, मांस के सेवन, पशुओं की बलि देने, मंदिरों में चढ़ावा देने इत्यादि के सख्त खिलाफ थे और इसके लिए उन्होंने लोगों में जागरुकता पैदा करने के अथक प्रयास किए। अपने 59 वर्ष के जीवनकाल में महर्षि दयानंद ने न सिर्फ देश में व्याप्त बुराईयों के खिलाफ लोगों को जागृत किया बल्कि अपने वैदिक ज्ञान से नवीन प्रकाश को भी देशभर में फैलाया। हालांकि कई लोगों ने उनका जमकर विरोध भी किया लेकिन स्वामी दयानंद सरस्वती के तार्किक ज्ञान के समक्ष बड़े-बड़े विद्वानों और पंडितों को भी नतमस्तक होना पड़ा। वे अपने जीवन को पुनर्जन्म, ब्रह्मचर्य, संन्यास तथा कर्म सिद्धांत के चार स्तंभों पर खड़ा मानते थे।

स्वामी दयानंद हिन्दी भाषा के प्रबल समर्थक थे और उनका मत था कि कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक पूरे देश में एक ही भाषा 'हिन्दी' बोली जानी चाहिए। मानव शरीर को नश्वर बताते हुए वह कहते थे कि हमें इस शरीर के जरिये केवल एक अवसर मिला है, स्वयं को साबित करने का कि 'मनुष्यता' और 'आत्मविवेक' क्या है। वे कहा करते थे कि शक्ति किसी अलौकिकता या चमत्कारिता के प्रदर्शन के लिए नहीं होती। सभी धर्मों और उनके अनुयायियों को वे एक ही ध्वज तले बैठा देखना चाहते थे।

दरअसल, उनका मानना था कि आपसी लड़ाई का फायदा सदैव तीसरा उठाता हैं इसलिए इस भेद को दूर करना आवश्यक है। कर्म करने को लेकर स्वामी जी तर्क देते थे कि काम करने से पहले सोचना बुद्धिमानी, काम करते हुए सोचना सतर्कता और काम करने के बाद सोचना मूर्खता है। वह कहा करते थे कि दुनिया को अपना सर्वश्रेष्ठ दीजिए और तब आपके पास सर्वश्रेष्ठ लौटकर आएगा। उनका कहना था कि अज्ञानी होना गलत नहीं है लेकिन अज्ञानी बने रहना गलत है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

रण में प्रदर्शित दुनिया का सबसे विशाल खादी तिरंगाः आत्मनिर्भर 'नये भारत' की गाथा

मनोज कुमार

कच्छ का सफेद रण- जहाँ धरती और आकाश मानो एक-दूसरे में विलीन होते दिखाई देते हैं-आज केवल प्राकृतिक आश्चर्य का स्थल नहीं, बल्कि नये भारत के बदलते आत्मविश्वास का सजीव प्रतीक बन चुका है। इसी विराट विस्तार के बीच, हाल ही में गणतंत्र दिवस के अवसर पर, दुनिया के सबसे विशाल प्रतीकात्मक खादी तिरंगे (Iconic Khadi Tiranga का भव्य एवं दिव्य प्रदर्शन किया गया। यह केवल एक आयोजन नहीं था, बल्कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में स्वदेशी परंपरा, राष्ट्रीय संकल्प और समकालीन भारत की विकास-दृष्टि की सशक्त सार्वजनिक अभिव्यक्ति थी।

इस अद्भुत, अविश्वसनीय, अकल्पनीय दृश्य के साक्षी देश के कारीगर, सुरक्षा बलों के जवान और अनेक नागरिक बने। ये भी अपने आप में नया कीर्तिमान बना कि देशभर के लाखों खादी कारीगरों ने वीडियो संदेश के माध्यम से राष्ट्रीय ध्वज को सलामी देखकर इतिहास रच दिया। यह क्षण इस बात को रेखांकित करता है कि राष्ट्र निर्माण किसी एक संस्था या वर्ग का कार्य नहीं, बल्कि सामूहिक प्रयास का परिणाम होता है। यह तिरंगा केवल कपड़े का विस्तार नहीं, बल्कि विचार का विस्तार है। खादी, जिसे कभी स्वतंत्रता आंदोलन की आत्मा कहा गया, आज आत्मनिर्भर भारत की ऊर्जा के रूप में पुनर्परिभाषित हो रही है। महात्मा गांधी का यह कथन- 'खादी भारत की आर्थिक स्वतंत्रता और आत्मसम्मान का प्रतीक है'- समकालीन भारत में एक नए अर्थ के साथ जीवंत दिखाई देता है।

इस राष्ट्रीय पुनर्जागरण को समझना हो तो भुज की ओर देखना पर्याप्त है। विनाशकारी भूकंप ने कभी इस शहर को गहरे घाव दिए थे, किंतु संकट के उसी क्षण में एक दीर्घदर्शी दृष्टि ने पुनर्निर्माण को केवल आवश्यकता नहीं, अवसर के रूप में देखा। तत्कालीन मुख्यमंत्री और आज के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भुज का पुनर्जन्म हुआ- योजनाबद्ध शहरीकरण, सुदृढ़ अधोसंरचना और सामुदायिक पुनर्स्थापन के माध्यम से।

पुनर्निर्माण के 25 वर्ष बाद, भुज केवल खड़ा नहीं है; वह आगे बढ़ रहा है। वह इस सत्य का प्रमाण है कि जब नेतृत्व में स्पष्टता और संकल्प हो, तो आपदा भी विकास की प्रस्तावना बन सकती है।

भौगोलिक रूप से सीमांत क्षेत्र में स्थित होने के कारण भुज का महत्व और भी बढ़ जाता है। यहाँ विकास और सुरक्षा परस्पर विरोधी नहीं, बल्कि एक-दूसरे के पूरक हैं। तैनात भारतीय सैनिकों की सतर्क उपस्थिति हमें याद दिलाती है कि राष्ट्र की आर्थिक प्रगति उसकी सामरिक स्थिरता पर ही टिकती है। 'ऑपरेशन सिंदूर' की भावना से प्रेरित विश्व के सबसे विशाल प्रतीकात्मक खादी तिरंगे (Iconic Khadi Tiranga) को दी गई सलामी वस्तुतः उन अनगिनत वीरों के प्रति राष्ट्र की सामूहिक कृतज्ञता है, जिनके त्याग से विकास की धारा निर्बाध बहती है।

यदि तिरंगा राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक है, तो खादी उस गौरव की आत्मा है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने खादी को अतीत की स्मृति से निकालकर भविष्य की रणनीति का हिस्सा बनाया है। उनके शब्दों में- 'खादी केवल वस्त्र नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर भारत का विचार और जन-आंदोलन है।'

इस जन-आंदोलन ने पूरे भारत को आंदोलित किया है। परिणाम सामने है। आज ग्राम स्वराज की अवधारणा व्यवहारिक अर्थशास्त्र में परिवर्तित होती दिखाई दे रही है। खादी और ग्रामोद्योग उत्पादों की बिक्री 1.70 लाख करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर चुकी है और शीघ्र ही 2 लाख करोड़ रुपये तक पहुँचने की ओर अग्रसर है। इससे भी अधिक उल्लेखनीय यह है कि इस क्षेत्र ने 2 करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार प्रदान किया है- एक ऐसा परिवर्तन जो ग्रामीण भारत को केवल उपभोक्ता नहीं, बल्कि उत्पादक शक्ति के रूप में स्थापित करता है।

सीमावर्ती क्षेत्रों में प्रशिक्षण, टूल्स वितरण और स्थानीय कौशल को प्रोत्साहन देने वाली पहलों ने विकास का एक विकेंद्रीकृत मॉडल प्रस्तुत किया है। पिछले 11 वर्षों 2.88 लाख से अधिक मशीनों और टूलकिट्स के वितरण ने यह साफ संकेत दिया है कि भारत का विकास अब महानगरों तक सीमित नहीं; वह गाँवों, कुटीर उद्योगों और पारंपरिक कारीगरों के माध्यम से व्यापक सामाजिक आधार प्राप्त कर रहा है।

इस परिवर्तन के केंद्र में श्रम की गरिमा है। खादी कारीगरों की पारिश्रमिक 15 रुपये प्रति लच्छा तक पहुँच चुकी है और इसे 20 रुपये प्रति लच्छा से आगे ले जाने का संकल्प इस बात का द्योतक है कि आर्थिक विकास का वास्तविक अर्थ आय वृद्धि के साथ सम्मान की स्थापना भी है। यह परिघटना वस्तुतः एक उभरते 'आर्टिजन युग' का संकेत देती है- एक ऐसा कालखंड, जिसमें परंपरा और प्रौद्योगिकी मिलकर नई समृद्धि का निर्माण कर रहे हैं।

डिजिटल युग में प्रतीकों की शक्ति और भी बढ़ जाती है। #IconicKhadiTiranga का सोशल मीडिया पर 20 मिलियन से अधिक व्यूज प्राप्त करना केवल लोकप्रियता का संकेत नहीं, बल्कि एक मनोवैज्ञानिक परिवर्तन का द्योतक है। विशेषकर Gen-Z का इस प्रतीक से जुड़ना बताता है कि नई पीढ़ी वैश्विक आकांक्षाओं के साथ-साथ अपनी सांस्कृतिक पहचान को भी उतनी ही दृढ़ता से स्वीकार करना चाहती है।

कच्छ के सफेद रण में भव्य और दिव्य रूप में आलोकित होता यह तिरंगा अंततः हमें एक व्यापक सत्य की ओर ले जाता है- राष्ट्र निर्माण किसी एक नीति, एक परियोजना या एक समयखंड का परिणाम नहीं होता। वह दृष्टि, निरंतरता और सामूहिक विश्वास से निर्मित होता है। जब विरासत को सम्मान मिलता है, जब विकास समावेशी होता है, जब सीमाएँ सुरक्षित होती हैं और जब नेतृत्व भविष्य को देखने का साहस रखता है-तब परिवर्तन एक घटना नहीं, एक युग बन जाता है।

भुज का पुनर्जागरण, खादी का पुनरुत्थान और ग्राम स्वराज की नई ऊर्जा मिलकर जिस भारत की रचना कर रहे हैं, वह संभावनाओं का नहीं, उपलब्धियों का भारत है- आत्मविश्वासी, आत्मनिर्भर और निर्णायक।

सफेद रण में विराजमान प्रतीकात्मक खादी तिरंगा (Iconic Khadi Tiranga) इसी भारत का ध्वजवाहक है- एक ध्वज, जो केवल हवा में नहीं लहराता, बल्कि एक राष्ट्र की चेतना को वैश्विक पटल पर नयी पहचान देता है।

आज का राशिफल

मेषः आज आप रहस्यमय और गूढ़ विषयों की ओर आकर्षित हो सकते हैं। हालांकि हर किसी की सलाह लेने से भ्रम की स्थिति बन सकती है, इसलिए आत्मनिर्णय पर भरोसा रखें। मन में एक साथ कई विचार उमड़ सकते हैं, जिससे एकाग्रता प्रभावित होगी। *(सिटी दर्पण)*

वृषभः लंबे समय से अटके काम आगे बढ़ सकते हैं। परिश्रम का सकारात्मक परिणाम मिलेगा। नई तकनीक या कौशल सीखने की इच्छा बढ़ेगी। जीवनसाथी की भावनाओं को समझना संबंधों को मजबूत करेगा। आंखों में जलन या सिरदर्द जैसी परेशानी हो सकती है, स्वास्थ्य का ध्यान रखें। *(सिटी दर्पण)*

मिथुनः कार्यक्षेत्र में प्रतिस्पर्धा तेज रहेगी, लेकिन आपकी सूझबूझ आपको आगे रखेगी। घर का माहौल सुखद रहेगा। सरकारी क्षेत्र से जुड़े लोगों को उन्नति के संकेत मिल सकते हैं। आपकी सलाह दूसरों के लिए लाभकारी साबित होगी। संपत्ति खरीदने की योजना बन सकती है। *(सिटी दर्पण)*

कर्कः दिनचर्या थोड़ी अव्यवस्थित रह सकती है। दोपहर बाद समय अनुकूल रहेगा। रुका हुआ धन मिलने की संभावना है। लंबी यात्रा के योग बन रहे हैं। कार्यक्षेत्र में सुधार की आवश्यकता महसूस होगी। पारिवारिक अनुशासन बनाए रखना जरूरी है। *(सिटी दर्पण)*

सिंहः उच्च अधिकारियों से मधुर संबंध बनाए रखें। कृषि या भूमि से जुड़े लोगों को आर्थिक दबाव का सामना करना पड़ सकता है। साहसिक कदम उठाने का मन बनेगा। अहंकार से बचें, अन्यथा अपनों से दूरी बढ़ सकती है। *(सिटी दर्पण)*

कन्याः नए व्यवसाय में निवेश का विचार मजबूत हो सकता है। सहकर्मी सहयोगी रहेंगे। दूरस्थ यात्रा के संकेत हैं। प्रियजनों के साथ सुखद समय व्यतीत होगा। मीडिया और प्रकाशन क्षेत्र से जुड़े लोगों को लाभ मिल सकता है। *(सिटी दर्पण)*

तुलाः आज के दिन आपका व्यक्तित्व दूसरों को प्रेरित करेगा। घर में सुख-शांति बनी रहेगी। कटु शब्दों से बचें और क्रोध पर नियंत्रण रखें। निजी संबंधों में मयार्दा बनाए रखना जरूरी है। कुछ अहम फैसले लेने पड़ सकते हैं। *(सिटी दर्पण)*

वृश्चिकः आप दृढ़ निश्चय के साथ कार्य पूरे करेंगे। कार्यक्षेत्र में सराहना मिलेगी। रचनात्मक गतिविधियों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में प्रसन्नता का माहौल रहेगा। किसी शुभ आयोजन की योजना बन सकती है। *(सिटी दर्पण)*

धनुः शांतचित्त रहना आज आवश्यक है। आज के दिन पुरानी भूल का असर सामने आ सकता है। आर्थिक मामलों में सावधानी बरतें। खर्चों पर नियंत्रण रखें। अपनी निजी बातें हर किसी से साझा करने से बचें। *(सिटी दर्पण)*

मकरः आज के दिन की शुरूआत अच्छी खबर से हो सकती है। आज के दिन व्यापार में अपेक्षा से अधिक लाभ मिलेगा। प्रेम संबंधों में मधुरता बढ़ेगी। काम की गुणवत्ता में सुधार आएगा। समय का सदुपयोग करें। *(सिटी दर्पण)*

कुंभः आज के दिन काम के प्रति समर्पण बनाए रखें। आज के दिन कारोबार में बड़ा अवसर मिल सकता है। आज के दिन सरकारी कर्मचारियों का मन भटक सकता है। मौसमी बीमारियों से बचाव के लिए सतर्क रहें। *(सिटी दर्पण)*

मीनः आज के दिन धार्मिक गतिविधियों में मन कम लगेगा। पिता से मतभेद संभव हैं। अनावश्यक कार्यों में समय न गंवाएं। सहकर्मियों का सहयोग मिलेगा। व्यापार में अचानक नुकसान की आशंका है, सतर्क रहें। *(सिटी दर्पण)*

शोक सभाओं की भव्यता का दुर्भाग्यपूर्ण चलन

डॉ. प्रियंका सौरभ (हि.स)

किसी भी सभ्य समाज की पहचान उसके उत्सवों से नहीं बल्कि उसके शोक से होती है। समाज दुःख को किस तरह ग्रहण करता है, उसे किस गरिमा और संवेदनशीलता के साथ व्यक्त करता है- यही उसकी मानवीय परिपक्वता का पैमाना है। दुर्भाग्यवश, आज हमारा समाज इस कसौटी पर खरा उतरता हुआ नहीं दिखता। शोक सभाएं, जो कभी दुःख बांटने और शोकाकुल परिवार को संबल देने का सहज माध्यम थीं, अब धीरे-धीरे भव्यता, प्रदर्शन और सामाजिक प्रतिस्पर्धा का मंच बनती जा रही हैं।

आज देश के अनेक हिस्सों में प्रमुख अखबारों के पन्ने पलटते समय यह दृश्य सामान्य हो गया है कि एक ही व्यक्ति के लिए दस, बीस या पचास शोक संदेश एक ही दिन प्रकाशित हो रहे हैं। वे भी साधारण नहीं बल्कि रंगीन, बड़े फॉन्ट में, कई बार पूरे-पूरे पृष्ठों पर। शोक संदेश अब सूचना नहीं, बल्कि विज्ञापन का रूप ले चुके हैं।

कभी छह-सात पंक्तियों का श्वेत-श्याम शोक संदेश ही यह बताने के लिए पर्याप्त होता था कि अमुक व्यक्ति का निधन हो गया है और अमुक स्थान पर शोक सभा आयोजित है। रिश्तेदार और परिचित बिना किसी तामझाम के पहुंच जाते थे। उस समय शोक की अभिव्यक्ति में सादगी थी, मौन था और आत्मीयता थी।

समय के साथ यह सादगी कहीं खोती चली गई। आज शोक संदेश का आकार, उसका रंग, उसका स्थान और उसका खर्च- सब कुछ सामाजिक हैसियत का प्रतीक बन गया है।

यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि मृत्यु जैसे अंतिम सत्य को भी हमने स्टेटस सिंबल में बदल दिया है। अब यह देखा जाता है कि किस परिवार ने कितना बड़ा शोक संदेश दिया, किसने रंगीन दिया और किसका संदेश पहले पन्ने पर छपा।

शोक सभाओं का स्वरूप भी इसी प्रवृत्ति का प्रतिबिंब बन गया है। अब साधारण बैठक या घर के आंगन में बैठकर संवेदना प्रकट करने का चलन कम होता जा रहा है। उसकी जगह विशाल मंडप, सजे हुए पंडाल, सफेद पर्दे, कालीन और भव्य साज-सज्जा ने ले ली है। कई बार तो शोकसभा किसी बड़े बैंक्वेट हॉल या मैरिज गार्डन में आयोजित की जाती है, जहां का वातावरण शोक से अधिक किसी सामाजिक समारोह जैसा प्रतीत होता है।

मंच पर मृतक का बड़ा, सुसज्जित चित्र रखा जाता है, पुष्पमालाओं और सजावटी रोशनी के बीच। शोकाकुल परिवार के सदस्य भी पूरी तरह सज-संवरकर आते हैं। उनका पहनावा, उनकी देहभाषा और उनका व्यवहार किसी गहरे दुःख की अनुभूति नहीं कराता।

ऐसा नहीं है कि वे दुःखी नहीं हैं लेकिन शोक की वह स्वाभाविक सादगी, वह मौन पीड़ा, इस भव्यता में दब जाती है।

शोकसभा में उपस्थित लोगों की संख्या अब संवेदना का नहीं बल्कि प्रतिष्ठा का पैमाना बन चुकी है। कितने लोग आए, कितनी गाड़ियां आईं, कितने नेता पहुंचे, कितने अधिकारी आए- इन सबकी गिनती और चर्चा होती है। शोकसभा समाप्त होने के बाद भी यह मूल्यांकन चलता रहता है कि 'अमुक व्यक्ति तो आया ही नहीं' या 'फलां बड़े साहब भी पहुंचे थे।' मानो शोकसभा मृतक के प्रति श्रद्धांजलि न होकर सामाजिक शक्ति प्रदर्शन का अवसर हो।

यह प्रवृत्ति केवल तथाकथित उच्च वर्ग तक सीमित नहीं रही है। छोटे और मध्यमवर्गीय परिवार भी अब इस होड़ में शामिल होते जा रहे हैं। वे जानते हैं कि इस तरह का आयोजन उनकी आर्थिक क्षमता से बाहर है, फिर भी सामाजिक दबाव के कारण वे पीछे हट नहीं पाते। परिणामस्वरूप शोकसभा, जो मानसिक संबल देने का अवसर होनी चाहिए, आर्थिक बोझ में बदल जाती है। कई परिवार इस बोझ को उठाने में कठिनाई महसूस करते हैं, लेकिन 'लोग क्या कहेंगे' के भय से मजबूरी में यह सब करते हैं।

इस भव्य आयोजन में खानपान की व्यवस्था भी एक महत्वपूर्ण तत्व बन गई है। चाय, कॉफी, मिनरल वाटर, नाश्ता और कई बार भोजन तक की व्यवस्था की जाती है। इन व्यवस्थाओं की गुणवत्ता और विविधता पर भी ध्यान दिया जाता है। यह दृश्य उस मूल भावना से बिल्कुल विपरीत है, जिसके तहत शोकसभा का आयोजन किया जाता है। शोकसभा का उद्देश्य लोगों को खिलाना नहीं बल्कि शोकाकुल परिवार के दुःख में सहभागी बनना है।

शोकसभाओं में शामिल होने वाला व्यक्ति भी कई बार असमंजस में पड़ जाता है। वातावरण देखकर यह महसूस ही नहीं होता कि वह किसी शोकसभा में आया है। नए-नए रिवाज गढ़ लिए गए हैं, जबकि पुराने, सरल और गरिमामय रिवाज धीरे-धीरे लुप्त होते जा रहे हैं।

एक और चिंताजनक पहलू यह है कि पुण्य स्मृति और पुण्य तिथि जैसे अत्यंत निजी भाव भी अब सार्वजनिक प्रदर्शन का माध्यम बनते जा रहे हैं। किसी प्रियजन को याद करना व्यक्तिगत अनुभूति है। उसकी स्मृति मन में, परिवार के बीच और सादगी के साथ जीवित रहनी चाहिए। फिर यह आवश्यकता क्यों महसूस होती है कि बरस-दर-बरस अखबारों में बड़े-बड़े विज्ञापन देकर पूरे समाज को बताया जाए कि आप आज भी अपने प्रिय को याद करते हैं? क्या स्मरण का मूल्य उसके प्रचार में निहित है?

यह प्रश्न केवल परंपरा का नहीं, बल्कि संवेदनशीलता का भी है। जब निजी दुःख सार्वजनिक दिखावे में बदल जाता है, तो उसकी आत्मा खो जाती है। शोक, जो आत्ममंथन और विनम्रता का अवसर होना चाहिए, वह अहं और प्रदर्शन का साधन बन जाता है।

समय आ गया है कि समाज इस प्रवृत्ति पर गंभीरता से विचार करे। हमें यह समझना होगा कि मृत्यु किसी की सामाजिक हैसियत नहीं पूछती। वह सबको समान बना देती है। ऐसे में शोक की अभिव्यक्ति भी समान, सरल और गरिमामय होनी चाहिए। शोकसभा का उद्देश्य मृतक के प्रति श्रद्धांजलि देना और जीवितों को सांत्वना देना है, न कि समाज के सामने अपनी सामर्थ्य का प्रदर्शन करना।

मीडिया, सामाजिक नेतृत्व और स्वयं समाज को मिलकर इस दिशा में आत्मसंयम दिखाना होगा।

अखबारों को भी यह सोचना चाहिए कि शोक संदेशों को विज्ञापन के रूप में बढ़ावा देना कहीं इस प्रवृत्ति को और तो नहीं बढ़ा रहा। सामाजिक प्रतिष्ठा का मापदंड शोक संदेशों के आकार से नहीं बल्कि मानवीय संवेदना से तय होना चाहिए।

अंततः, शोक का सबसे सुंदर स्वरूप वही है जिसमें कम शब्द हों, कम दिखावा हो और अधिक संवेदना हो। मौन में कही गई बात, भव्य मंच से बोले गए भाषण से कहीं अधिक गहरी होती है।

शोक सभाएं अत्यंत सादगीपूर्ण होनी चाहिए। यही मृतकों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है और यही संवेदनशील समाज की पहचान भी।

(लेखिका, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

प्रगतिशील पंजाब निवेश सम्मेलन के द्वारा व्यापक निवेश होने से युवाओं के लिए रोजगार के बड़े अवसर सृजित होंगे : मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान

13-15 मार्च तक मोहाली में होने वाले ह्यप्रगतिशील पंजाब निवेश सम्मेलनह्न से औद्योगिक विकास को बड़ा बढ़ावा मिलेगा - मुख्यमंत्री

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने मोहाली में 13 से 15 मार्च 2026 को होने वाले ह्यप्रगतिशील पंजाब निवेश सम्मेलनह्न की तैयारियों का जायजा लेते हुए इसे निर्णायक कदम बताया, जो प्रदेश में औद्योगिक विकास को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाएगा।

उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, प्रगतिशील पंजाब निवेश सम्मेलन 13 से 15 मार्च 2026 को मोहाली में होगा, जो प्रदेश में औद्योगिक प्रगति को बड़ा बढ़ावा देगा। पंजाब पहले ही वैश्विक स्तर पर निवेश के लिए सबसे पसंदीदा स्थान के रूप में उभर चुका है। उन्होंने कहा, यह ऐतिहासिक सम्मेलन औद्योगिक तरक्की को नई गति देने के लिए प्रदेश की तकदीर रचने में सक्षम मंच प्रदान करेगा।

सामूहिक विचार-विमर्श की आवश्यकता पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, अंतरराष्ट्रीय औद्योगिक दिग्गजों के साथ लंबी चर्चा के बाद प्रदेश की इंडस्ट्री के लिए उद्योग-अनुकूल कार्य योजना तैयार करने के लिए आपसी सहमति विकसित की जाएगी। पंजाबियों के अग्रणी रहने के गुणों और उद्यमी भावना की भरपूर सराहना करते हुए उन्होंने कहा, पंजाबी अपनी हिम्मत और काबिलियत से दुनिया में कहीं भी कमाल कर सकते हैं।

इस सम्मेलन के विषय पर प्रकाश डालते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, यह सम्मेलन ह्यपंजाब मीन्ज बिजनेस-पॉलिसी टू प्रैक्टिसह्न (पंजाब मतलब कारोबार - नीति से अमल) के विषय पर आधारित होगा। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार द्वारा पहले ही गुरुग्राम, नई दिल्ली, बेंगलुरु, हैदराबाद, चेन्नई, मुंबई तथा जापान, दक्षिण कोरिया आदि देशों में रोड शो आयोजित किए जा चुके हैं। उन्होंने आगे कहा, सम्मेलन के दौरान मुख्य सत्रों में उद्घाटन, समापन, कंट्री सैशन, प्लेनरी सैशन, सेक्टरल सैशन आदि शामिल होंगे।

इस आयोजन को निवेशकों के लिए बड़ा अवसर करार देते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि निवेशक सम्मेलन देश भर में अधिकतम रियायतें पेश करते हुए प्रदेश में निवेश के अवसरों के लिए मंच प्रदान करेगा। उन्होंने कहा, पंजाब सरकार को इस व्यापक आयोजन में भाग लेने के लिए न केवल भारत बल्कि दुनिया भर के औद्योगिक दिग्गजों से भरपूर समर्थन मिला है। अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए उन्होंने कहा, प्रदेश का मुख्य आधार कृषि क्षेत्र पहले ही चुनौतियों से जूझ रहा है और कमजोर हुई अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने के लिए व्यापक औद्योगिकीकरण ही एकमात्र समाधान है।

मुख्यमंत्री ने कहा, राज्य सरकार ने पंजाब को न केवल देश में बल्कि विश्व भर में निवेश के लिए सबसे पसंदीदा स्थान बनाने के लिए अनूठी पहल की है। उन्होंने संभावित उद्यमियों से प्रदेश में बड़े पैमाने पर निवेश करने की अपील की। उन्होंने कहा, राज्य सरकार पंजाब में निवेश और औद्योगिक आधारभूत ढांचे को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है और राज्य सरकार के प्रयासों से अब तक 1.50 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हो चुके हैं, जिससे युवाओं के लिए 5.20 लाख नौकरियों के अवसर पैदा होंगे।

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, टाटा स्टील, सनातन टेक्सटाइल जैसी अन्य प्रमुख कंपनियों ने प्रदेश में निवेश करने में रुचि दिखाई है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा 13 से 15 मार्च को मोहाली में यह प्रगतिशील पंजाब निवेश सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है।

राज्य सरकार द्वारा किए गए सुधारों पर प्रकाश डालते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा, पंजाब सरकार ने औद्योगिक परियोजनाओं के लिए त्वरित और निर्बाध तरीके से रैगुलेटरी मंजूरियाँ जारी करने को सुनिश्चित बनाने के लिए सेल डीड की रजिस्ट्रेशन में ग्रीन स्टैंप पेपर पेश किया है। उन्होंने आगे कहा कि पंजाब ही एक ऐसा प्रदेश है जिसके पास स्थानीय उद्योगों की जरूरतों को पूरा करने के लिए अपना उद्योग-अनुकूल माहौल होने के साथ-साथ पूरी तरह सक्षम कुशल स्टाफ उपलब्ध है। बिजली सुरक्षा की महत्ता बताते हुए उन्होंने कहा कि विकास के लिए बिजली सुरक्षा बहुत महत्वपूर्ण है, इसलिए राज्य सरकार पंजाब में अधिक से अधिक बिजली उत्पादन के लिए हर संभव प्रयास कर रही है।

उन्होंने कहा कि देश और दुनिया भर की प्रमुख कंपनियों के प्रतिनिधि निवेश को मजबूत करने के लिए प्रदेश में आयोजित होने वाले इस मेगा इवेंट में संभावित रूप से शामिल होंगे। भगवंत सिंह मान ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ इस सम्मेलन के लिए किए जा रहे प्रबंधों का जायजा लिया ताकि इसे सफलतापूर्वक संपन्न किया जा सके। उन्होंने आगे कहा कि उद्योग के विभिन्न पहलुओं पर प्रदर्शनी, सेमिनार और तकनीकी सत्रों के अलावा उद्योग क्षेत्र में उभरती तकनीकों और रणनीतियों पर विशेष ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

इससे पहले मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने सम्मेलन का लोगो भी जारी किया। इस मौके पर उद्योग एवं व्यापार मंत्री संजीव अरोड़ा, मुख्य सचिव के.ए.पी. सिन्हा तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

सरकार ने साड्डे बुजुर्ग, साड्डा मान के नारे को मजबूत करते हुए वर्ष 2025-26 में वृद्धावस्था पेंशन योजना के तहत 3,806 करोड़ जारी किए: डॉ. बलजीत कौर

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

पंजाब की सामाजिक सुरक्षा, महिला एवं बाल विकास मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने आज कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के गतिशील नेतृत्व में पंजाब सरकार बुजुर्ग नागरिकों को न केवल समाज का अभिन्न अंग मानती है, बल्कि अपनी जीवंत विरासत और गौरव भी मानती है। उन्होंने कहा कि सरकार ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान जनवरी 2026 तक वृद्धावस्था पेंशन योजना के तहत 3,806 करोड़ रुपये से अधिक जारी करके ह्यसाड्डे बुजुर्ग, साड्डा मानह्न के नारे को व्यावहारिक रूप दिया है।

मंत्री ने कहा, पूरे राज्य में 23.62 लाख से अधिक पात्र बुजुर्ग लाभार्थियों को वृद्धावस्था पेंशन योजना के तहत नियमित रूप से वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है। प्रत्येक पात्र बुजुर्ग नागरिक को 1,500 रुपये की मासिक पेंशन दी जा रही है, ताकि वे अपनी दैनिक जीवन को सम्मान, सुरक्षा और स्वतंत्रता के साथ जी सकें।

पेंशन वितरण को निर्बाध रूप से सुनिश्चित करने के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हुए, मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने कहा, सभी लाभार्थियों के लिए समय पर और पारदर्शी तरीके से पेंशन वितरण सुनिश्चित करने हेतु, पंजाब सरकार ने 4,100 करोड़ रुपये का बजट प्रावधान किया है, जिससे यह सुनिश्चित किया गया है कि किसी भी बुजुर्ग नागरिक को अपनी उचित सहायता प्राप्त करने में किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

कैबिनेट मंत्री ने विभागीय अधिकारियों को सख्त निर्देश जारी करते हुए कहा कि प्रत्येक पात्र लाभार्थी को पेंशन का समय पर और निर्बाध भुगतान सुनिश्चित किया जाना चाहिए। पेंशन वितरण में किसी भी प्रकार की देरी, लापरवाही या चूक बर्दाश्त नहीं की जाएगी और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ नियमों के अनुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

सरकार के व्यापक दृष्टिकोण को उजागर करते हुए मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने कहा कि बुजुर्ग नागरिक पंजाब के सामाजिक विरासत, बुद्धिमत्ता और मूल्यों के संरक्षक हैं। ह्यरंगला पंजाबह्न के सपने को साकार करने के लिए उनकी सुरक्षा, सम्मान और खुशहाली अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है कि हर बुजुर्ग नागरिक अपनी जिंदगी बिना किसी चिंता के, सम्मान और मजबूत सरकारी सहायता के साथ व्यतीत कर सके, ताकि पंजाब खुशहाल, सुरक्षित और जीवंत बना रहे।

जसवीर सिंह गढ़ी द्वारा पंजाब पुलिस अधिकारियों को एस.सी.एस.टी. एक्ट के बारे में प्रशिक्षण प्रक्रिया को और तेज करने के निर्देश

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

पंजाब राज्य अनुसूचित जाति आयोग की 28वीं फुल आयोग बैठक की अध्यक्षता करते हुए आयोग के चेयरमैन सरदार जसवीर सिंह गढ़ी ने पंजाब पुलिस को निर्देश दिया कि एस.सी.एस.टी. एक्ट के बारे में प्रशिक्षण प्रक्रिया को और तेज किया जाए ताकि आयोग के पास पुलिस संबंधी आने वाली शिकायतों में कमी आए। इसके साथ ही उन्होंने सामाजिक न्याय विभाग को रोस्टर रजिस्टर संबंधी समितियों को आरक्षण नुक्तों और रोस्टर रजिस्टरों के बारे में प्रशिक्षण करवाने के निर्देश भी दिए।

बैठक के दौरान उन्होंने आम राज प्रबंध विभाग को निर्देश दिया कि पंजाब राज्य के प्रत्येक जिले में एस.सी.एस.टी. एक्ट के तहत दर्ज मामलों के निपटारे के लिए पंजाब पुलिस की तर्ज पर ए.डी.सी. स्तर के अधिकारी को नोडल अधिकारी नियुक्त किया जाए ताकि शिकायतों के निपटारे में और तेजी लाई जा सके।

उन्होंने बताया कि आज की बैठक में पुलिस, स्थानीय निकाय, सामाजिक न्याय तथा अन्य विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों से एस.सी./एस.टी. अत्याचार निवारण अधिनियम 1989 के तहत दर्ज केसों की स्थिति संबंधी रिपोर्ट ली गई। इसके अलावा आयोग की 27वीं बैठक में पुलिस विभाग को दिए गए निदेर्शों के अनुसार विशेष हेल्पलाइन नंबर स्थापित करने, भूरिवाले गुरगद्दी (गरीब दासी परंपरा) संप्रदाय के धाम श्री राम मोक्ष धाम, खुरदा टप्परियां (नवांशहर) और गद्दी नशीन आचार्य श्री चेतना नंद जी महाराज की सुरक्षा के लिए गार्ड नियुक्त करने तथा आयोग के सदस्य को सुरक्षा उपलब्ध करवाने संबंधी आयोग के निदेर्शों पर की गई कार्रवाई की रिपोर्ट भी ली गई।

संक्षिप्त-समाचार

डी.आर.एम.ने 29 सेवानिवृत्त रेलकर्मियों को 11.36 करोड़ समापन देय का भुगतान

जैतो। उत्तर रेलवे के फिरोजपुर मंडल में दिनांक 11.02.2026 को सेवानिवृत 29 रेलकर्मियों को लगभग 11.36 करोड़ रुपए समापन देय का भुगतान मंडल रेल प्रबंधक श्री संजीव कुमार के द्वारा किया गया। इन कर्मचारियों की सेवानिवृति 31 जनवरी 2026 को हो गई थी। सेवानिवृत के पश्चात 6 तरह का भुगतान किया जाता है जिसमें पीपीओ, ग्रेचुएटी, कम्मुटेशन, लीव इन कैशमेंट, जीआईएस तथा पीएफ शामिल है।इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक श्री संजीव कुमार ने सेवानिवृत रेलकर्मियों को संबोधित करते हुए उनके द्वारा की गई रेल सेवा हेतू आभार व्यक्त किया एवं उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि आपका जीवन स्वस्थ, सुखद और समृद्ध हो। उन्होंने सभी सेवानिवृत रेलकर्मियों से कहा कि अपनी पेमेंट का उपयोग सोच-समझ कर करें तथा अपने रूचि के अनुरूप स्वंय को व्यस्त रखे ताकि सेहतमंद बने रहे। इस अवसर पर अपर मंडल रेल प्रबंधक श्री नितिन गर्ग, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. रंजना सहगल, वरि० मंडल कार्मिक अधिकारी श्रीमती साक्षी सिंह, वरि० मंडल अभियंता/समन्वय श्री सुमित खुल्लर, वरि० मंडल यांत्रिक अभियंता श्री भूपेन्द्र, वरि० मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री परमदीप सिंह सैनी एवं अन्य अधिकारीगण व कर्मचारीगण उपस्थित थे।

चुन्नी लाल सचदेवा डी.ए.वी. सेंटेनरी पब्लिक स्कूल जैतो के विद्यार्थियों ने गायत्री महामंत्र का किया उच्चारण

जैतो। चुन्नीलाल सचदेवा डी.ए.वी सेंटेनरी पब्लिक स्कूल जैतो के विद्यार्थियों ने गायत्री महामंत्र का उच्चारण किया। यह 12 वर्षीय युग परिवर्तन महापुरुषचरण साधना के अंतर्गत गायत्री महामंत्र लेखन साधना का विराट अभियान चल रहा है । नवयुग के आगमन, सूक्ष्म जगत के परिशोधन, आत्मबल वृद्धि , विश्व शांति एवं विचार क्रांति अभियान की सफलता हेतु करोड़ों साधकों द्वारा गायत्री महामंत्र लेखन कराने का संकल्प किया है। उस उपरांत प्राचीन मंदिर फतेह चंद रेलवे स्टेशन के नजदीक पंडित सुशील शर्मा जी ने आज डी. ए. वी स्कूल में बच्चों को गायत्री मन्त्र करवाते हुए उनसे होने वाले लाभ का परिचय दिया। और हर रोज गायत्री मंत्र करने के लिए प्रेरणा दी। उन्होंने रविवार को मंदिर में पाँच यज्ञ कुंड स्थापित करके हवन करने हेतु बच्चों को भी निमंत्रण दिया।सभी संस्थाओं में कुछ गायत्री मन्त्र लिखित पुस्तकें बाँटी गई जो कि अपने हाथों से लिखकर जमा करवाने के लिए कहा गया। प्रधानाचार्या ज्योति शर्मा ने सुशील शर्मा का हृदय से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वो उनकी आभारी हैं जिन्होंने उनके विद्यार्थियों को गायत्री महामंत्र के महत्व को समझाया।

मल्टीपल ब्रेस्ट ट्यूमर से पीड़ित महिला का फोर्टिस में सफलतापूर्वक इलाज किया गया

बठिंडा। फोर्टिस हॉस्पिटल, मोहाली के डिपार्टमेंट ऑफ ब्रेस्ट एंड एंड्रोक्राइन सर्जरी, ने दुनिया के सबसे एडवांस्ड फोर्थ जेनरेशन रोबोट - दा विंची शी का उपयोग करके, निप्पल-स्पेयरिंग मास्टेक्टॉमी (आर-एनएसएम) और इम्प्लांट रीकंस्ट्रक्शन सर्जरी के माध्यम से, अपने बाएं स्तन में कई ट्यूमर से पीड़ित 43 वर्षीय महिला का सफलतापूर्वक इलाज किया। फोर्टिस हॉस्पिटल, मोहाली, दिल्ली-एनसीआर के उत्तर में स्थित एकमात्र ऐसा अस्पताल है जो इस अत्याधुनिक रोबोट-सहायता प्राप्त बेस्ट सर्जरी की सुविधा प्रदान करता है। रोबोटिक निप्पल-स्पेयरिंग मास्टेक्टॉमी (आर-एनएसएम) एक निशान रहित, मिनिमल-इनवेसिव सर्जिकल तकनीक है जिसमें त्वचा के फ्लैप, निप्पल और एरिओला को सुरक्षित रखते हुए, बगल में एक छोटे से न दिखने वाले कट के माध्यम से ब्रेस्ट टिश्यू को हटाया जाता है। यह एडवांस्ड एप्रोच न केवल कैंसर को प्रभावी ढंग से हटाने को सुनिश्चित करता है बल्कि स्तन के आकार और सेंसेशन दोनों को बनाए रखने में भी मदद करता है। 43 वर्षीय महिला, रोगी को अपने बाएं स्तन में कई गांठ, त्वचा का रंग बदलना और निप्पल में बदलाव का अनुभव हो रहा था और इसलिए उसने फोर्टिस हॉस्पिटल मोहाली में डॉ.नवल बंसल, सीनियर कंसल्टेंट, ब्रेस्ट एंड एंडोक्राइन कैंसर सर्जरी, से संपर्क किया।

वेदांता पावर के मेगा स्वास्थ्य शिविर से 340 लाभान्वित

चंडीगढ़ (अमरपाल नूरपुरी): पंजाब के सबसे बड़े और उत्तर भारत के वृहद निजी तापीय विद्युत संयंत्र तलवंडी साबो पावर लिमिटेड (टीएसपीएल) ने मानसा के गांव रायपुर में अपनी फ्लैगशिप स्वास्थ्य परियोजना सेहत के तहत मेगा स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया। सामुदायिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने और जरूरतमंदों तक उच्च गुणवत्ता की स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के प्रति टीएसपीएल ने अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। टीएसपीएल की ओर से आयोजित शिविर में लगभग 340 जरूरतमंद लाभान्वित हुए। जनरल फिजिशियन, स्त्री रोग विशेषज्ञ, त्वचा रोग विशेषज्ञ और दंत चिकित्सक ने पैरा मेडिकल स्टाफ के साथ अपनी सेवाएं दीं। शिविर में पंजीकृत नागरिकों के रक्तचाप, हीमोग्लोबीन, मधुमेह, मलेरिया, डेंगू, रक्त समूह आदि की जांच की गई। लोगों को निःशुल्क स्वास्थ्य परामर्श और दवाइयां दी गई। पंकज शर्मा ने कहा कि सेहत परियोजना का संचालन कंपनी के इस विश्वास का परिचायक है कि उत्कृष्ट सेहत से ही मजबूत समाज का निर्माण किया जा सकता है।

खुड्डियां ने 13 कृषि सब-इंस्पेक्टरों को नियुक्ति पत्र सौंपे

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

राज्य के कृषि आधारभूत ढांचे और जमीनी स्तर पर सेवाओं के विस्तार को और मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए पंजाब के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री सरदार गुरमीत सिंह खुड्डियां ने आज यहां अपने कार्यालय में 13 नव-नियुक्त कृषि सब-इंस्पेक्टरों (ए.एस.आई.) को नियुक्ति पत्र सौंपे।

नव-नियुक्त ए.एस.आईज. को सरकार की प्रगतिशील नीतियों और किसानों के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी बताते हुए स. गुरमीत सिंह खुड्डियां ने उन्हें बधाई दी और पूर्ण ईमानदारी एवं समर्पण के साथ राज्य के किसानों की सेवा करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने नव-नियुक्त कर्मचारियों से कहा कि आपका आचरण और जिम्मेदारी कृषि क्षेत्र की समृद्धि पर सीधा प्रभाव डालेगी क्योंकि आप आज देश के ह्यअन्नदाता के प्रति अपनी जिम्मेदारी से जुड़ रहे हैं।

कृषि विभाग में कर्मचारी सेवाओं के विस्तार पर सरकार द्वारा दिया जा रहा निरंतर ध्यान विस्तार से बताते हुए सरदार खुड्डियां ने कहा कि मुख्यमंत्री सरदार भगवंत सिंह मान की अगुवाई वाली सरकार के सत्ता संभालने से अब तक कृषि विभाग में 133 कृषि सब-इंस्पेक्टर (ए.एस.आईज.) और 200 कृषि विकास अधिकारी (ए.डी.ओज.) की भर्ती की गई है। उन्होंने कहा कि ये भर्तियां विभाग में नई ऊर्जा का संचार कर रही हैं और किसानों को प्रभावी ढंग से सेवा प्रदान करने की हमारी क्षमता को और मजबूत कर रही हैं।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री मान की अगुवाई वाली पंजाब सरकार ने विभिन्न सरकारी विभागों में 63,943 युवाओं को सरकारी नौकरियां प्रदान की हैं। उन्होंने कहा कि बड़े पैमाने पर इन भर्तियों से विभिन्न विभागों में लंबे समय से खाली पड़े पदों को भरा गया है, जो पंजाब के लोगों को कुशल और पारदर्शी ढंग से सेवाएं प्रदान करने के प्रति राज्य सरकार की दृढ़ प्रतिबद्धता को दशार्ता है।

इस अवसर पर कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के सचिव अर्शदीप थिंद, निदेशक कृषि गुरजीत सिंह बराड़ और विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

सरकार कर्मचारियों की भलाई के लिए प्रतिबद्ध; वन विभाग के कर्मचारी सरकार का अभिन्न अंग: लाल चंद कटारूचक

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार अपने कर्मचारियों की भलाई के लिए हर संभव कदम उठाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और वन विभाग के कर्मचारी सरकार का अभिन्न अंग हैं।

यह विचार आज वन एवं वन्यजीव संरक्षण मंत्री लाल चंद कटारूचक ने वन कॉम्प्लेक्स में फॉरेस्ट रेंजर्स एंड डिप्टी फॉरेस्ट रेंजर्स एसोसिएशन, पंजाब स्टेट फॉरेस्ट डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन बठिंडा के सेवानिवृत्त कर्मचारी यूनियन तथा डेमोक्रेटिक जंगलात मुलाजम यूनियन पंजाब के साथ आयोजित बैठकों के दौरान व्यक्त किए।

मंत्री ने वन रेंजर्स को बताया कि वित्त विभाग द्वारा स्वीकृत विभाग के पुनर्गठन प्रस्ताव के तहत पंजाब फॉरेस्ट सर्विस (ई.ए.सी.एफ.) के 44 पदों को मंजूरी दी गई है। उन्होंने आगे कहा कि पुनर्गठन प्रस्ताव में मुकदमेबाजी के मामलों से निपटने के लिए कानून अधिकारी के 2 पद और कानूनी सहायकों के 6 पद भी शामिल किए गए हैं।

पी.एफ.एस. कैडर के पदों पर सीधी भर्ती की मांग के संबंध में मंत्री ने कहा कि वन रेंजर्स के संबंध में नियमों को अधिसूचित करने के बाद इस मामले पर सहानुभूतिपूर्ण विचार किया जाएगा।

पंजाब स्टेट फॉरेस्ट डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन के सेवानिवृत्त कर्मचारी यूनियन के साथ बातचीत करते हुए मंत्री ने यूनियन द्वारा उठाए गए पेंशन संबंधी मुद्दे के संदर्भ में कहा कि एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया गया है जो इस मुद्दे पर विचार करके रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी। इसके अलावा मंत्री ने डेमोक्रेटिक जंगलात मुलाजम यूनियन पंजाब के साथ भी मुलाकात की और समय-समय पर विभाग में कार्यरत कच्चे तथा अनपढ़ कर्मचारियों (519 याचिकाकर्ता/गैर-याचिकाकर्ता) की सेवाओं को नियमित करने सहित उनकी विभिन्न मांगों को ध्यान से सुना।

इस अवसर पर अन्य लोगों के अलावा अतिरिक्त प्रमुख मुख्य वनपाल (ए.पी.सी.सी.एफ.) सौरभ गुप्ता और मुख्य वन्यजीव वार्डन बसंत राज कुमार भी उपस्थित थे।

आईईडी का प्रयोग पंजाब और दिल्ली समेत कई राज्यों में योजनाबद्ध हमलों में किया जाना था: डीजीपी गौरव यादव

पंजाब पुलिस ने पाक- आधारित माड्यूल का पदार्फाश करके एक ओर आतंकवादी साजिश को किया नाकाम; आईडी और पिस्तौल समेत आरोपी गिरफ्तार

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़/ अमृतसर

मुख्य मंत्री भगवंत सिंह मान के निदेर्शों अनुसार पंजाब को सुरक्षित राज्य बनाने के लिए जारी मुहिम दौरान खुफिया जानकारी पर आधारित एक कार्यवाही में स्टेट स्पेशल आपरेशन सैल (एस.एस. ओ. सी.) अमृतसर ने पाकिस्तान की हिमायत वाले एक ओर आतंकवादी माड्यूल का पदार्फाश करते एक बड़ी आतंकवादी साजिश को नाकाम कर दिया है और इस कार्यवाही में गिरफ़्तार किए गए दोषी से रिमोट कंट्रोल समेत मटैलिक केस में पैक एक इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) और गोली-सिक्के समेत एक विदेशी पिस्तौल बरामद किया गया है। यह जानकारी आज यहां डायरैक्टर जनरल आफ पुलिस (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव ने दी।

गिरफ़्तार किए गए आरोपी की पहचान शुभम कुमार उर्फ शुभम श्रीवास्तव के तौर पर हुई है, जो सीतापुर, उत्तर प्रदेश के गांव सरोसा का रहने वाला है।

बताने योग्य है कि यह सफलता पंजाब पुलिस की तरफ से पाकिस्तान आई.एस.आई. की हिमायत वाले आतंकवादी माड्यूल का पदार्फाश करने उपरांत इसके साथ सम्बन्धित कारकुन, जिसकी पहचान अमृतसर के राहुल कुमार उर्फ गज्जू के तौर पर हुई है, को आरडीएक्स-आधारित इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) समेत गिरफ़्तार किए जाने से एक दिन बाद सामने आई है।

डीजीपी गौरव यादव ने कहा कि प्राथमिक जांच अनुसार गिरफ़्तार किया गया मुलजिम ऐनक्रिपटड प्लेटफार्मों के द्वारा पाकिस्तान-आधारित हैंडलर के संपर्क में था। उन्होंने कहा कि आरोपी से बरामद हुई खेप सरहद पार से भेजी गई थी, जिसको उसने शहर के बाहरवार एक निर्धारित स्थान से प्राप्त किया था। डीजीपी ने कहा कि यह आई.ई.डी. पंजाब और दिल्ली समेत कई राज्यों में योजनाबद्ध हमलों में इस्तेमाल किया जाना था। उन्होंने आगे कहा कि समूचे आतंकवादी नैटवर्क का खात्मा करने के लिए आगे वाली जांच जारी है।

एआईजी एसएसओसी अमृतसर सुखमिन्दर सिंह मान ने कहा कि पुलिस टीमें को एक ठोस जानकारी मिली थी कि पाकिस्तानी संचालकों द्वारा पंजाब, दिल्ली और देश के अलग- अलग हिस्सों में धमाके और आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने के इरादे के साथ आईईडी और हथियारों की एक खेप पाकिस्तान से ड्रोन के द्वारा भेजी गई है, जिसको उनके भारत में कारकुनों ने हासिल किया है। प्राप्त जानकारी पर तेजी के साथ कार्यवाही करते विशेष पुलिस टीमों का गठन करके एक स्पैशल आप्रेशन चलाया गया, जिस दौरान शक्की शुभम कुमार उर्फ शुभम श्रीवास्तव को गिरफ़्तार करके अमृतसर जालंधर जीटी रोड पर स्थित दरगाहा नजदीक खाली पड़ी जगह से आईईडी और पिस्तौल किया गया।

एआईजी ने कहा कि जांच मुताबिक गिरफ़्तार किया गया दोषी पूरी तरह कट्टरपंथी है और वह अपने हैंडलर से अच्छे पैसे मिलने के भरोसे के बाद में उत्तर प्रदेश से अमृतसर आया था और उसने अपने हैंडलर के निदेर्शों पर शहर के बाहरवार एक निर्धारित स्थान से आईईडी और हथियारों की खेप हासिल की थी। उन्होंने कहा कि इस मामले में जांच जारी है।इस सम्बन्धित थाना एस.एस.ओ.सी., अमृतसर में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 61(2, गैर- कानूनी गतिविधियों (रोकू) एक्ट (यूएपीए) की धारा 18 और 20, विस्फोटक पदार्थ एक्ट की धारा 4 और हथियार एक्ट की धारा 25(1 (डी) के अंतर्गत एफआईआर नं. 09 तारीख 10. 02. 2026 दर्ज की गई है।

कनाडा में ब्रिटिश कोलंबिया के टम्बलर रिज के स्कूल में गोलीबारी, 10 की मौत

आरसीएमपी ने कहा, गोलीबारी में 25 से ज्यादा लोग घायल हुए

स्कूल को पूरी तरह बंद कर दिया गया है

एजेंसी (हि.स.)
टम्बलर रिज) कनाडा

कनाडा में ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत के टम्बलर रिज शहर के सेकेंडरी स्कूल में गोलीबारी में संदिग्ध समेत आठ लोग मारे गए।इसके अलावा एक घर से दो व्यक्तियों के शव मिले हैं।माना जा रहा है कि इन दोनों का संबंध इस गोलीबारी से है।

रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस (आरसीएमपी) ने मंगलवार को यह जानकारी दी। द कैनेडियन प्रेस की रिपोर्ट के अनुसार, आरसीएमपी ने कहा कि गोलीबारी में 25 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। इनमें दो को जानलेवा चोट आई है। पुलिस को गोलीबारी की सूचना दोपहर करीब 1:20 बजे मिली।पुलिस के पहुंचने पर स्कूल के अंदर छह लोगों और संदिग्ध हमलावर का शव मिला।गंभीर रूप से घायल दो लोगों को एयर लिफ्ट करके अस्पताल ले जाया गया।एक घायल की अस्पताल ले जाते समय रास्ते में मौत हो गई। पुलिस का कहना है कि जांच के दौरान इस घटना से जुड़े पास के एक घर की पहचान हुई। घर के अंदर दो लोग मृत पाए गए। आरसीएमपी के अनुसार, संदिग्ध हमलावर ने खुद को गोली मारी। यह जांच की जा रही है कि क्या इस घटना में कोई दूसरा संदिग्ध भी शामिल था। उल्लेखनीय है टम्बलर रिज छोटा शहर है।इसकी आबादी लगभग 2,400 है। पुलिस ने लोगों से घरों के अंदर रहने और सुरक्षित रहने की अपील की है। आसपास के क्षेत्रों से अतिरिक्त पुलिस बल बुलाया गया है।एक अन्य रिपोर्ट के अनुसार, पीस रिवर साउथ स्कूल डिस्ट्रिक्ट ने बताया कि टम्बलर रिज सेकेंडरी स्कूल और टम्बलर रिज एलीमेंट्री स्कूल को पूरी तरह बंद कर दिया गया है। टम्बलर रिज सेकेंडरी स्कूल में कक्षा 7 से 12 तक लगभग 175 छात्र पढ़ते हैं।पीस रिवर साउथ के विधायक लैरी न्यूफेल्ड ने कहा कि इस घटना के बाद पुलिस और एंबुलेंस की अतिरिक्त टीमें भेजी गई हैं। उन्होंने सुरक्षा कारणों से और अधिक जानकारी साझा करने से इनकार किया। उन्होंने समुदाय के लोगों से अपील की है कि जो लोग अपने परिजनों को ढूंढ रहे हैं, कृपया घर लौट जाएं और पुलिस को काम करने दें।

फोटोः हि.स.

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत एशिया में तेजी का रुख

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से आज मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान दबाव में कारोबार करके बंद हुए। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान मिला-जुला कारोबार होता रहा। वहीं एशियाई बाजार में आज चौतरफा तेजी का रुख बना हुआ है।

अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार दबाव में कारोबार होता रहा, जिसके कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुए। एस एंड पी 500 इंडेक्स 0.36 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 6,939.97 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 134.30 अंक 0.58 प्रतिशत की गिरावट के साथ पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। वहीं डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज फिलहाल 160.84 अंक यानी 0.32 प्रतिशत की मजबूती के साथ 50,348.98 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

फोटोः हि.स.

यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान मिला-जुला कारोबार होता रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.31 प्रतिशत की गिरावट के साथ 10,353.84 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह डीएएक्स इंडेक्स ने 0.11 प्रतिशत टूट कर 24,987.85 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। दूसरी ओर, सीएसी इंडेक्स 0.06 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 8,327.88 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजार में आज चौतरफा खरीदारी होती हुई नजर आ रही है। एशिया के 9 बाजार में से आठ के सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं। टोक्यो स्टॉक एक्सचेंज में छुट्टी होने की वजह से निक्केई इंडेक्स में आज कोई बदलाव नहीं हुआ है। गिफ्ट निफ्टी 0.24 प्रतिशत की तेजी के साथ 26,024.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.33 प्रतिशत की मजबूती के साथ 4,980.69 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है।

ताइवान वेटेड इंडेक्स ने आज जोरदार छलांग लगाई है। फिलहाल यह सूचकांक 597.11 अंक यानी 1.81 प्रतिशत उछल कर 33,670.08 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 111.52 अंक यानी 1.37 प्रतिशत की बढ़त के साथ 8,243.26 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा कोस्पी इंडेक्स 1.21 प्रतिशत की मजबूती के साथ 5,365.58 अंक के स्तर पर, हैंग सेंग इंडेक्स 119.85 अंक यानी 0.44 प्रतिशत की तेजी के साथ 27,303 अंक के स्तर पर, सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.31 प्रतिशत की उछाल के साथ 1,414.75 अंक के स्तर पर और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.22 प्रतिशत की बढ़त के साथ 4,137.55 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

राजस्थान में शादी से लौट रहे दोस्तों की कार हाइवे पर ट्रेलर में घुसी, छह की मौत

एजेंसी (हि.स.)
दौसा

राजस्थान के दौसा जिले में मंगलवार देर रात सड़क हादसे में एक ही गांव के छह युवकों की मौत हो गई। सभी युवक शादी समारोह से लौट रहे थे। हादसा जयपुर-आगरा नेशनल हाइवे पर कैलाई गांव के पास मंगलवार देररात हुआ। जानकारी के अनुसार, तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर पार कर गई और दूसरी ओर से आ रहे ट्रेलर में जा घुसी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और कार सवार युवक अंदर बुरी तरह फंस गए।

हादसे के बाद कार को क्रेन की मदद से ट्रेलर से अलग किया गया। काफी मशक्कत के बाद युवकों को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया।सिकंदरा अस्पताल में चार युवकों को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। वहीं, दो गंभीर रूप से घायल युवकों को दौसा जिला अस्पताल रेफर किया गया, जहां एक युवक ने दम तोड़ दिया। दूसरे युवक की इलाज के दौरान जयपुर के एसएमएस अस्पताल में मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ड्राइवर सीट पर बैठे युवक का शव हादसे के बाद आधा बाहर लटक गया था, जिससे टक्कर की भयावहता का अंदाजा लगाया जा सकता है। हादसे में समय सिंह (25) पुत्र राम सिंह योगी, लोकेश (24) पुत्र गोवर्धन योगी, दिलखुश (24) पुत्र बनवारी योगी, मनीष (23) पुत्र हरिमोहन योगी, अंकित (26) पुत्र लालाराम बैरवा और नवीन (23) की मौत हो गई। सभी युवक कालाखो गांव (दौसा) के निवासी थे। बताया जा रहा है कि हादसे से कुछ घंटे पहले सभी दोस्त आभानेरी गांव में आयोजित शादी समारोह में शामिल हुए थे, जहां उन्होंने साथ बैठकर भोजन किया और एक साथ फोटो भी खिंचवाई थी। वही फोटो अब उनके परिवारों के लिए आखिरी याद बनकर रह गई है। हादसे की सूचना मिलते ही दौसा पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की।

फोटोः हि.स.

ब्रिटेन में अफगान शरणार्थी को 12 साल की लड़की से दुष्कर्म में दोषी ठहराया गया

एजेंसी (हि.स.)
लंदन

ब्रिटेन की एक अदालत ने तेईस वर्षीय अफगान शरणार्थी अहमद मुलाखिल को 12 साल की एक लड़की को अगवा कर दुष्कर्म करने के मामले में दोषी ठहराया है। वकीलों ने कहा कि मुलखिल ने पिछले साल जुलाई में मध्य इंग्लैंड के न्यूनेटन शहर के एक पार्क में इस लड़की को निशाना बनाया। स्काई न्यूज की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। रिपोर्ट में कहा गया कि इस मुकदमे की सुनवाई वारविक क्राउन कोर्ट में हुई। यह घटना सामने आते ही शहर में विरोध प्रदर्शन हुए। प्रदर्शनकारियों ने सेंट जॉर्ज क्रॉस के झंडे और यूनियन के झंडे पकड़े हुए थे और वे ₹नावों को रोको₹ और ₹हमें अपना देश वापस चाहिए₹ के नारे लगाते हुए सड़क पर उतरे थे। मुलाखिल को वारविक क्राउन कोर्ट ने एकमत से दोषी ठहराया। उसने सुनवाई से पहले ही दुष्कर्म का आरोप स्वीकार कर लिया था। कोर्ट ने उसे इस घटना का वीडियो बनाने का भी दोषी ठहराया। कोर्ट ने मुलाखिल के इस कृत्य में सहयोगी अफगान नागरिक मोहम्मद कबीर को बरी कर दिया। कोर्ट के दस्तावेजों के मुताबिक, कबीर 24 साल का है, लेकिन उसने जूरी को बताया कि वह 22 साल का है।उसे यह कहकर बरी कर दिया गया कि उसने पीड़िता को छुआ तक नहीं और न ही उसका उसके प्रति कोई गलत इरादा नहीं था कोर्ट को बताया गया कि मुलखिल इस घटना से चार महीने पहले ब्रिटेन आया था और उसने अफगानिस्तान में हुई ₹समस्याओं₹ से जुड़ा इमिग्रेशन आवेदन दिया था।कोर्ट में यह नहीं बताया गया कि वह छोटी नाव से ब्रिटेन आया था, या कबीर भी 2024 में क्रिसमस के दिन उसी तरीके सेआया था।

फोटोः हि.स.

संक्षिप्त-समाचार

नदी से अज्ञात युवती का शव बरामद

खूंटी। तोरपा थाना क्षेत्र के दोड़मा स्थित फुल्कू नदी के पास से पुलिस ने बुधवार को एक अज्ञात युवती का शव बरामद किया है। युवती के गले पर दुपट्टा लिपटा हुआ है। समाचार लिखे जाने तक शव की शिनाख्त नहीं हुई थी। जानकारी के अनुसार, स्थानीय लोगों ने बुधवार की सुबह युवती के शव को देखा और इसकी सूचना तोरपा थाना की पुलिस को दी। थाना प्रभारी मुकेश कुमार यादव और पुलिस अवर निरीक्षक रोशन खाखा घटनास्थल पर पहुंचे और शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा। पुलिस ने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा कि हत्या हुई है या नहीं। थाना प्रभारी ने लोगों से शव की शिनाख्त करने की अपील की है।

शिक्षक का फंदे से झूलता शव मिलने से सनसनी

पूर्व मेदिनीपुर। पूर्व मेदिनीपुर जिले के नंदकुमार थाना अंतर्गत मल्लिकचक अमरस्मृति विद्यापीठ के एक वरिष्ठ शिक्षक द्वारा आत्महत्या किए जाने का मामला सामने आया है। मृतक की पहचान सुजीत मन्ना (50) के रूप में हुई है, जो विद्यालय के अंग्रेजी विभाग में कार्यरत थे। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सुजीत मन्ना का शव उनके पैतृक आवास नारीकेलदाह (मयना) में फंदे से लटका हुआ पाया गया। घटना की सूचना मिलते ही मयना थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, इस संबंध में अप्राकृतिक मृत्यु (यूडी केस) का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। आत्महत्या के कारणों का अभी तक स्पष्ट पता नहीं चल पाया है। पुलिस विभिन्न पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की जांच कर रही है।

परिजनों और सहकर्मियों के अनुसार, सुजीत मन्ना एक मिलनसार और समर्पित शिक्षक थे। उनके इस आत्मघाती कदम से विद्यालय के छात्र-छात्राएं और स्थानीय लोग स्तब्ध हैं। घटना के बाद मल्लिकचक अमरस्मृति विद्यापीठ में शोक की लहर दौड़ गई है। विद्यालय प्रशासन और स्थानीय शिक्षकों ने इसे शिक्षा जगत के लिए बड़ी क्षति बताया है।

कटिहार से अमृतसर वाया फारबिसगंज ललितग्राम चलेगी होली स्पेशल ट्रेन

अररिय। बिहार से दूसरे प्रदेशों में काम करने वाले कामगारों की सुविधा और होली जैसे पर्व में घर वापसी को लेकर रेलवे ने कटिहार से अमृतसर होली स्पेशल ट्रेन चलाने का ऐलान किया है। कटिहार से अमृतसर के लिए वाया फारबिसगंज, ललितग्राम,सरायगढ़, निर्मली, झंझारपुर, सकरी,दरभंगा होकर होली स्पेशल ट्रेन चलेगी। गाड़ी संख्या 05735 / 05736 कटिहार अमृतसर होली स्पेशल स्पेशल वाया पूर्णिया,फारबिसगंज,सरायगढ़,दरभंगा होकर अमृतसर ट्रेन जाएगी। वहीं कटिहार से 18 फरवरी से 25 मार्च तक प्रत्येक बुधवार को और अमृतसर से 20 फरवरी से 27 मार्च तक प्रत्येक शुक्रवार को ट्रेन का परिचालन होगा। गाड़ी संख्या 05736 कटिहार - अमृतसर होली स्पेशल ट्रेन कटिहार से 18 फरवरी से 20 मार्च तक प्रत्येक बुधवार को कटिहार से रात्रि 21:00 बजे प्रस्थान करेगी और तीसरे दिन सुबह 09:45 बजे अमृतसर पहुंचेगी।गाड़ी संख्या 05736 अमृतसर-कटिहार होली स्पेशल ट्रेन अमृतसर से 20 फरवरी से 27 मार्च तक प्रत्येक शुक्रवार को दोपहर 13 : 25 बजे प्रस्थान करेगी और तीसरे दिन 23:45 बजे पहुंचेगी। ट्रेन का ठहराव पूर्णिया, अररिया, फारबिसगंज, ललितग्राम, राघोपुर, सरायगढ़, निर्मली, झंझारपुर, सकरी, दरभंगा, सीतामढ़ी, रक्सौल, नरकटियागंज, कप्तानगंज, गोरखपुर बस्ती, गोण्डा, सीतापुर, शाहजहांपुर, बरेली, मुरादाबाद, बक्सर, रुड़की, सहारनपुर, अंबाला, छावनी राजपुरा, डंडारी कलां (लुधियाना), जालंधर व्यास स्टेशन पर है। जानकारी कटिहार रेलवे परामर्श दात्री सदस्य बछराज राखेचा ने यह जानकारी दी।

मध्य प्रदेश में दिन गर्म, रातें अभी भी ठंडी

भोपाल। मध्य प्रदेश में मौसम का मिजाज बदलने लगा है। दिन के समय गर्मी का असर बढ़ रहा है, जबकि रातें अब भी सर्द बनी हुई हैं। मंगलवार को भोपाल, इंदौर सहित प्रदेश के 15 शहरों में अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस से ऊपर दर्ज किया गया। वहीं, रात के तापमान की बात करें तो 11 शहरों में पारा 10 डिग्री से नीचे रहा। दो दिन बाद दिन और रात दोनों के तापमान में गिरावट देखने को मिल सकती है। मौसम विभाग के मुताबिक देश में फिलहाल दो मौसम प्रणालियां सक्रिय हैं, लेकिन इनके कमजोर होने के कारण बारिश की संभावना बेहद कम है। इसके अलावा 13 और 16 फरवरी के आसपास नया वेस्टर्न डिस्टरबेंस पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र को प्रभावित कर सकता है, जिसका असर मध्य प्रदेश में भी दिखेगा। इसके चलते दिन और रात के तापमान में 3 से 4 डिग्री सेल्सियस तक की कमी आने की संभावना है। मंगलवार को भोपाल, इंदौर, दमोह, खजुराहो, मंडला, सागर, टीकमगढ़, बैतूल, गुना, धार, खंडवा, खरगोन, रायसेन और रतलाम सहित 15 शहरों में तापमान 30 डिग्री से अधिक रहा। नर्मदापुरम में सबसे ज्यादा 33 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। वहीं, मंगलवार की रात शहडोल जिले के कल्याणपुर में सबसे ज्यादा ठंड रही, जहां न्यूनतम तापमान 4.5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। कटनी के करौंदी में 5.9 डिग्री, अनूपपुर के अमरकंटक में 7.8 डिग्री, खजुराहो में 8.2 डिग्री, पचमढ़ी और उमरिया में 8.4 डिग्री, रीवा में 8.5 डिग्री, शिवपुरी में 9 डिग्री, मंडला में 9.1 डिग्री, दतिया में 9.5 डिग्री और नौगांव में 9.8 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज हुआ। मौसम विभाग का कहना है कि इस समय एक साइक्लोनिक सकुर्लेशन और वेस्टर्न डिस्टरबेंस सक्रिय है। पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी और बारिश के चलते अगले दो दिनों तक प्रदेश में तापमान बढ़ सकता है।

दो संस्थानों की सार्थक पहल से दस महीने बाद मां-बेटे का हुआ मिलन

मधेपुरा। मानवता, सेवा और संवेदना की एक बेहद मार्मिक मिसाल मधेपुरा में देखने को मिली, जहां जेएनकेटी मेडिकल कॉलेज और श्रृंगी ऋषि सेवा फाउंडेशन परिवार के सहयोग से पिछले दस महीने से अपने परिवार से बिछड़ी एक बुजुर्ग महिला को आखिरकार उनके परिजन से मिलाया गया। मंगलवार की देर रात जब मां और बेटे का मिलन हुआ, तो वहां मौजूद हर आंख नम और हर दिल सुकून से भर उठा। करीब दस महीने पूर्व यह बुजुर्ग महिला सड़क किनारे बेसुध हालत में पड़ी मिली थीं, जिन्हें एक संवेदनशील एंबुलेंस चालक ने तत्परता दिखाते हुए जेएनकेटी मेडिकल कॉलेज, मधेपुरा में भर्ती कराया। उस समय महिला की हालत अत्यंत गंभीर थी, वह न बोल पा रही थीं और न ही किसी को पहचान पा रही थीं।

सीजीपीएससी-2025 की प्रारंभिक परीक्षा 22 फरवरी को

रायपुर। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग (सीजीपीएससी) द्वारा आयोजित राज्य सेवा राज्य सेवा (प्रारंभिक) परीक्षा 2025 की प्रारंभिक परीक्षा इस महीने की 22 फरवरी 2026 को प्रदेश के सभी 33 जिलों में आयोजित की जाएगी। इस भर्ती अभियान के तहत 238 पदों पर भर्ती होगी। आयोग के परीक्षा नियंत्रक ने बताया है कि परीक्षा को दो पालियों में आयोजित किया जाएगा। प्रथम पाली में जनरल स्टडीज के लिए परीक्षा सुबह 10 बजे से 12 बजे तक होगी। वहीं, द्वितीय पाली में एप्टीट्यूड टेस्ट का आयोजन दोपहर 3 बजे से 5 बजे तक किया जाएगा। राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा के लिए प्रवेश पत्र परीक्षा तिथि से लगभग 10 दिन पहले जारी किए जाएंगे। अभ्यर्थी अपने प्रवेश पत्र आयोग की आधिकारिक वेबसाइट www.psc.cg.gov.in से डाउनलोड कर सकते हैं।आयोग ने बताया कि प्रारंभिक परीक्षा में चयनित उम्मीदवारों को मुख्य परीक्षा में शामिल होना होगा, जो 16, 17, 18 और 19 मई 2026 को आयोजित की जाएगी।

नेपाल -भारत के बीच सुरक्षा सहयोग पर विशेषज्ञों ने किया विमर्श

एजेंसी (हि.स.)
काठमांडू

नेपाल-भारत सुरक्षा सहयोग पर दोनों देशों के थिंक टैंक के प्रतिनिधियों और विशेषज्ञों के बीच चर्चा हुई है। नेपाल इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनेशनल को-ऑपरेशन एंड एंगेजमेंट के मंगलवार को आयोजित कार्यक्रम में दोनों देशों के प्रमुख संस्थानों के विशेषज्ञों ने भाग लिया। भारतीय सेना के सबसे पुराने थिंक टैंक यूनाइटेड सर्विस इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के महानिदेशक संजय जसजित सिंह ने कहा, भारतीय सैन्य शक्ति और राष्ट्रीय सुरक्षा की अग्रिम पंक्ति में नेपाली साहस और वीरता हमेशा से रही है। भारत के पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार तथा थिंक टैंक नेटस्ट्रैट के संयोजक और पूर्व राजदूत पंकज शरण ने नेपाल के युवाओं के साथ हुई बातचीत से स्वयं को काफी प्रभावित बताया। उन्होंने कहा कि नेपाल और भारत—दोनों देशों के युवाओं को भविष्य के नेपालझभारत संबंधों के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। इंडिया फाउंडेशन के कार्यकारी उपाध्यक्ष आलोक बंसल ने कहा कि भारत सीमा-पार आतंकवाद का प्रमुख शिकार रहा है और इसका नेपाल पर भी गंभीर प्रभाव पड़ता है। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय की प्रोफेसर संगीता थपलिया ने कहा कि भारतझनेपाल संबंध थिंक टैंकों और शैक्षणिक केंद्रों के कार्यों से लाभान्वित हुए हैं और सहयोग को सुदृढ़ करने की पर्याप्त संभावनाएं मौजूद हैं।काउंसिल फॉर स्ट्रैटेजिक एंड डिफेंस रिसर्च के सह-संस्थापक डॉ. गौरव सैनी ने कहा कि गहरे व्यापारिक, सांस्कृतिक और जन-जन के संबंधों के कारण भारत-नेपाल सीमा विशिष्ट है, लेकिन सीमा के खुले स्वरूप से उत्पन्न साझा सुरक्षा चुनौतियों का समाधान मिलकर करना होगा। नेपाली सेना के अवकाश प्राप्त ब्रिगेडियर जनरल तथा सामरिक मामलों के विशेषज्ञ बिनोज बस्न्यात ने कहा कि नेपाल में जेनझजी के प्रदर्शन अप्रत्याशित नहीं थे, लेकिन उनका स्वरूप चौंकाने वाला रहा। चुनाव के महत्व को स्वीकार करते हुए उन्होंने सवाल उठाया कि क्या केवल चुनाव ही रणनीतिक स्थिरता सुनिश्चित कर सकते हैं।उन्होंने चुनावोत्तर स्थिति को रणनीतिक समाधान से अधिक एक रणनीतिक विरामके रूप में व्याख्यायित किया।

फोटोः हि.स.

शुरूआती कारोबार में शेयर बाजार पर दबाव, सेंसेक्स और निफ्टी लुढ़के

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

घरेलू शेयर बाजार आज शुरूआती कारोबार के दौरान दबाव बना हुआ नजर आ रहा है। आज के कारोबार की शुरूआत मामूली बढ़त के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में तेजी भी आई, लेकिन थोड़ी ही देर बाद बिकवाली का दबाव बन जाने की वजह से इन दोनों सूचकांकों ने लाल निशान में गोता लगा दिया। पहले एक घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.09 प्रतिशत और निफ्टी 0.03 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे।

बुधवार को शुरूआती पहले घंटे का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से आयशर मोटर्स, अपोलो हॉस्पिटल, मैक्स हेल्थकेयर, महिंद्रा एंड महिंद्रा और टाइटन कंपनी के शेयर 6.17 प्रतिशत से लेकर 1.61 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर, कोल इंडिया, ओएनजीसी, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, ग्रासिम इंडस्ट्रीज और ट्रेंट लिमिटेड के शेयर 2.08 प्रतिशत से लेकर 1.08 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे।

अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,680 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी।इनमें से 1,128 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 1,552 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे।इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 10 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे।दूसरी ओर 20 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे।

फोटोः हि.स.

बारात जा रही स्कार्पियो पेड़ से टकरायी, तीन की मौत

एजेंसी (हि.स.)
पूर्वी चंपारण

जिले के घोड़ासहन थाना क्षेत्र के ढाका-घोड़ासहन मुख्य पथ पर महादेवा गांव के पास मंगलवार की देर रात सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार दुर्घटना उस वक्त हुई जब बारात में शामिल होने जा रही एक स्कॉर्पियो अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से टकरा गई।टक्कर में वाहन के परखच्चे उड़ गए और वह करीब 20 मीटर दूर जा गिरा।

हादसे में स्कॉर्पियो सवार तीनों व्यक्तियों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों मे राजपुर थाना क्षेत्र के विनोद प्रसाद(55), उनके चचेरे भाई अनिल प्रसाद (35) और उपमुखिया गजेंद्र दास(40) है।ये तीनों एक ही गांव के निवासी थे। मृतक के परिजन के अनुसार विनोद प्रसाद के पुत्र की शादी घोड़ासहन के एक मैरेज हॉल में हो थी। ये तीनों राजेपुर से उसी बारात में शामिल होने के लिए अपनी स्कॉर्पियो से जा रहे थे। महादेवा के पास सामने से आ रही एक तेज रफ्तार और अनियंत्रित गाड़ी को साइड देने के प्रयास में स्कॉर्पियो चालक ने नियंत्रण खो दिया और वाहन सड़क किनारे पेड़ से जा टकराया। स्थानीय लोगो के अनुसार स्कॉर्पियो पेड़ से टकराने के बाद हवा में उछलकर करीब 20 मीटर दूर जा गिरी।वाहन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। चालक का एयरबैग खुलने से उसकी जान बच गई, लेकिन वह घटना के बाद से लापता है। पुलिस उसकी तलाश कर रही है।घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची घोड़ासहन थाना की पुलिस ने लोगों की मदद से घायलों को वाहन से बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया।पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

फोटोः हि.स.

त्रिवेणी संगम

बुधवार से 13 फरवरी तक चलेगा मेला

हुगली के त्रिवेणी संगम में 'मिनी कुंभ'

एजेंसी (हि.स.)
हुगली

हुगली जिले के ऐतिहासिक त्रिवेणी संगम में बुधवार से तीन दिवसीय कुंभ मेले की शुरूआत होने जा रही है। यह मेला 11 से 13 फरवरी तक चलेगा। माघ संक्रांति के दिन यहां पुण्य स्नान होगा। खास बात यह है कि पांचवें वर्ष के इस कुंभ मेले के लिए प्रयागराज का पवित्र जल भी त्रिवेणी संगम पहुंच चुका है।

धार्मिक मान्यता के अनुसार, त्रिवेणी को 'मुक्तवेणी' और प्रयाग को 'युक्तवेणी' कहा जाता है। इसी कारण त्रिवेणी संगम का धार्मिक महत्व अत्यंत प्राचीन और विशेष माना जाता है। पौराणिक कथाओं के अनुसार, देवी बेहुला लक्ष्मींदर को लेकर गंगाबक्ष से जाते समय त्रिवेणी घाट पर रुकी थीं। इतिहास में त्रिवेणी और सप्तग्राम एक समय बड़ा व्यापारिक बंदरगाह हुआ करता था। हालांकि, बर्गी आक्रमण में उस दौर की कई निशानियां नष्ट हो गईं, लेकिन आज भी नेता धोपानी घाट और कई प्राचीन मंदिर यहां मौजूद हैं। इसी परंपरा के तहत साधु-संत मकर संक्रांति पर गंगासागर में पुण्य स्नान करने के बाद त्रिवेणी आकर माघी स्नान करते हैं। पुराने समय में यात्रा में लंबा समय लगने के कारण साधु एक महीने बाद अपने-अपने आश्रम लौटते थे। उसी परंपरा को जीवित रखते हुए त्रिवेणी में लगातार पांचवें साल कुंभ स्नान आयोजित हो रहा है। इस बार 11 से 13 फरवरी तक देश के विभिन्न हिस्सों से साधु-संत त्रिवेणी पहुंचेंगे। उनके लिए विशेष अखाड़ों की व्यवस्था की गई है। त्रिवेणी के शिवपुर मैदान में साधुनाम होगा। अंतिम दिन नगर कीर्तन के बाद सप्तर्षि घाट पर पुण्य स्नान के साथ मेले का समापन होगा। मिनी कुंभ के कार्यक्रम के अनुसार, 11 फरवरी को शिवपुर स्पोर्टिंग क्लब मैदान में गीता यज्ञ होगा। 12 फरवरी को रुद्राभिषेक यज्ञ और महादेव के सहस्त्रनाम पाठ का आयोजन किया जाएगा। वहीं आरआर कैंप में साधुओं के अखाड़े में 52 पीठों की कल्पना कर धूनी प्रज्वलित की जाएगी। 13 फरवरी को माघ संक्रांति के दिन अमृत युग स्नान होगा। इससे पहले साधुओं की राजसी यात्रा निकाली जाएगी, जो सप्तर्षि घाट पर समाप्त होगी। स्वामी शिवानंद महाराज ने बताया कि साधुओं का आगमन शुरू हो चुका है। 11 फरवरी से विधिवत कार्यक्रम शुरू होंगे और 13 फरवरी को पुण्य स्नान के बाद भंडारे का आयोजन किया जाएगा। उस दिन साधु पूरे त्रिवेणी नगर की परिक्रमा करेंगे।

कुंभ मेले को लेकर सुरक्षा व्यवस्था भी कड़ी की गई है। हुगली ग्रामीण पुलिस अधीक्षक कामनाशीष सेन ने मेले के स्थल का निरीक्षण किया है। उन्होंने बताया कि भारी भीड़ को देखते हुए बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया जाएगा। सौ से अधिक सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे और कई इलाकों में 'नो एंट्री' लागू रहेगी, ताकि श्रद्धालुओं की सुरक्षा और व्यवस्था बनाए रखी जा सके।

फोटोः हि.स.

आज होगी श्रीलंका और ओमान में भिड़ंत

ओमान के खिलाफ श्रीलंका के मध्यक्रम के बल्लेबाजों को दिखाना होगा दम

एजेंसी (हि.स.)

पल्लीकल

श्रीलंका की टीम गुरुवार को यहां जब टी20 विश्व कप के ग्रुप बी के मैच में ओमान का सामना करेगी तो उसकी निगाह अपनी बल्लेबाजी विशेषकर बीच के ओवरों में अच्छा प्रदर्शन करने और चोटिल वानिंदु हसरंगा के बाहर हो जाने के बाद नया गेंदबाजी संयोजन तैयार करने पर होगी। स्पिन गेंदबाज हसरंगा आयरलैंड के खिलाफ अपने पहले मैच के दौरान हैमस्ट्रिंग में चोट लगने के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गए। आईसीसी के इस टूर्नामेंट से पहले श्रीलंका का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। उसे इंग्लैंड से घरेलू श्रृंखला में 0-3 से करारी हार मिली थी। हालांकि टूर्नामेंट की सह-मेजबान टीम ने आयरलैंड के खिलाफ 20 रन की जीत के साथ अपने अभियान की सकारात्मक शुरूआत की। इस मैच में हालांकि उसकी स्पिन गेंदबाजी को खेलने की कमजोरी उजागर हो गई। आयरलैंड ने जब स्पिन गेंदबाज लगाए तो श्रीलंका के बल्लेबाज सातवें और 15वें ओवर के बीच एक भी चौका नहीं लगा सके।

फोटोः हि.स.

ओमान इसका फायदा उठाने की कोशिश करेगा।

अगर कामिंदु मेंडिस ने आखिरी ओवरों में 19 गेंदों पर 44 रन बनाकर श्रीलंका को एक प्रतिस्पर्धी स्कोर तक नहीं पहुंचाया होता तो हालात बदतर हो सकते थे। जहां कामिंदु ने अंतिम ओवरों में तेजी से रन बनाए वहीं कुसल मेंडिस ने जीवनदान का फायदा उठाते हुए अर्धशतक लगाया। टीम को सलामी बल्लेबाज पथुम निसंका और कामिल मिशारा से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद होगी जो अपनी अच्छी शुरूआत को बड़े स्कोर में बदलने में विफल रहे। हसरंगा ने आयरलैंड के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया था। चोटिल होने के बावजूद उन्होंने अपने चार ओवर पूरे किए और तीन महत्वपूर्ण विकेट लिए। उनकी जगह दुशान हेमंथा को टीम में शामिल किया गया है जिन्होंने अभी तक केवल पांच वनडे और तीन टी20 मैच खेले हैं। ऐसे में पहले मैच में भी तीन विकेट लेने वाले स्पिनर महेश थीक्षाना को अतिरिक्त जिम्मेदारी संभालनी होगी। जहां तक ओमान का सवाल है तो उसे जिम्बाब्वे के खिलाफ आठ विकेट से हार का सामना करना पड़ा। चौथी बार इस टूर्नामेंट में खेल रहे ओमान को तेज गेंदबाजी और अतिरिक्त उछाल के सामने संघर्ष करना पड़ा। कोलंबो में उसके शीर्ष पांच बल्लेबाज दोहरे अंक तक पहुंचने में भी नाकाम रहे। कप्तान जतिंदर सिंह जानते हैं कि उनकी टीम को अगर श्रीलंका के सामने कड़ी चुनौती पेश करनी है तो उनके बल्लेबाजों को अच्छा प्रदर्शन करना होगा क्योंकि पिछले मैच में उसके गेंदबाजों ने अच्छा खेल दिखाया था। पिछले मैच में सुफयान महमूद ने दो विकेट लेकर प्रभावित किया, वहीं शाह फैसल ने भी अच्छी गेंदबाजी की।

टीम इस प्रकार हैं

श्रीलंकाः दासुन शनाका (कप्तान), पथुम निसांका, कामिल मिशारा, कुसल मेंडिस, कामिंदु मेंडिस, कुसल जेनिथ परेरा, चैरिथ असलांका, जेनिथ लियानागे, पवन रथनायके, डुनिथ वेललागे, महेश थीक्षाना, दुष्मंथा चमीरा, मथीशा पथिराना, प्रमोद मदुशन, दुशान हेमंथा।

ओमानः जतिंदर सिंह (कप्तान), आमिर कलीम, हम्माद मिर्जा, वसीम अली, करण सोनावाले, जितेन रामानंदी, विनायक शुक्ला (विकेटकीपर), सुफियान महमूद, नदीम खान, शाह फैसल, शकील अहमद, मोहम्मद नदीम, जय ओडेदरा, आशीष ओडेदरा, शफीक जान।

मैच सुबह 11 बजे (भारतीय समयानुसार) शुरू होगा।

हसरंगा की जगह हेमंथा श्रीलंका की टीम में शामिल

कोलंबो। स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर दुशान हेमंथा को मौजूदा टी20 विश्व कप के लिए चोटिल वानिंदु हसरंगा की जगह श्रीलंका की टीम में शामिल किया गया है। श्रीलंका के स्पिन गेंदबाज हसरंगा आयरलैंड के खिलाफ पहले मैच के दौरान चोटिल हो गए थे जिसके कारण वह टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। पांच वनडे और तीन टी20 मैच खेल चुके 31 वर्षीय हेमंथा उनकी जगह लेंगे। टीम का अगला मैच गुरुवार को ओमान के खिलाफ होगा। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने एक विज्ञप्ति में कहा, आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 की प्रतियोगिता तकनीकी समिति ने ने वानिंदु हसरंगा के स्थान पर दुशान हेमंथा को श्रीलंका की टीम में शामिल करने की मंजूरी दे दी है। आईसीसी ने न्यूजीलैंड के चोटिल माइकल ब्रैसवेल की जगह किसी अन्य खिलाड़ी को टीम में शामिल करने की अनुमति दे दी है। न्यूजीलैंड ने अभी तक इस खिलाड़ी का नाम उजागर नहीं किया है। टी20 विश्व कप की प्रतियोगिता तकनीकी समिति में आईसीसी के महाप्रबंधक वसीम खान, गौरव सक्सेना, हेमांग अमीन और शॉन पोलॉक शामिल हैं।

प्रीमियर लीग : लीड्स यूनाइटेड ने चेल्सी को 2-2 की बराबरी पर रोका

एजेंसी (हि.स.)

लंदन

फोटोः हि.स.

प्रीमियर लीग में लगातार पांचवीं जीत की ओर बढ़ रही चेल्सी को लीड्स यूनाइटेड ने जोरदार वापसी करते हुए 2-2 की बराबरी पर रोक दिया। मंगलवार को खेले गए इस मुकाबले में चेल्सी ने 2-0 की बढ़त बना ली थी, लेकिन लीड्स ने छह मिनट के भीतर दो गोल दागकर मैच ड्रॉ करा लिया।

इस ड्रॉ के साथ ही चेल्सी ने इस सीजन में जीत की स्थिति से 17 अंक गंवा दिए हैं, जिनमें से 15 अंक घरेलू मैदान पर हाथ से निकले हैं। कोच लियाम रोसेनियर, जो एंजो मारेस्का की जगह लेने के बाद से टीम को लगातार जीत दिला रहे थे, इस परिणाम से निराश दिखे। चेल्सी ने 24वें मिनट में बढ़त बनाई जब जोआओ पेड्रो ने कोल पामर के साथ बेहतरीन तालमेल दिखाते हुए गोल किया। यह रोसेनियर के कार्यकाल में उनका छठा गोल था। 58वें मिनट में पामर ने पेनल्टी पर गोल कर स्कोर 2-0 कर दिया। यह पेनल्टी जोआओ पेड्रो को लीड्स के डिफेंडर जाका बिजोल द्वारा धक्का दिए जाने के बाद मिली। हालांकि, 67वें मिनट में लुकास नेमेचा ने पेनल्टी को गोल में बदलकर लीड्स को मुकाबले में वापस ला दिया। इसके छह मिनट बाद, 73वें मिनट में चेल्सी की डिफेंसिव चूक का फायदा उठाते हुए सब्स्टीट्यूट नोआ ओकाफोर ने खाली पोस्ट में गेंद डालकर स्कोर 2-2 कर दिया। अंतिम मिनटों में चेल्सी ने लगातार आक्रमण किए, लेकिन इंजरी टाइम में कोल पामर दो गज की दूरी से गोल करने से चूक गए। इसके चलते चेल्सी अंक तालिका में पांचवें स्थान पर बनी हुई है, जबकि मैनचेस्टर यूनाइटेड उससे एक अंक आगे है। मैच के बाद रोसेनियर ने कहा, हम 90 प्रतिशत समय बेहतर टीम थे, लेकिन पांच मिनट की चूक ने हमें महंगा पड़ा। हमें पूरे 90 मिनट फोकस बनाए रखना होगा।ह्व उन्होंने यह भी बताया कि लेफ्ट-बैक मार्क कुकुरेला हैमस्ट्रिंग चोट से जूझ रहे हैं और उनका स्कैन कराया जाएगा। दूसरी ओर, लीड्स के कोच डेनियल फार्के ने अपनी टीम के जुझारूपन की सराहना की। उन्होंने कहा, 2-0 से पीछे होने के बाद भी हमारे खिलाड़ियों ने हार नहीं मानी।ह्व इस ड्रॉ के साथ लीड्स 15वें स्थान पर पहुंच गया है।

अभिषेक पेट में संक्रमण के कारण अस्पताल में भर्ती, नामीबिया के खिलाफ खेलना संदिग्ध

एजेंसी (हि.स.)

नई दिल्ली

भारतीय सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा को पेट में संक्रमण के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जिसके कारण उनका नामीबिया के खिलाफ बृहस्पतिवार को यहां होने वाले टी20 विश्व कप क्रिकेट मैच में खेलना संदिग्ध है। यह विस्फोटक सलामी बल्लेबाज पिछले दो दिन से यहां अस्पताल में भर्ती है।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक सूत्र ने कहा, अभिषेक को पेट में संक्रमण के कारण दिल्ली के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। समस्या का पता लगाने के लिए कुछ जांच की जा रही हैं। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि उन्हें अस्पताल से आज छुट्टी मिलेगी या नहीं लेकिन उनके नामीबिया के खिलाफ मैच खेलने पर फिलहाल संशय बना हुआ है। अभिषेक अमेरिका के खिलाफ शनिवार को मुंबई में खेले गए पहले मैच में पहली गेंद पर आउट हो गए थे और इसके बाद उन्होंने इस मैच में आगे हिस्सा नहीं लिया था। उनकी जगह संजू सैमसन ने फील्डिंग की

फोटोः हि.स.

थी। भारत की प्राथमिकता नामीबिया के खिलाफ मैच नहीं है, बल्कि 15 फरवरी को कोलंबो के प्रेमदासा स्टेडियम में पाकिस्तान के खिलाफ होने वाला मैच है, जहां पिच थोड़ी अलग होगी। पाकिस्तान ने अभी तक अपने दोनों मैच जीते हैं। पेट के संक्रमण से दमखम और सहनशक्ति पर असर पड़ता है और यह देखना बाकी है कि क्या अभिषेक शुक्रवार को यात्रा करने, शनिवार को अभ्यास करने और रविवार को मैदान में उतरने की स्थिति में होंगे। सैमसन ने मंगलवार को यहां नेट पर बल्लेबाजी की और बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक के साथ काफी समय बिताया, जो इस बात का संकेत है कि टीम प्रबंधन अभिषेक के पूरी तरह से फिट न होने की स्थिति में अपने विकल्प तैयार रख रहा है।

वोल्वार्ड्ट की कप्तानी में दक्षिण अफ्रीका ने आखिरी गेंद पर जीता पहला टी20

सना की 90 रन की तूफानी पारी बेअसर

एजेंसी (हि.स.)

पोटचेफस्ट्रूम (सेनवेस पार्क)

दक्षिण अफ्रीका ने कप्तान लॉरा वोल्वार्ड्ट के अर्धशतक और टीम के सामूहिक बल्लेबाजी प्रदर्शन के दम पर पाकिस्तान को पहले टी20 मुकाबले में रोमांचक अंदाज में 5 विकेट से हरा दिया। मुकाबले का फैसला आखिरी गेंद पर हुआ। यह मैच स्थानीय समयानुसार मंगलवार देर रात खेला गया।

पहले बल्लेबाजी करते हुए पाकिस्तान की शुरूआत खराब रही और टीम एक समय 64 रन पर 6 विकेट गंवा चुकी थी। इसके बाद कप्तान फातिमा सना ने अकेले दम पर पारी को संभाला। सना ने महज 41 गेंदों में 90 रन की तूफानी पारी खेली, जिसमें सात छक्के और नौ चौके शामिल रहे। उनकी आक्रामक बल्लेबाजी की बदौलत पाकिस्तान ने 20 ओवर में 9 विकेट पर 180 रन का

फोटोः हि.स.

चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। दक्षिण अफ्रीका की ओर से कायला रेयनेके ने शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन किया। उन्होंने गेंदबाजी में 4 ओवर में एक मेडन सहित 13 रन देकर 2 विकेट झटके। आयांडा बू (3/41) और नॉनकुलेलेको मलाबा ने भी शुरूआती ओवरों में पाकिस्तान पर दबाव बनाया।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी दक्षिण अफ्रीका की शुरूआत सकारात्मक रही। ताजमिन ब्रिट्स ने कुछ आकर्षक शॉट लगाए, लेकिन चौथे ओवर में हुमना बिलाल का शिकार बन गईं। इसके बाद वोल्वार्ड्ट और सुने लूस ने तेजी से 62 रन की साझेदारी कर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया।

लूस 32 रन बनाकर आउट हुईं, लेकिन वोल्वार्ड्ट ने आक्रामक तेवर जारी रखते हुए 31 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। 13वें ओवर में उन्होंने एक छक्का और एक चौका लगाकर पचासा जड़ा। हालांकि, इसके बाद पाकिस्तान ने वापसी करते हुए वोल्वार्ड्ट (61 रन) को स्टंप आउट कराया, जबकि डेन वान नीकेर्क और लारा गुडऑल भी जल्दी पवेलियन लौट गईं।

17 ओवर के बाद दक्षिण अफ्रीका का स्कोर 153/5 था और टीम को जीत के लिए 28 रन की जरूरत थी। अंत में कायला रेयनेके (16 गेंदों पर नाबाद 29 रन) ने मोर्चा संभाला। आखिरी ओवर में 10 रन की दरकार थी। हुमना बिलाल की पहली तीन गेंदों पर 6 रन आए। अंतिम गेंद पर दक्षिण अफ्रीका को 2 रन चाहिए थे, जिस पर रेयनेके ने शानदार छक्का जड़कर टीम को रोमांचक जीत दिला दी।

संक्षिप्त स्कोर

पाकिस्तान - 180/9 (20 ओवर)
फातिमा सना 90, नतालिया परवेज 20; आयांडा बू 3/41, कायला रेयनेके 2/13
दक्षिण अफ्रीका - 185/5 (20 ओवर)
लॉरा वोल्वार्ड्ट 61, सुने लूस 32, कायला रेयनेके 29*; नशरा संधू 2/27।
दक्षिण अफ्रीका ने 5 विकेट से जीत दर्ज की।

नजरुल का यू-टर्नः खिलाड़ियों और बीसीबी ने भारत में नहीं खेलने का फैसला किया

एजेंसी (हि.स.)

ढाका

फोटोः हि.स.

बांग्लादेश के खेल सलाहकार आसिफ नजरुल ने अब यू-टर्न लेते हुए कहा कि भारत में टी20 विश्व कप के मैच नहीं खेलने का फैसला बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) और खिलाड़ियों ने लिया था। इससे पहले उन्होंने कहा था कि यह फैसला सरकार की सुरक्षा चिंताओं से प्रेरित था।

बांग्लादेश ने भारत में होने वाले अपने मैचों को श्रीलंका में स्थानांतरित करने का अनुरोध किया था जिसे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने नामंजूर कर दिया था। इसके बाद बांग्लादेश को टूर्नामेंट से बाहर कर दिया गया था और उसकी जगह स्कॉटलैंड ने ली। आईसीसी में हालांकि बांग्लादेश को दंडित न करने का निर्णय लिया है। बांग्लादेश की टीम को बाहर करने से पहले आईसीसी के साथ असफल बातचीत के दौरान नजरुल ने मुख्य भूमिका निभाई थी और उन्होंने इस बात पर जोर दिया था कि सुरक्षा चिंताओं के कारण टीम को न भेजना बांग्लादेश सरकार का विशेषाधिकार है। क्रिकबज से नजरुल के हवाले से कहा, विश्व कप में नहीं खेलने पर अफसोस का कोई सवाल ही नहीं है। यह फैसला बीसीबी और खिलाड़ियों ने देश के क्रिकेट की सुरक्षा, जनता की सुरक्षा और राष्ट्रीय गरिमा की रक्षा के लिए लिया। इससे पहला नजरुल ने 22 जनवरी को कहा था, मुझे लगता है कि हमें आईसीसी से न्याय नहीं मिला। हम विश्व कप में खेलेंगे या नहीं, यह पूरी तरह से सरकार का फैसला है।

दर्पण विविध

आज मनाया जाता है राष्ट्रीय उत्पादकता दिवस

भारत में हर वर्ष 12 फरवरी को राष्ट्रीय उत्पादकता दिवस मनाया जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य देश में उत्पादकता, नवाचार, और दक्षता के महत्व के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। यह दिन राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद की स्थापना का भी प्रतीक है, जो 1958 में वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के तहत स्थापित एक स्वायत्त संगठन है। राष्ट्रीय उत्पादकता दिवस के साथ ही, 12 से 18 फरवरी तक राष्ट्रीय उत्पादकता सप्ताह भी मनाया जाता है, जिसमें विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से उत्पादकता बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की जाती है। इसका उद्देश्य सभी क्षेत्रों में उत्पादकता, गुणवत्ता, और प्रतिस्पर्धात्मकता में सुधार करना है, ताकि भारत वैश्विक स्तर पर अग्रणी बन सके।

नवाचार और बौद्धिक संपदा की सुरक्षा पर जोर

यह दिन केवल उत्पादन बढ़ाने से कहीं अधिक है, यह एक व्यापक अवधारणा है जो पर्यावरणीय समस्याओं, मानव संसाधन विकास और काम की गुणवत्ता पर विचार करती है। राष्ट्रीय उत्पादकता दिवस की शुरूआत राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद (एनपीसी) द्वारा की गई थी, जो भारत के व्यापार और उद्योग मंत्रालय के तहत एक स्वायत्त संगठन है। राष्ट्रीय उत्पादकता दिवस की शुरूआत राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद (एनपीसी) द्वारा की गई थी, जो भारत के व्यापार और उद्योग मंत्रालय के तहत एक स्वायत्त संगठन है। भारत में हर साल 12 फरवरी को राष्ट्रीय उत्पादकता दिवस मनाया जाता है। इसका उद्देश्य राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद (एनपीसी) के मार्गदर्शन में आर्थिक विकास और स्थिरता हासिल करने में उत्पादकता के महत्व के बारे में जागरूकता पैदा करना है। यह 12 से 18 फरवरी तक चलने वाले एक सप्ताह के कार्यक्रम का हिस्सा है। यह दिन इस बारे में जागरूकता बढ़ाता है कि उत्पादकता केवल उत्पादन बढ़ाने से कहीं अधिक है, यह एक व्यापक अवधारणा है जो पर्यावरणीय समस्याओं, मानव संसाधन विकास और काम की गुणवत्ता पर विचार करती है। यह एक प्रतिस्पर्धी और संपन्न अर्थव्यवस्था के निर्माण में नवाचार, कुशल प्रथाओं और बौद्धिक संपदा (आईपी) संरक्षण की भूमिका पर जोर देता है।

राष्ट्रीय उत्पादकता दिवस 2025 का इतिहास

राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद एक स्वशासी संगठन है जिसकी स्थापना 1958 में वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा की गई थी। राष्ट्रीय उत्पादकता दिवस पर, एनपीसी की स्थापना की गई और दक्षता, रचनात्मकता और उत्पादकता के महत्व पर प्रकाश डाला गया। राष्ट्रीय संस्था की स्थापना भारत की उत्पादकता की संस्कृति को आगे बढ़ाने के इरादे से की गई थी।

आतंकवाद के लिए अनुकूल हिंसक उग्रवाद की रोकथाम के लिए मनाया जाता है अतरराष्ट्रीय दिवस

हिंसक उग्रवाद वैश्विक शांति, मानवाधिकारों और सतत विकास के लिए एक गंभीर खतरा है। यह किसी विशिष्ट क्षेत्र, धर्म, राष्ट्रीयता या विचारधारा तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरी दुनिया के लिए एक चुनौती बना हुआ है। आईएसआईएल, अल-कायदा और बोको हराम जैसी उग्रवादी समूहों ने आतंकवाद, क्षेत्रीय नियंत्रण और डिजिटल प्रचार के माध्यम से हिंसक उग्रवाद की आधुनिक परिभाषा को प्रभावित किया है।

हिंसक उग्रवाद का प्रभाव

हिंसक उग्रवाद के कारण कई सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक समस्याएँ उत्पन्न होती हैं, जिनमें शामिल हैं: **मानवीय संकट:** आम नागरिक हिंसा, विनाश और विस्थापन का शिकार बनते हैं। **बलपूर्वक प्रवास:** लाखों लोग संघर्ष क्षेत्रों से पलायन करने को मजबूर होते हैं, जिससे शरणार्थी संकट बढ़ता है। **कट्टरता और भर्ती:** उग्रवादी संगठन लोगों को पहचान, शक्ति और बदलाव का झूठा आश्वासन देकर अपनी ओर आकर्षित करते हैं। **राजनीतिक और आर्थिक अस्थिरता:** हिंसा से प्रशासन प्रभावित होता है, जिससे आर्थिक गिरावट और दीर्घकालिक अस्थिरता बढ़ती है। हिंसक उग्रवाद को किसी भी परिस्थिति में उचित नहीं ठहराया जा सकता, लेकिन इसके मूल कारणों को समझना प्रभावी समाधान तैयार करने के लिए आवश्यक है। अन्याय, उत्पीड़न, आर्थिक असमानता और कमजोर शासन जैसे कारक अक्सर कट्टरपंथी विचारों को पनपने का अवसर देते हैं।

अंतरराष्ट्रीय दिवस की स्थापना और महत्व

संयुक्त राष्ट्र महासभा ने प्रस्ताव 77/243 के तहत 12 फरवरी को हिंसक उग्रवाद की रोकथाम के लिए अंतरराष्ट्रीय दिवस के रूप में घोषित किया। इस दिन का उद्देश्य है: हिंसक उग्रवाद के खतरों के प्रति जागरूकता बढ़ाना। उग्रवादी विचारधाराओं से निपटने के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग को मजबूत करना। शांति पूर्ण समाधानों और निवारक उपायों को बढ़ावा देना।

संयुक्त राष्ट्र की भूमिका

संयुक्त राष्ट्र महासभा ने स्पष्ट किया है कि हिंसक उग्रवाद को किसी विशेष धर्म, राष्ट्रीयता, सभ्यता या जातीय समूह से नहीं जोड़ा जाना चाहिए। इसके बजाय, इसकी रोकथाम के लिए सरकारों, अंतरराष्ट्रीय संगठनों, नागरिक समाज, धार्मिक नेताओं और मीडिया प्लेटफार्मों की सामूहिक जिम्मेदारी है। 15 जनवरी 2016 को, संयुक्त राष्ट्र ने हिंसक उग्रवाद से निपटने के लिए एक व्यापक कार्ययोजना प्रस्तुत की, जो परंपरागत आतंकवाद विरोधी उपायों से आगे बढ़कर मूल कारणों को संबोधित करने पर केंद्रित थी। इस योजना में 70 से अधिक अनुशंसाएँ शामिल हैं, जिनमें मुख्य रूप से निम्नलिखित बिंदु शामिल हैं: शासन और कानून का सशक्तिकरण, भ्रष्टाचार, मानवाधिकार हनन और सामाजिक-आर्थिक असमानताओं को कम करने के लिए सुशासन आवश्यक है। पारदर्शी न्याय प्रणाली और कानूनी ढाँचे चरमपंथियों द्वारा शोषित शिकायतों को कम करने में मदद कर सकते हैं।

शिक्षा और युवाओं का सशक्तिकरण

आलोचनात्मक सोच, शांति शिक्षा और अंतर-सांस्कृतिक संवाद पर केंद्रित शिक्षा सुधारों की आवश्यकता है। युवाओं को उग्रवादी संगठनों की भर्ती

से दूर रखने के लिए सकारात्मक विकल्प दिए जाने चाहिए। समुदाय और नागरिक समाज की भागीदारी स्थानीय समुदायों, धार्मिक नेताओं और नागरिक संगठनों के बीच सहयोग से अधिक मजबूत समाज का निर्माण किया जा सकता है। नागरिक समाज उग्रवाद के प्रारंभिक संकेतों की पहचान कर प्रभावी जवाबी रणनीतियाँ लागू कर सकता है।

ऑनलाइन कट्टरता पर नियंत्रण

उग्रवादी संगठन सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफार्मों का उपयोग अपने प्रचार और भर्ती के लिए करते हैं। इस कार्ययोजना में डिजिटल नीतियों को जिम्मेदारी से लागू करने, गलत सूचनाओं को रोकने और सकारात्मक संवाद बढ़ाने की सिफारिश की गई है।

महिला सशक्तिकरण की भूमिका

महिलाएँ हिंसक उग्रवाद का शिकार भी बनती हैं और कई बार कट्टरपंथियों का लक्ष्य भी होती हैं। शांति निर्माण प्रक्रियाओं में महिलाओं की भागीदारी से उग्रवाद विरोधी प्रयासों को मजबूती मिलती है।

अंतरराष्ट्रीय सहयोग और बहुपक्षीय प्रयास

हिंसक उग्रवाद का मुकाबला करने के लिए विभिन्न देशों, अंतरराष्ट्रीय संगठनों और क्षेत्रीय गठबंधनों के बीच सहयोग आवश्यक है। कुछ प्रमुख वैश्विक पहलें हैं: संयुक्त राष्ट्र आतंकवाद विरोधी कार्यालय : वैश्विक आतंकवाद विरोधी प्रयासों का नेतृत्व करता है। वैश्विक आतंकवाद विरोधी मंच : आतंकवाद से निपटने में सर्वोत्तम तरीकों को बढ़ावा देता है। यूनेस्को की हिंसक उग्रवाद की रोकथाम हेतु शिक्षा (PVE-E): कट्टरता से निपटने के लिए शैक्षिक दृष्टिकोण पर केंद्रित है। अलग-अलग देश अपनी क्षेत्रीय और सामाजिक-राजनीतिक परिस्थितियों के अनुसार विशेष रणनीतियाँ अपनाते हैं, जिनमें शामिल हैं: समुदाय-आधारित पुनर्वास कार्यक्रम, कानूनी प्रवर्तन और खुफिया सहयोग, विकास कार्यक्रम जो सामाजिक-आर्थिक असमानताओं को दूर करते हैं।

राज्य में लगभग 40103 किलोमीटर लिंक सड़कों की मरम्मत और अपग्रेडेशन जारी: गुरमीत सिंह खुड्डियां

सिटी दर्पण संवाददाता
साहिबजादा अजीत सिंह नगर

पंजाब के कृषि एवं पशुपालन मंत्री श्री गुरमीत सिंह खुड्डियां ने कहा कि भगवंत सिंह मान सरकार द्वारा पंजाब के लोगों से किए गए वादों के अनुरूप पूरे राज्य में लगभग 40103 किलोमीटर लिंक सड़कों की मरम्मत और अपग्रेडेशन का कार्य तेजी से जारी है, ताकि लोगों को बेहतर सड़क सुविधाएं मिल सकें। मोहाली के निकट गांव दुराली में विधायक कुलवंत सिंह मोहाली की उपस्थिति में दुरालीझमनौली और दैड़ीझचाओमाजरा लिंक सड़क का शिलान्यास करते हुए मंत्री गुरमीत सिंह खुड्डियां ने बताया कि इन 44103 किलोमीटर लिंक सड़कों में से पंजाब मंडी बोर्ड द्वारा 22,074 किलोमीटर सड़कों की मरम्मत और अपग्रेडेशन का कार्य शुरू किया गया है, जिसे जल्द पूरा किया जाएगा जबकि शेष सड़कों का कार्य लोक निर्माण विभाग द्वारा किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि 3.66 किलोमीटर लंबी यह सड़क 188.15 लाख रुपये की लागत से अपग्रेड की जाएगी और सेक्टर-82 पीआर-7 सड़क के साथ एक नए लिंक के रूप में कार्य करेगी। इसके अलावा सड़क की चौड़ाई मौजूदा 10 फुट से बढ़ाकर 18 फुट की जाएगी। उन्होंने कहा कि भगवंत सिंह मान सरकार के गठन से पहले पंजाबियों द्वारा देखे गए सपने अब जन-केन्द्रित नीतियों के माध्यम से साकार हो रहे हैं। हाल ही में शुरू की गई मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना के तहत सरकारी और पैनल में शामिल निजी अस्पतालों में 10 लाख रुपये तक के कैशलेस इलाज की गारंटी दी जा रही है।

उन्होंने कहा कि दो महीनों में 600 यूनिट तक शून्य बिजली बिल योजना ने पंजाब के लोगों को बड़ी राहत दी है और लगभग 86 प्रतिशत उपभोक्ताओं को शून्य बिल मिल रहे हैं। इसी प्रकार करीब 64,000 सरकारी नौकरियां योग्य उम्मीदवारों को मेरिट के आधार पर दी गई हैं। उन्होंने बताया कि शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र में किए गए सुधारों से महंगी स्कूल फीस, इलाज और लैब टेस्ट के खर्चों से लोगों को राहत मिली है। उन्होंने कहा कि भगवंत सिंह मान सरकार पंजाब और पंजाबियों की भलाई के लिए निरंतर कार्य कर रही है और जल्द ही पंजाब देश में अपना खोया हुआ गौरव हासिल करेगा।

उन्होंने गांववासियों द्वारा उठाई गई स्थानीय मांगों पर जल्द विचार करने का भरोसा भी दिया। विधायक कुलवंत सिंह मोहाली ने मंत्री गुरमीत सिंह खुड्डियां द्वारा मोहाली विधानसभा क्षेत्र में 60 लिंक सड़कों की मरम्मत को मंजूरी देने पर आभार व्यक्त किया।

उन्होंने कहा कि आज शुरू की गई यह सड़क मोहाली-चंडीगढ़ सड़क के लिए एक वैकल्पिक मार्ग के रूप में कार्य करेगी। उन्होंने नई सड़कों के निर्माण कार्य पूर्ण होने के बाद अगले पांच वर्षों तक रखरखाव की गारंटी देने के लिए भी मंत्री की सराहना की। उन्होंने गांव के समग्र विकास का भरोसा दिलाते हुए कहा कि गमाडा द्वारा विकसित किए जा रहे सेक्टरों की तर्ज पर गांवों का विकास किया जाएगा और जल्द ही सामाजिक कार्यक्रमों के लिए कम्युनिटी सेंटर की सुविधा भी उपलब्ध करवाई जाएगी। साथ ही सिंचाई के लिए पानी की आवश्यकता भी पूरी की जाएगी।

इस अवसर पर मंडी बोर्ड के अधिकारियों के अलावा मलकीत सिंह (सरपंच, दुराली), सुरिंदर सिंह (पीए टू गुरमीत सिंह खुड्डियां), अवतार सिंह मौली, करमजीत सिंह चिल्ला, कुलवीर सिंह (सरपंच, मनौली), दलीप सिंह मास्टर, रणधीर सिंह (सरपंच, चाओ माजरा), कुलदीप सिंह समाना, तरलोचन सिंह, गोबिंदर मित्तल (चेयरमैन, मार्केट कमेटी), अकबिंदर सिंह गोसल (चेयरमैन, ट्रेड विंग, मोहाली विधानसभा क्षेत्र), हरविंदर सिंह रिंकू (सरपंच, रायपुर खुर्द), गुरजंट सिंह (सरपंच, गुडाना), बलकार सिंह (सरपंच, सुखगढ़), गुरदेस सिंह (सरपंच, सनेटा), निरमैल सिंह (सनेटा), डॉ. कुलदीप सिंह, लाली (दुराली) और जसपाल सिंह (मटौर) सहित अन्य उपस्थित रहे।

लोकायुक्त हरियाणा ने पंचकूला में लोकायुक्त भवन का किया शिलान्यास

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

लोकायुक्त हरियाणा, न्यायमूर्ति हरि पाल वर्मा ने आज सेक्टर-1, पंचकूला में लोकायुक्त भवन का शिलान्यास किया। इस भवन का निर्माण लगभग 35.25 करोड़ रुपये की राशि से राज्य सरकार द्वारा उपलब्ध करवाई गई 1.09 एकड़ भूमि पर किया जाएगा। इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए न्यायमूर्ति हरि पाल वर्मा ने कहा कि यह दिन राज्य में लोकायुक्त संस्था के संस्थागत विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस अवसर पर न्यायमूर्ति हरि पाल वर्मा की धर्मपत्नी श्रीमती सरोज वर्मा भी उपस्थित रही।

उन्होंने कहा कि लोकायुक्त कार्यालय सार्वजनिक प्रशासन में पारदर्शिता, जवाबदेही और ईमानदारी के मूल्यों को बनाए रखने में लोकतांत्रिक ढांचे के अंतर्गत अहम भूमिका निभाता है। एक समर्पित लोकायुक्त भवन की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही थी और इसका निर्माण संस्था को और सशक्त बनाएगा। उन्होंने कहा कि इस आधुनिक चार मंजिला लोकायुक्त भवन में बेसमेंट, पार्किंग तथा अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इसे संस्था की कार्यगत आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार किया जाएगा, जिससे कर्मचारियों को बेहतर कार्य करने का वातावरण मिल सकेगा। न्यायमूर्ति वर्मा ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा स्वीकृत 35.25 करोड़ रुपये का बजट स्वच्छ, पारदर्शी और जवाबदेह शासन को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता को दशार्ता है। भवन निर्माण कार्य अप्रैल 2026 में प्रारंभ किया जाएगा तथा यह भवन 18 माह में बनकर तैयार होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि भवन के पूर्ण होने पर यह केवल एक प्रशासनिक संरचना नहीं होगा, बल्कि जनता के विश्वास और संस्था की ईमानदारी का प्रतीक बनेगा। इससे लोकायुक्त कार्यालय अपने वैधानिक दायित्वों का अधिक प्रभावी ढंग से निर्वहन कर सकेगा, शिकायतों का समयबद्ध निपटान सुनिश्चित होगा और नागरिकों का भरोसा और मजबूत होगा।

इस अवसर पर लोकायुक्त कार्यालय की रजिस्ट्रार-क (न्यायिक) श्रीमती बिमलेश तंवर, हरियाणा राज्य उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) टी.पी.एस. मान, हरियाणा रियल एस्टेट विनियामक प्राधिकरण के चेयरमैन श्री परनीत सचदेवा, न्यायिक अधिकारी, कालका व पंचकूला बार एसोसिएशन के पदाधिकारी एवं सदस्य तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

नशा मुक्ति अभियान में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान बना नई उम्मीद

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

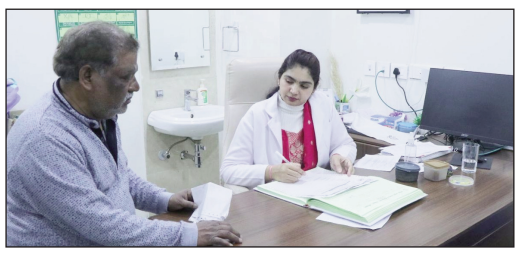

राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान (एनआईए) पंचकूला नशा मुक्ति अभियान में नई उम्मीद बन रहा है। संस्थान आयुर्वेद उपचार के जरिये नशे की दलदल में फंसे युवाओं को बाहर निकालकर बिखरते परिवारों को सहारा देने के साथ उनके चेहरों पर मुस्कान लौटा रहा है।

एनआईए की नशा मुक्ति पहल के तहत वर्ष 2025 में 500 से ज्यादा लोग नशा छोड़कर समाज की मुख्य धारा में शामिल हुए हैं। वर्ष 2026 में जनवरी माह में 50 से ज्यादा रोगियों का उपचार किया गया है। यह आंकड़े इस बात का प्रमाण हैं कि आयुर्वेद पद्धति नशा मुक्ति में स्थायी और प्रभावी समाधान साबित हो रही है। संस्थान में नशे का उपचार कराने आने वाले रोगियों को पंचकर्म के शिरोधारा उपचार के साथ अन्य उपचार पद्धातियों के माध्यम से नशा छुड़वाया जा रहा है। आयुष मंत्रालय भारत सरकार के तत्वाधान में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान के कुलपति प्रोफेसर (डॉ.) संजीव शर्मा और डीन प्रोफेसर गुलाब पमनानी के मार्गदर्शन में संस्थान हरियाणा सरकार के नशा मुक्ति अभियान को सफल बनाने में अपना योगदान दे रहा है।

राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान में नशा रोगी का उपचार आयुर्वेदिक पद्धतियों के माध्यम से किया जाता है। इनमें प्रमुख रूप से पंचकर्म शिरोधारा पद्धति शामिल है, जिसके जरिये रोगी के मानसिक तनाव और बैचेनी को कम किया जाता है। नशे की लालसा को नियंत्रित करने के साथ अनिद्रा, अवसाद, मस्तिष्क को शांति, स्मरण और एकाग्रता में सुधार होता है। नस्यकर्म पद्धति नशे की लत मस्तिष्क और नाड़ियों को सबसे अधिक प्रभावित करती है। अभ्यंग पद्धति से औषधीय तेलों से रोगी के पूरे शरीर की मालिश की जाती है। स्वेदन पद्धति के माध्यम से रोगी गर्माहट देकर शरीर का पसीना निकाला जाता है।अगत तंत्र विभाग की एसिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. सुनीता यादव का कहना है कि संस्थान में आयुर्वेदिक औषधियों, पंचकर्म पद्धति, ध्यान एवं मानसिक परामर्श के माध्यम से नशा छुड़वाया जा रहा है। नशा छुड़वाने में नस्यकर्म पद्धति भी कारगर साबित हो रही है। इस पद्धति के जरिये नशा की लत से पीड़ित व्यक्ति बैचेनी, शारीरिक कमजोरी के साथ मानसिक तनाव को कम किया जाता है। संस्थान द्वारा योग एवं आहार-व्यवस्था के माध्यम से मरीजों को नशे से बाहर निकालने में सहायता दी जाती है। संस्थान में विशेषज्ञ चिकित्सक और प्रशिक्षित स्टाफ की देखरेख में भर्ती रोगी का उपचार किया जाता है।

नगर निगम पंचकूला की संयुक्त आयुक्त ने आरडब्ल्यूए सेक्टर-28 के प्रतिनिधियों के साथ की बैठक

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

नगर निगम पंचकूला की संयुक्त आयुक्त श्रीमती सिमरनजीत कौर ने आज सेक्टर-28 की रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन (आरडब्ल्यूए) के प्रतिनिधियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक में आरडब्ल्यूए सदस्यों द्वारा सेक्टर-28 में सफाई व्यवस्था से संबंधित शिकायतों और सुझावों पर विस्तार से चर्चा की गई। संयुक्त आयुक्त ने आरडब्ल्यूए के सभी प्रतिनिधियों की बात ध्यानपूर्वक सुनी और उनकी समस्याओं को गंभीरता से लिया। उन्होंने मौके पर उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिए कि आरडब्ल्यूए द्वारा उठाए गए सभी मुद्दों का शीघ्र समाधान सुनिश्चित किया जाए, ताकि क्षेत्र में सफाई व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ किया जा सके।बैठक में मुख्य स्वच्छता निरीक्षक श्री अनिल नैन भी उपस्थित रहे। उन्होंने क्षेत्र में चल रही सफाई व्यवस्था की जानकारी दी तथा उसमें सुधार के लिए आवश्यक कदमों पर चर्चा की। संयुक्त आयुक्त ने कहा कि नगर निगम पंचकूला नागरिकों की शिकायतों के त्वरित निस्तारण के लिए प्रतिबद्ध है और शहरवासियों के साथ निरंतर संवाद बनाए रखते हुए स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर करने के लिए लगातार प्रयासरत है।

संक्षिप्त-समाचार

भारत मोहाली द्वारा जिला स्तरीय युवा खेल कार्यक्रम का आयोजन

मोहाली। भारत मोहाली (युवा कार्य एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार) के तत्वावधान में आज मोहाली फेज-2 स्थित निजी संस्थान में जिला स्तरीय युवा खेल कार्यक्रम आयोजित किया गया। 'स्वस्थ राष्ट -समृद्ध राष्ट्र' थीम पर आधारित इस कार्यक्रम का आयोजन जिला युवा अधिकारी ईशा गुप्ता के मार्गदर्शन में किया गया। उन्होंने युवाओं को नशे और मोबाइल की लत से दूर रहकर खेल गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। इस अवसर पर 6 अकाल एवं ग्रुप खेलों का आयोजन किया गया जिसमें वॉलीबॉल (लड़के), रस्साकशी (लड़कियाँ), बैडमिंटन (लड़का-लड़की) और और 200 मीटर दौड़ सहित खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिनमें 200 से अधिक युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विजेता खिलाड़ियों को मोमेंटो और सभी प्रतिभागी करने वाले खिलाड़ियों को प्रशस्ति पत्र दिया गया। कार्यक्रम के समापन सत्र में ईशा गुप्ता ने विजेताओं को पुरस्कार वितरित करते हुए युवाओं को नियमित रूप से ऐसे आयोजनों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर समाज सेवक मोहन कुमार, तानिया जैन, सुशील व अन्य सहयोगी उपस्थित रहे। सभी प्रतिभागियों के लिए प्रमाण पत्र और जलपान उपलब्ध कराया गया।

आईसीएसआई चंडीगढ़ चैप्टर ने स्थापना दिवस मनाया

चंडीगढ़। द इंस्टीट्यूट ऑफ कंपनी सेक्रेटरीज ऑफ इंडिया (आईसीएसआई) के नॉर्दर्न इंडिया रीजनल काउंसिल (एनआईआरसी) के चंडीगढ़ चैप्टर ने होटल टरक्वॉइज, चंडीगढ़ में अपना 49वां स्थापना दिवस मनाया। इस अवसर पर क्केंद्रीय बजट 2026: कॉरपोरेट गवर्नेंस, नियामक सुधार और व्यवसाय पर प्रभावह्व विषय पर एक ज्ञानवर्धक सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार में बजट 2026 की प्रमुख नीतिगत घोषणाओं, सुधार पहलों तथा उनके कॉरपोरेट क्षेत्र पर पड़ने वाले प्रभावों पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही, केंद्रीय बजट 2026 के अनुरूप अनुपालन, सुशासन और सतत व्यावसायिक प्रथाओं को सुनिश्चित करने में कंपनी सेक्रेटरीज की बदलती भूमिका को रेखांकित किया गया। कार्यक्रम में चंडीगढ़ के उप महापौर जस्मनप्रीत सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। चंडीगढ़ चैप्टर के चेयरमैन सीएस सुरेश कुमार पिल्लै ने कहा कि स्वर्ण जयंती वर्ष में प्रवेश के साथ चैप्टर ने व्यावसायिक उत्कृष्टता, सुशासन और राष्ट्र निर्माण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को और अधिक मजबूत किया है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय बजट 2026 में घोषित सुधार कंपनी सेक्रेटरीज के लिए पारदर्शी और अनुपालक कॉरपोरेट इकोसिस्टम के सक्षम प्रवर्तक बनने के नए अवसर और दायित्व लेकर आए हैं। चैप्टर की सचिव सीएस शिवानी गोयल ने सदस्यों और विद्यार्थियों के लिए सतत व्यावसायिक विकास और ज्ञानवर्धन के महत्व पर प्रकाश डाला। एनआईआरसी, आईसीएसआई के सदस्य सीएस अर्जुन त्यागी ने चंडीगढ़ चैप्टर को 49 वर्षों की गौरवशाली सेवा पूर्ण करने पर बधाई दी। उन्होंने पेशेवरों के निर्माण और देश के विकसित होते कॉरपोरेट एवं नियामक परिदृश्य में चैप्टर के निरंतर योगदान की सराहना की।

आयुष्मान भारत/चिरायु सर्जिकल कैंप में 11 फरवरी तक की गई 137 सर्जरी

पंचकूला। हरियाणा सरकार द्वारा निर्देशित आयुष्मान भारत सर्जिकल कैंप 2 फरवरी से 11 फरवरी तक प्रदेश-भर में आयोजित किया गया। इस अभियान का प्रमुख उद्देश्य आयुष्मान भारत/चिरायु हरियाणा योजना अंतर्गत लंबित सर्जरी वाले किसी भी पात्र लाभार्थी को प्रतीक्षा में न रहने देना तथा सभी लाभार्थियों को समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण, निःशुल्क एवं कैशलेस शल्य चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना रहा। सिविल सर्जन डॉ मुक्ता कुमार ने बताया कि उक्त उद्देश्य की पूर्ति हेतु सिविल अस्पताल, सेक्टर-06, जिला पंचकूला में इस सर्जिकल कैंप का विधिवत आयोजन किया गया। अस्पताल प्रशासन, विशेषज्ञ चिकित्सकों, नर्सिंग स्टाफ तथा आयुष्मान प्रबंधन टीम द्वारा कैंप के दौरान पूर्ण समन्वय एवं तत्परता के साथ कार्य किया गया। उन्होंने बताया की 11 फरवरी तक विभिन्न विभागों द्वारा कुल 137 सर्जरी सफलतापूर्वक की गई, जिसमें से 37 जनरल सर्जरी विभाग, 12 ईएनटी विभाग, 32 नेत्र विभाग, 45 स्त्री रोग, 9 आर्थोपेडिक व 2 अन्य विभाग से संबंधित सर्जरी शामिल है। सिविल सर्जन डॉ मुक्ता कुमार ने बताया कि यह अभियान सरकार की जनस्वास्थ्य के प्रति प्रतिबद्धता का सशक्त उदाहरण है। उन्होंने चिकित्सकों, नर्सिंग स्टाफ, आयुष्मान सेल एवं समस्त प्रशासनिक टीम के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि भविष्य में भी इसी प्रकार गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएँ सुनिश्चित की जाती रहेंगी। उन्होंने आमजन से अपील की गई कि वे आयुष्मान भारत/चिरायु हरियाणा योजना के अंतर्गत उपलब्ध निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाओं का अधिकाधिक लाभ उठाएँ।

मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के तहत विधायक कुलवंत सिंह ने बस को दिखाई हरी झंडी

सिटी दर्पण संवाददाता
मोहाली

मोहाली के विधायक कुलवंत सिंह द्वारा मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के अंतर्गत फेज-11 स्थित गुरुद्वारा सिंह सभा से बस को हरी झंडी देकर रवाना किया गया। इस बस में 40 श्रद्धालुओं का जत्था शामिल था।

विधायक कुलवंत सिंह ने बताया कि गुरुओं और पीरों की धरती पंजाब के लोगों को धार्मिक स्थलों के दर्शन करवाने के लिए पंजाब सरकार द्वारा यह विशेष पहल की गई है। उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत श्रद्धालु श्री दरबार साहिब, दुर्गियाना मंदिर, वाघा बॉर्डर और वाल्मीकि मंदिर आदि के दर्शन कर वापस मोहाली लौटेंगे और फिर यह बस अगले 40 यात्रियों को लेकर दोबारा अमृतसर के लिए रवाना होगी। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी की सरकार पूरी तरह से लोगों को समर्पित है और विकास कार्यों को लगातार पूरा किया जा रहा है। यात्रा के दौरान सभी जरूरी प्रबंध सरकार द्वारा किए गए हैं ताकि श्रद्धालु आराम से तीर्थ यात्रा कर सकें।

विधायक कुलवंत सिंह ने आगे कहा कि स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए सरकार ने मोहल्ला क्लीनिक और अब 10 लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा शुरू किया है, क्योंकि तंदुरुस्त लोग ही एक स्वस्थ समाज का निर्माण कर सकते हैं। इस योजना के बारे में जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि इसमें 50 वर्ष या उससे अधिक आयु के श्रद्धालु पंजीकरण करवा सकते हैं। एक परिवार से एक सदस्य या पति-पत्नी दोनों यात्रा पर जा सकते हैं, जिनका चयन ड्रा के माध्यम से किया जाएगा। तीन दिन और दो रातों की इस यात्रा में मुफ्त एसी बस, एसी कमरों में रहने की सुविधा, तीन समय का खाना, चाय और स्नैक्स का प्रबंध किया गया है। श्रद्धालुओं की सहायता के लिए हर बस में एक सहायक और एक मेडिकल टीम भी साथ रहेगी ताकि आपात स्थिति में मदद मिल सके।

इस अवसर पर हल्का समन्वयक और पूर्व पार्षद फूलराज सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में बुजुर्गों के लिए यह एक सराहनीय कदम है और इससे प्रदेश के बुजुर्गों में भारी खुशी है। उन्होंने कहा कि सरकार अपने सभी वादों को एक-एक करके पूरा कर रही है। इस मौके पर स्टेट आहल्का कोऑर्डिनेटर और सांप का काउंसलर फुल राज सिंह ब्लॉक अध्यक्ष तरनजीत सिंह, रंजीत सिंह ढिल्लों, हरपाल सिंह, गज्जन सिंह, स्वर्ण लता, सोनिया, उपिंदर कौर, हरविंदर कौर, कैप्टन करनैल सिंह, बस गाइड सुखप्रीत सिंह और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

सर्जिकल में पहली बार: पीजीआई ने भारत का पहला कीहोल ब्रेन एंडोस्कोपी कोर्स ऑर्गनाइज किया

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

चंडीगढ़ में पीजीआई के न्यूरोसर्जरी और एनाटॉमी डिपार्टमेंट ने 7-8 फरवरी को भारत में पहला कॉम्प्रिहेंसिव कीहोल ब्रेन एंडोस्कोपी कोर्स ऑर्गनाइज किया। भारत में अपनी तरह का पहला कोर्स होने के नाते, इस कोर्स में हैंड्स-ऑन कैडेवर ट्रेनिंग के लिए नई टेक्नीक और स्टेट-ऑफ-द-आर्ट गैजेट दिखाए गए, जिसमें मिनिमली इनवेसिव एंडोस्कोपिक ब्रेन सर्जरी की पूरी रेंज शामिल थी।

प्रो. एस.के. गुप्ता और प्रो. अंजलि ए ने ऐसी पायनियरिंग वर्कशॉप की इंपॉर्टेंस पर जोर दिया। प्रो. धंदापानी रर और डॉ. चंद्रशेखर ऋने बाहरी एक्सपर्ट डॉ. रमेश ळ और डॉ. अनंत ट के साथ कोर्स को लीड किया। कई डेलीगेट्स ने पॉजिटिव फीडबैक दिया, जो इस ग्राउंडब्रेकिंग इनिशिएटिव के लिए उत्साह दिखाता है। पीजीआई के न्यूरोसर्जरी डिपार्टमेंट ने वर्ल्ड लिटरेचर में रिपोर्ट की गई कई नई एंडोस्कोपिक टेक्नीक के जरिए अपनी ग्लोबल रेप्युटेशन पक्की की है।

नागरिकों से जागरूकता शिविरों में पहुंचकर लाभ उठाने की अपील की

सौर जागरूकता शिविरों में 1000 से अधिक लोगों की उपस्थिति; यूटी चंडीगढ़ में पीएम सूर्य घर योजना को मिल रहा उत्साहजनक जनसमर्थन

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

भारत सरकार की प्रमुख योजना पीएम सूर्य घरः मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत आयोजित सौर जागरूकता एवं सुविधा शिविरों को चंडीगढ़ में अभूतपूर्व जनसमर्थन प्राप्त हुआ है। पिछले दो दिनों में आयोजित विभिन्न शिविरों में 1000 से अधिक नागरिकों ने भाग लिया। यह उल्लेखनीय सहभागिता शहरवासियों के बीच रूफटॉप सोलर प्रणाली अपनाने के प्रति बढ़ती जागरूकता और रुचि को दशार्ती है।

यह पहल चंडीगढ़ नवीकरणीय ऊर्जा एवं विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संवर्धन सोसायटी (उफ्एरळ) द्वारा विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं नवीकरणीय ऊर्जा विभाग (ऊरळ&फए), चंडीगढ़ प्रशासन के अंतर्गत संचालित की जा रही है। इन शिविरों के माध्यम से उपभोक्ताओं में रूफटॉप सोलर स्थापना के प्रति विश्वास और जागरूकता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। शिविर स्थलों पर सूचीबद्ध विक्रेताओं एवं सहभागी बैंकों की उपस्थिति से पंजीकरण, तकनीकी मार्गदर्शन तथा स्थल पर ही ऋण सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है, जिससे लाभार्थियों के लिए प्रक्रिया सरल एवं सुलभ बनी है।

इस अवसर पर सेक्टर-17 स्थित चंडीगढ़ ट्रेडर्स एसोसिएशन के साथ एक बैठक भी आयोजित की गई। एसोसिएशन के सदस्यों ने सक्रिय भागीदारी करते हुए अपने सुझाव साझा किए। इस संवाद के माध्यम से व्यापारिक समुदाय में योजना के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा इसके व्यापक प्रचार-प्रसार एवं प्रभावी क्रियान्वयन हेतु समन्वय को सुदृढ़ करने में सहायता मिली, विशेषकर सदस्यों के आवासीय परिसरों में योजना के लाभ पहुंचाने के संदर्भ में।

नागरिकों की उत्साहपूर्ण भागीदारी यह संकेत देती है कि वे रूफटॉप सोलर प्रणाली अपनाकर बिजली बिल में कमी का लाभ उठाने के लिए उत्सुक हैं, जिससे चंडीगढ़ की स्वच्छ ऊर्जा एवं सतत विकास के प्रति प्रतिबद्धता और मजबूत हो रही है।

उत्साहजनक प्रतिक्रिया को देखते हुए सीआरईएसटी ने जनसंपर्क अभियान का विस्तार करने का निर्णय लिया है। अतिरिक्त शिविर निम्नलिखित स्थानों पर आयोजित किए जाएंगेः सीएचबी फ्लैट्स, सेक्टर 61 - 15 फरवरी 2026 से, बैंक स्क्वायर, सेक्टर 17 - 12 फरवरी 2026 से और टूरिस्ट इन्फॉर्मेशन सेंटर के निकट, सेक्टर 17 प्लाजा -12 फरवरी 2026 से।

इन अतिरिक्त शिविरों का उद्देश्य अधिक से अधिक नागरिकों तक योजना का लाभ पहुंचाना तथा रूफटॉप सोलर स्थापना से संबंधित तकनीकी एवं वित्तीय जानकारी स्थल पर ही उपलब्ध कराना है। प्रशासन की सक्रिय पहल, बैंकों एवं सूचीबद्ध विक्रेताओं के सहयोग तथा नागरिकों की सहभागिता के परिणामस्वरूप चंडीगढ़ स्वच्छ ऊर्जा लक्ष्यों की दिशा में तीव्र गति से आगे बढ़ रहा है।

सीआरईएसटी सभी नागरिकों से अपील करता है कि वे इन सौर जागरूकता शिविरों में पहुंचकर योजना की विस्तृत जानकारी प्राप्त करें, सूचीबद्ध विक्रेताओं से स्थल पर मार्गदर्शन लें तथा सहभागी बैंकों द्वारा उपलब्ध कराई जा रही ऋण सुविधा का लाभ उठाकर पीएम सूर्य घरः मुफ्त बिजली योजना का अधिकतम लाभ प्राप्त करें।